POCKET MONEY

Financial Lessons for Life

THE STUDENT'S GUIDE TO MONEY

SEBI | NiSM

COPYRIGHT © May 2010 by NISM

खुलासा

इस प्रकाशन में शामिल विषय वस्तु को इसके अनिवार्य अनुमोदन, सिफारिश अथवा नेशनल इंस्टीटच्यूट ऑफ सिक्युरिटीज मार्केट या SEBI के अनुसमर्थन के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। इस प्रकाशन को सिर्फ सामान्य अध्ययन तथा शैक्षिक उद्देश्यों से जारी किया गया है। इसमें प्रकाशित लेखकों तथा प्रकाशकों के विचार तथा कथन किसी व्यक्ति विशेष की किसी विशेष जरूरत को ध्यान में रखकर व्यक्तिगत सलाह या सिफारिश के रूप में पेश नहीं किये गये हैं। इसका उपयोग विज्ञापन अथवा प्रोडक्ट इंडोर्समेंट के उद्देश्य से नहीं किया जाना चाहिए।

इस पुस्तिका में दिये गये कथन/ व्याख्याएं / अवधारणाएं सामान्य स्वरूप की है, इनमें किसी व्यक्तिगत उपयोगकर्ता/ पाठक ध्संगठन/ संस्था के उद्देश्य/ गतिविधि / जरूरत / परिस्थिति को ध्यान में नहीं रखा गया है। अत: इस पुस्तिका में दी गई जानकारियों के आधार पर उठाये किसी गलत कदम के लिए एनआईएसएम अथवा SEBI की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अत: इस पुस्तिका में दिये गये किसी भी जानकारी या सूचना के आधार पर कोई भी कदम उठाने के पहले पाठकों / उपयोगकर्ताओं को किसी व्यावसायिक परामर्शदाता के साथ विचार-विमर्श कर लेना चाहिए।

इस पुस्तिका में प्रकाशित सूचनाएं / कथन/राय / आंकड़े तथा अन्य विषय वस्तु विश्वसनीय स्रोतों से हासिल की गयी हैं तथा इसके प्रकाशकों ने किसी गलती से बचने का पूरा प्रयास किया है। फिर भी इस पुस्तिका में प्रकाशित सूचनाओं के संदर्भ में पाठकों / उपयोगकर्ताओं को प्रकाशकों की तरफ से कोई गारंटी / वारंटी नहीं दी जाती है।

चूंकी प्रतिभूति बाजार से संबंधित शोध कार्य अभी भी जारी है। अत: एनआईएसएम तथा SEBI इस पुस्तिका में प्रकाशित जानकारियों के परिपूर्ण, पूर्ण, परिशुद्ध होने के संदर्भ में कोई वारंटी नहीं देते हैं तथा यहां दी गई सूचनाओं में कोई भूल-चूक होने के स्थिति में कोई दायित्व नहीं स्वीकार करते। एनआईएसएम तथा SEBI इन सूचनाओं और जानकारियों के संदर्भ में कोई वैधानिक दायित्व स्वीकार नहीं करते।

यद्यपि कि एनआईसएम प्रमाणन परीक्षा अधिकांशत: इस अभ्यास पुस्तिका में दी गई विषय वस्तु पर आधारित होगी फिर भी एनआईएसएम इस बात की गारंटी नहीं देता कि इस परीक्षा के सभी प्रश्न इसी अभ्यास पुस्तिका पर आधारित होंगे।

ISBN:987-81-909089-1-7

Table of Contents

About the Pocket Money Program..... i

सेबी का परिचय.....ii

एनआईएसएम का परिचय.....iii

STUDENTS' ACTIVITY SESSIONS..... 1

1. मनी के मसले: स्मार्ट गोल यानी ध्येय और वित्तीय विश्लेषण..... 3
2. बजट बनाना: अपने साधनों और अपनी जरूरतों में संतुलन..... 11
3. निवेश: पैसों के पौधे को सींचना..... 19
4. बैंकिंग के बेसिक्स यानी..... 31
5. स्टॉक्स यानी शेयर इकट्ठा 49
6. निवेश: विस्तृत प्रतिबिंब यानी स्पेक्ट्रम..... 65
7. बचत से आगे: कर्ज 81
8. उलटी गिनती 91

FAMILY ACTIVITY SESSIONS..... 103

1. मनी के मसले: स्मार्ट गोल यानी ध्येय और वित्तीय विश्लेषण..... 105
2. बजट बनाना: अपने साधनों और अपनी जरूरतों में संतुलन..... 109
3. निवेश: पैसों के पौधे को सींचना..... 113
4. बैंकिंग के बेसिक्स यानी..... 117
5. स्टॉक्स यानी शेयर इकट्ठा 121
6. निवेश: विस्तृत प्रतिबिंब यानी स्पेक्ट्रम..... 125
7. बचत से आगे: कर्ज 129
8. उलटी गिनती 137

मनी मंत्र..... 145

क्या है पॉकेट मनी प्रोग्राम

पॉकेट मनी सेबी और एनएसआईएम का प्रमुख प्रोग्राम (कार्यक्रम) है जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना है। इस प्रोग्राम का लक्ष्य स्कूली छात्रों में धन का मूल्य समझाने और बचत, निवेश और वित्तीय योजना बनाने में मदद करना है। हम अध्यापकों को प्रशिक्षण देते हैं और उन्हें कोर्स की सामग्री उपलब्ध कराते हैं जिससे कि स्कूल अपने छात्रों को इस प्रोग्राम का फायदा दिलाने में मदद कर सके।

हमारा विश्वास है कि स्कूली छात्रों को वास्तविक जीवन की वित्तीय कुशलता का ज्ञान देना बहुत जरूरी है क्योंकि यह उन्हें वास्तविक जीवन में धन को प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने के लिए तैयार करता है। चाहे उन्हें जल्द से जल्द बैंक खाता संचालित करने के लिए सक्षम बनाना हो या फिर भविष्य के लक्ष्यों के लिए बजटिंग और निवेश का महत्व समझाना हो, यह प्रोग्राम उनके समग्र विकास के लिए अहम है। यह प्रोग्राम न केवल धन का महत्व समझने वाला राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया पहला कदम है बल्कि ऐसा राष्ट्र भी जो जिम्मेदार वित्तीय फैसले लेने के लिए जरूरी समझ और कुशलता भी रखता हो।

इस प्रोग्राम के दो प्रमुख उद्देश्य हैं:

- बेसिक वित्तीय ज्ञान और व्यावहारिक कौशल या निपुणता के साथ मजबूत नींव रखना।
- जैसे जैसे छात्र बड़े होते हैं उन्हें अपने पर्सनल फाइनेंस को पूरे विश्वास के साथ प्रबंधित (मैनेज) करने के लिए तैयार करना।

प्रोग्राम के आखिर में एनआईएमएम इसमें शामिल स्कूल के साथ मिलकर एक मूल्यांकन करता है। पॉकेट मनी प्रोग्राम सफलता पूर्वक पूरा करने वाले हर छात्र को एक सर्टिफिकेट दिया जाता है और हर अध्यापक यानी टीचर को देश में वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए सम्मानित किया जाता है।

इस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए आप pocketmoney@nism.ac.in पद को लिख सकते हैं।

सेबी का परिचय

सिक्युरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) की स्थापना संसद द्वारा 1992 में की गई, जिसका उद्देश निवेशको की सुरक्षा तथा पूंजी बाजार का विकास और नियमन करना है। इसका मुख्यालय मुंबई में हैं। इसके साथ ही दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई तथा अहमदाबाद में इसके क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है।

ऐसी कंपनियां जो जनता से धन जुटाना चाहती हैं, उनको SEBI दिशानिर्देशानुसार अपने पूरे विवरण का खुलासा करना होता है। इसके अनुवर्ती इन कंपनियों को नियमित तौर पर निवेशको के हित में आवश्यक सूचनाएं प्रकाशित करनी होती है। किसी कंपनी के अधिग्रहण की स्थिति में SEBI द्वारा बनाये गये नियमों का अनुपालन करना होता है, जिससे की निवेशको के हितों को सुरक्षा प्राप्त हो सके। प्रतिभूति बाजार कंपनियों को प्राथमिक बाजार में शेयर जारी करके जनता से धन जुटाने की सुविधा देता है। इसके साथ ही यह द्वितीयक बाजार में पब्लिक कंपनियों के शेयरों की ट्रेडिंग की भी सुविधा देता है।

स्टॉक एक्सचेंज में शेयरों की खरीद और बिक्री स्टॉक ब्रोकरों के माध्यम से की जाती है। ये हस्तियां SEBI से लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही अपनी गतिविधियां संचालित कर सकती हैं। इसके साथ ही इनको निवेशको के हित की सुरक्षा की दृष्टि से SEBI द्वारा निर्धारित नियमों का अनुपालन करना होता है। इसी तरह SEBI पूंजी बाजार के अन्य भागीदारों, जैसे सब-ब्रोकरों, डिपोजिटरियों, डिपोजिटरी पार्टिसिपन्ट्स, पोर्टफोलियो मैनेजरों, मर्चेंट बैंकरों तथा शेयर ट्रान्सफर एजेन्टो की गतिविधियों का भी नियमन करती है।

म्युच्युअल फंड विभिन्न योजनाओं के तहत सामान्य जनता से धन राशि जुटाकर निवेशको की तरफ से बाजार में निवेश करते हैं। इनका नियमन भी SEBI द्वारा निर्धारित नियमों के तहत होता है। म्युच्युअल फंडों की स्कीमों, प्राप्त धन राशि के निवेश तथा निवेशको से लिये गये शुल्क आदि से संबंधित विवरणों का खुलासा करना होता है। इसके साथ ही इनको SEBI द्वारा निर्धारित नियमों के तहत नियमित अंतराल पर निवेशको के हित में आवश्यक खुलासे करने होते हैं।

इसके अतिरिक्त SEBI निवेशको को शिक्षित करती है, उनकी शिकायतों का निवारण करती है तथा समय-समय पर निवेशको के अनुकुल खुलासा नियमों (डिस्क्लोजर नोर्म्स) का निर्धारण करके उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। और अधिक जानकारी के लिए कृपया www.sebi.gov.in पद पर जायें।

एनआईएसएम

फरवरी 2005 में अपने बजट भाषण के दौरान तत्कालीन वित्त मंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुवर्ती भारतीय प्रतिभूति तथा विनिमय बोर्ड (SEBI) ने मुंबई में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्युरिटीज मार्केट (एनआईएसएम) की स्थापना की।

SEBI ने एनआईएसएम की स्थापना के माध्यम से भारत सरकार की प्रतिभूति बाजार से संबंधित शिक्षा तथा शोध को प्रोत्साहन देने की इच्छा को कार्य रूप दिया है।

भारत सरकार की इच्छा तथा SEBI की कल्पना को साकार करने के लिए एनआईएसएम ने देश तथा विदेश में विभिन्न स्तरों पर प्रतिभूति तथा वित्त बाजार से संबंधित सभी क्षेत्रों की शिक्षा के प्रसार के लिए प्रयास शुरू कर दिया है। इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए एनआईएसएम छह विशिष्ट स्कूलों की स्थापना की है जिनका उद्देश्य निवेशकों, निर्गमकर्ताओं, मध्यस्थतों, नियामक कर्मचारियों, नीति-निर्माताओं, एकादमियों जैसे विभिन्न घटकों तथा प्रतिभूति बाजार के भावी पेशेवर लोगों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना है।

एनआईएसएम प्रतिभूति बाजार के भागीदारों के ज्ञान में वृद्धि के उद्देश्य से प्रतिभूति बाजार से संबंधित विभिन्न विषय वस्तुओं का प्रकाशन करती है।
एनआईएसएम को भारतीय प्रतिभूति बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में नियुक्त पेशेवर लोगों के लिए प्रमाणन परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

Acknowledgement

The content for this program has been developed by IMS Learning Resources Pvt. Ltd. NISM is grateful to them for their contribution.

STUDENTS' ACTIVITY sessions

1.	मनी के मसले: स्मार्ट गोल यानी ध्येय और वित्तीय विश्लेषण.....	3
2.	बजट बनाना: अपने साधनों और अपनी जरूरतों में संतुलन.....	11
3.	निवेश: पैसों के पौधे को सींचना.....	19
4.	बैंकिंग के बेसिक्स यानी.....	31
5.	स्टॉक्स यानी शेयर इकट्ठा	49
6.	निवेश: विस्तृत प्रतिबिंब यानी स्पेक्ट्रम.....	65
7.	बचत से आगे: कर्ज	81
8.	उलटी गिनती	91

सत्र 1

मनी के मसले : स्मार्ट गोल यानी ध्येय और वित्तीय विश्लेषण

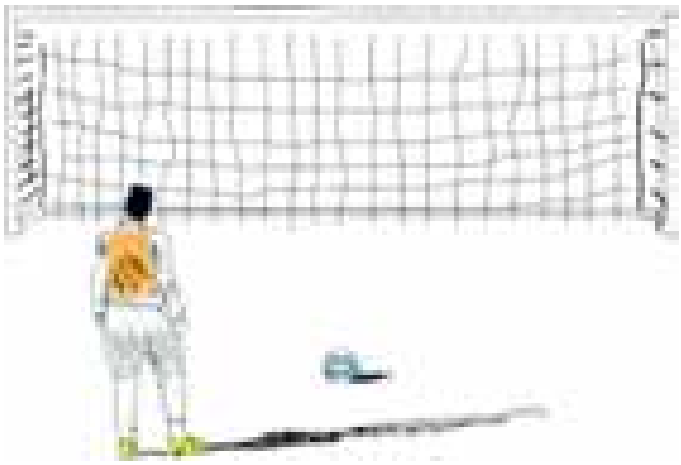

मैं हमेशा ही कुछ बनना चाहता था, लेकिन मुझे और ज्यादा स्पष्ट होना चाहिए था- जेन वैंगर

धन और आप

उन पांच वस्तुओं के नाम लिखिए जो पैसा हो तो आप तुरंत खरीदना चाहेंगे।

1._____ 2._____

3._____ 4._____

5._____

उन पांच वस्तुओं के नाम लिखिए जो आपके पास सारे पैसे होने के बावजूद आप कभी नहीं खरीद पाएंगे।

1._____ 2._____

3._____ 4._____

5._____

वित्तीय जानकारी का कोशंट यानी भागफल

नीचे दिए गए स्टेटमेंट को पढ़िए और टिक लगाएं या ये सही हैं या गलत :

1. जो व्यक्ति ढेर सारे पैसे खर्च कर सकता है वो अमीर है।_____

2. जो लोग अपनी कमाई से कम खर्च करते हैं वो अमीर बन जाते हैं बजाए उनके जो अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करते हैं।_____

3. युवा लोगों को पैसे की चिंता करने की जरूरत नहीं होती।_____

4. अगर आपका बैंक खाता खाली हो तो आप खर्च नहीं कर सकते।_____

5. बैंक खाता खोलने के लिए आपको 18 साल की उम्र का होना जरूरी है।_____

6. भारत की बड़ी कंपनियों के मुनाफे में आपकी हिस्सेदारी संभव है।_____

7. अगर आपके पास राशन कार्ड नहीं है तो आप बैंक खाता नहीं खोल सकते।_____

8. आप अपनी बचत को डाकखाने में रख सकते हैं।_____

9. 18 साल की उम्र से कम का व्यक्ति बैंक में कर्ज की अर्जी दे सकता है।_____

10. जब आप धन बचाते हैं तो वह बढ़ता है।_____

मेरा FIQ= $\frac{\text{कुल सही}}{10}$ = -----

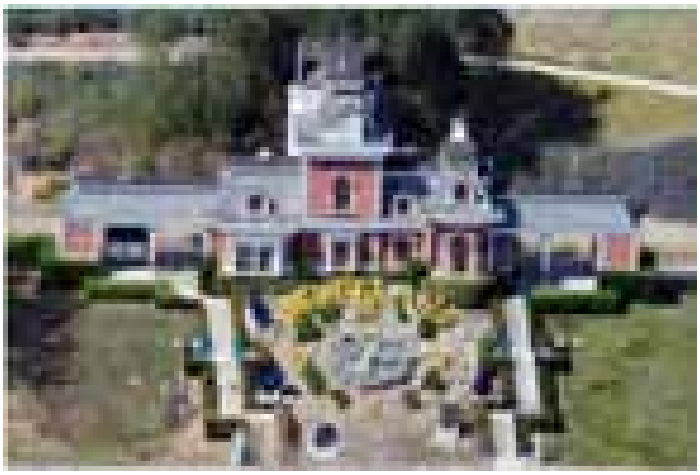

____

____

सार्थक या वर्थ-वाइल

अपने साथी की मदद से श्री बख्शी की संपत्तियों और दायित्वों की पहचान करो और उनकी नेट-वर्थ निकालो।

Item	Amount (Rs)	Asset	Liability
Bank account balance	36,678		
Car loan	1,35,000		
Washing machine	3000		
Gold Jewelry	58,000		
Shares worth	40,000		
Life Insurance	78,000		
Furniture	10,000		
Television	21,000		
House rent not paid	7000		
Phone bill not paid	1500		
Fixed deposits	10,000		
Gymnasium fees not paid	800		
Car	2,95,000		
Money owed to a friend	1,00,000		
Total Assets:			
Total Liabilities:			
Net-worth:			

क्या कहती है थ्योरी

असेट्स यानी संपत्ति: जिस पर व्यक्ति का मालिकाना हक हो।

लायबिलिटी: यानी दायित्व- किसी व्यक्ति को जो रकम देय हो।

नेट-वर्थ= असेट्स- लायबिलिटी

एक जादुई शब्द जो श्री बख्शी के लिए समाधान का काम करे_____

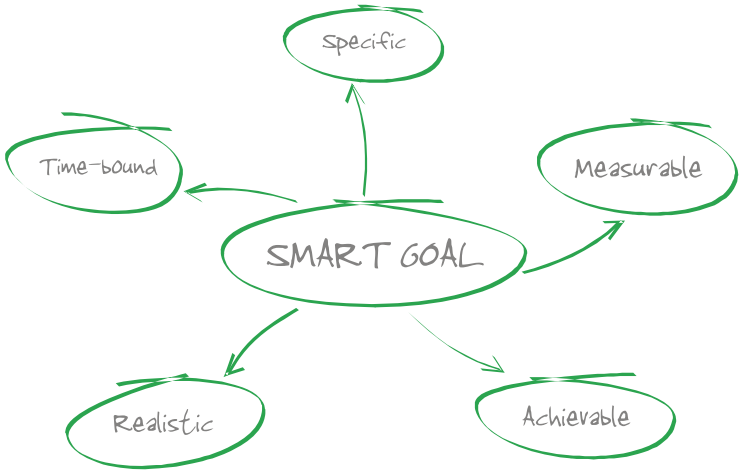

क्या स्मार्ट है और क्या नहीं?

	NOT SMART	SMART
Specific	I want to go somewhere with my friends during the summer vacation.	I want to go to Simla with my friends during the summer vacation.
Measurable	I need to save some money for the trip to Simla.	I need to save Rs. 1000 for my trip to Simla.
Achievable	I will arrange all the money myself.	I will request my parents to give me Rs.500 and I will save up rest of it.
Realistic	I will save Rs. 100 and buy lottery tickets.	I will save Rs. 100 per month for the next five months.
Time-bound	I want to save the money sometime soon.	I want to save the money by first week of March.

श्री बख्शी का सपना: एक डीवीडी प्लेयर खरीदना है।
श्री बख्शी का स्मार्ट गोल:

_____

_____

अपने साथ के साथ, नीचे दिए गए छात्रों का प्रोफाइल पढ़ो और उनके लिए एक स्मार्ट गोल तय करो-

1) नाम: रितविक पाठक
उम्र: 14
स्कूल: दिल्ली पब्लिक स्कूल
शौक: शब्दों से खेलना पसंद है
सपना: स्क्रैबल (एक बोर्ड गेम) का सबसे ताजा संस्करण खरीदने की इच्छा
स्मार्ट गोल:

_____

_____

2) नाम: सलोनी मेहता
उम्र:15
स्कूल: सेंट जेवियर्स
शौक: दोस्त बनाना और नई चीजों के बारे में जानना
सपना: मनाली में समर कैंप में हिस्सा लेना और फीस के लिए कम से कम कुछ पैसे बचाना
स्मार्ट गोल:

_____

_____

3) रोशन शशिधरन
उम्र: 14
स्कूल: केंद्रीय विद्यालय
शौक: गिटार का लिटिल मास्टर बनना
सपना: कॉलेज में पहुंचने से पहले अपना गिटार खरीदना
स्मार्ट गोल:

_____

_____

फिन्सिक्लोपीडिया या अर्थकोष

फुटबॉल की ही तरह जीवन में आप बहुत आगे नहीं जा पाएंगे अगर आपको यह नहीं पता हो कि गोलपोस्ट कहां है।

अरनॉल्ड एच ग्लासगो

मां के प्यार के लिए

सचिन त्रिवेदी 14 साल के हैं जो अपने माता-पिता के साथ जयपुर में रहते हैं। सचिन कुछ काम करके खुद कुछ पैसा कमाना चाहते हैं लेकिन वह अपने स्कूल और कराटे क्लास में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें काम करने के लिए न तो समय मिलता है और ना ही उनमें काम कर सकने लायक ऊर्जा बच पाती है।

सचिन के माता-पिता उन्हें हर महीने 1400 रुपए जेबखर्च देते हैं। इस राशि में से उन्हें 600 रुपए स्कूल बस की फीस भरनी होती है। उन्हें स्कूल में बहुत समय बिताना पड़ता है लिहाजा उन्हें कैंटीन के खर्चों के लिए 300 रुपए भी मिलते हैं। उनके पिताजी उन्हें सेलफोन के प्रीपेड रीचार्ज वाउचर के लिए 200 रुपए भी देते हैं। अगर उन्हें किसी स्टेशनरी की जरूरत हो तो उनके पिताजी उन्हें इसके लिए हर महीने 50 रुपए देते हैं। सचिन को हर माह स्टेशनरी खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती लिहाजा वह कभी - कभी उस पैसे से आइसक्रीम खरीद लेते हैं। सचिन को फिल्में देखने का भी शौक है और वह हर महीने अपने दोस्तों के साथ कम से कम दो फिल्में देखते हैं। चूंकि वह खुद कोई कमाई नहीं करते इसलिए उन्हें कुछ अतिरिक्त चाहिए होता है तो उन्हें अपने माता-पिता से मांगना पता है।

सभी बच्चों की तरह सचिन अपनी माताजी से बहुत प्यार करते हैं। तीन महीने बाद उनकी माताजी का जन्मदिन है और सचिन उन्हें कोई सरप्राइस गिफ्ट देना चाहते हैं। सचिन ने अपनी माताजी को जन्मदिन पर देने के लिए तोहफा चुन भी लिया है। उनकी मां को स्केचिंग बहुत पसंद है और सचिन ने उनके लिए एक बेहतरीन स्केचिंग सेट देख रखा है। वह सेट 540 रुपए का है और सचिन को समझ में नहीं आ रहा है कि वह उसे खरीदने के लिए क्या करे। उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें किसी से कर्ज लेने से रोका है। इसलिए वह अपने दोस्तों से उधार नहीं ले सकते। अगर लें भी तो वह चुकाएंगे कैसे? वह कमा नहीं सकते। वह यह भी नहीं चाहते कि उनके पिताजी उनकी इस योजना के विषय में जानें। अब वह अपनी मां के लिए स्केचिंग सेट कैसे खरीदें?

सचिन का स्मार्ट गोल:

_____

_____

सचिन के खर्चों का जरूरत/इच्छा विश्लेषण

DESCRIPTION	AMOUNT	NEED	WANT

सचिन के बजट पर पुन: काम करने की जरूरत:

_____

_____

_____

_____

_____

स्मार्ट गोल का फ्लोचार्ट:

क्या कहती है थ्योरी

इनकम: जो धन कमाया गया हो

खर्च: वह धन जो आप अपनी जरूरतों और इच्छाओं पर खर्च करते हैं

कैश फ्लो स्टेटमेंट: यह आपकी आय और खर्चों का विवरण होता है।

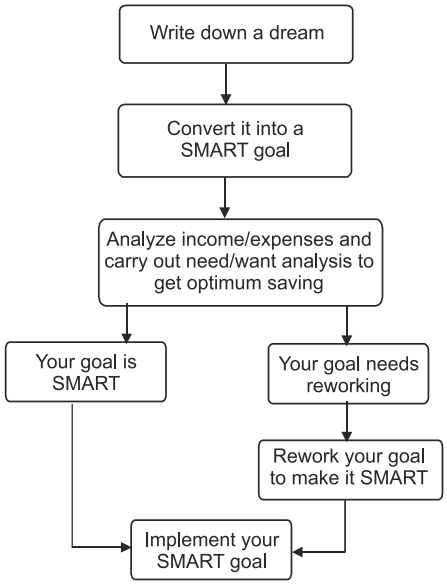

स्मार्ट प्रीव्यू:

- आय के स्रोत की पहचान
- सरप्लस यानी अतिरिक्त धन और डेफिसिट
- कैश फ्लो स्टेटमेंट और व्यक्तिगत बजट तैयार करना
- बचत की गणना करना जिसे निवेश किया जा सके
- निवेश के फायदे

सत्र 2

बजट बनाना: अपने साधनों और अपनी जरूरतों में संतुलन

मेरा अंतिम डिपॉजिट:

- खर्चे नहीं बल्कि नेटवर्थ ही किसी भी व्यक्ति की संपन्नता का सही इंडिकेटर यानी संकेतक होता है।
- सपनों को अगर पूरा करना हो तो उन्हें स्मार्ट लक्ष्यों यानी गोल्स में बदलना चाहिए। स्मार्ट गोल एक स्पेसिफिक यानी स्पष्ट, मेजरेबल यानी आकलन योग्य, एचीवेबल यानी पूरा करने योग्य, रियलिस्टिक यानी यथार्थवादी और टाइम-बाउंड यानी समयबद्ध होता है।
- जरूरत - हम उन्हें कहते हैं जो जीने के लिए जरूरी हो।
- आवश्यकताएं - वो हैं जो हमारे जीवन को आरामदायक बनाती हों।
- अपने कुछ वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपको बचत करनी होती है इसके लिए आपको अपने खर्चों के तरीकों में बदलाव करना होगा।

उत्सुकता

Areas Of Expenditure	Amount (Rs.)	Scope For Curbing?	*Proposed Expenses*
Mr. Munshi's total expenditure			

क्या कहती है थ्योरी

डेफिसिट: यानी आय से ज्यादा हुए खर्च का अंतर

क्या कहती है थ्योरी

सरप्लस: यानी जरूरतें पूरी करने के बाद बची रकम

केस 1:

श्री मुंशी की खर्च योग्य आय _____

श्री मुंशी के घरेलू खर्च_____

आय-खर्च= _____

डेफिसिट:

_____

_____

केस 2:

श्री मुंशी की खर्च योग्य आय_____

श्री मुंशी के संशोधित घरेलू खर्च_____

आय-खर्च=_____

सरप्लस:

_____

_____

चलो गोआ!!!

राहुल वर्मा 14 साल का एक स्मार्ट लड़का है जो दिल्ली में अपने माता-पिता और 12 साल की अपनी बहन रिमी के साथ रहता है। राहुल के पिता एक कॉलेज में प्रोफेसर हैं और मां हाउसवाइफ है यानी घर के कामकाज संभालती हैं। जून का महीना है और स्कूल खुलने में अभी एक हफ्ता बाकी है। राहुल और रिमी ने अपनी सारी छुट्टियां अपने नाना-नानी के घर पर बिताईं हैं। वहां से लौटने के बाद उन्होंने मांग की कि जाड़े की छुट्टियों में वे कहीं और दूर जाएं। उनकी मां सहमत थी कि उन्हें भी बदलाव की जरूरत है। उन्होंने तय किया कि पिताजी के घर लौटने पर वे उन्हें इस बारे में बताएंगे।

क्या कहती है थ्योरी

कैश फ्लो स्टेटमें: आय और खर्चों का ब्योरा

श्री वर्मा भी छुट्टियों में कहीं बाहर जाने की बात से उत्साहित थे लेकिन उन्होंने अपने परिवार को बताया कि वे उन्हें कहीं बहुत दूर नहीं ले जा सकेंगे। लेकिन टीवी पर गोवा के बारे में आए एक घंटे के कार्यक्रम ने बच्चों के लिए अपना काम कर दिया था। बच्चे अभी से तैयारी में जुट गए थे और गोवा में छुट्टियां मनाने के सपने देखने लगे थे। लिहाजा उनके पिताजी ने जब कहीं नजदीक चलने की बात कही तो बच्चों ने जोर दिया कि गोआ चला जाए। रिमी ने उत्सुकता से कहा, पापा, टीवी के प्रोग्राम में कहा गया था कि जाड़े का समय गोआ जाने के लिए सबसे अच्छा रहता है। सर्दी में वहाँ का मौसम बहुत अच्छा रहता है, और सोचिए वहां क्रिसमस कार्निवाल देखने में कितना मजा आएगा? प्लीज पापा, चलिए हम सब वहीं चलें।

क्या कहती है थ्योरी

बजट: बजट एक योजना है ताकि स्रोतों और खर्चों के बीच समन्वय बैठाया जा सके या किसी की आय और खर्चों का एक आकलन

आखिरकार श्री वर्मा मान ही गए और बोले, मुझे लगता है कि तुम लोगों ने इसके लिए खासी तैयारी कर रखी है। हमें तुम लोगों को गोआ ले जाने में बहुत खुशी होगी लेकिन हमें और भी बहुत से काम देखने हैं। तुम लोगों के स्कूल शुरू होने वाले हैं। हमें यूनीफार्म, स्कूलबैग, किताबें आदि खरीदनी हैं। हमें तुम लोगों की आगे की पढ़ाई के लिए भी पैसे बचाने हैं। गोआ की यात्रा पर हम केवल दस हजार रुपए खर्च कर सकते हैं और इतने पैसों में गोआ घूमकर आना संभव नहीं होगा।

बच्चे मायूस हो गए। लेकिन उनकी मां ने कहा, क्यों न हम मालूम करें कि गोआ में पांच दिन की छुट्टियों का कितना खर्च आएगा और उसके बाद हम कुछ सोच सकते हैं। बच्चों के मन में फिर से आशा की किरण जगी और उन्होंने पापा से इस बाबत मालूम करने के लिए कहा। उनके पापा ने ऑनलाइन मालूम किया । खर्चों का हिसाब लगाया और बताया कि गोआ में पांच दिन की छुट्टियां बिताने पर कुल 40 हजार रूपए का खर्च आएगा।

उनकी मां ने बच्चों से कहा, देखो बच्चों, हमारे पास अभी छह महीने हैं और हमें इस दौरान 30 हजार रुपए जमा करने हैं क्योंकि आपके पापा के पास केवल दस हजार रुपए ही हैं। अगर हम मिलजुल कर काम करें और अपने रोजाना के खर्चों में कटौती करें तो हो सकता है हम उतने पैसे बचा लें। राहुल, क्यों न यह शुरुआत तुम खुद से ही करो। उनके पापा ने कहा, यह तो गजब का आइडिया है। तुम्हारे स्कूल खुलने वाले हैं, हमें पूरा विश्वास है कि तुम इस आइडिया को कुछ समय दोगे और परिवार के लिए एक बेहतर बजट तैयार करोगे।

उन्होंने कहा, इस काम में हम तुम्हारी हर संभव मदद करेंगे।

दोनों ही बच्चे अपने इस नए प्रोजेक्ट से उत्साहित थे। राहुल ने सारी तैयारियां कर लीं और विभिन्न मदों पर परिवार के वास्तविक खर्चे लिखने में जुट गया।

वर्मा जी के परिवार का स्मार्ट गोल-

_____

_____

वर्मा परिवार की अहम जानकारियां-

- परिवार हर रविवार को एक फिल्म देखता है- खर्च 200 रु. प्रति व्यक्ति
- इसके बाद वह लंबी ड्राइव पर जाते हैं- खर्च 250 रु. रविवार को
- कहीं वापसी पर वह रास्ते में डिनर करते हैं-खर्च 500 रु.रविवार को
- वर्मा जी अपने कॉलेज कार से जाते हैं खर्च डीजल की कीमत 150 रु.प्रति दिन

राहुल ने अपने माता-पिता की मदद से परिवार के और खर्चों के बारे में भी जानकारी ली। मौजूदा खर्चों के कॉलम को राहुल द्वारा उपलब्ध जानकारी के आधार पर पूरा करें। (साथ में दी गई तालिका देखें)

क्या कहती है थ्योरी

ऑपर्चुनिटी कॉस्ट: ऑपर्चुनिटी कॉस्ट का मतलब है हर बार किसी वस्तु का चुनाव करते हुए आप किस चीज को छोड़ते हो या फिर त्यागते हो। स्रोत सीमित होते हैं और आवश्यकताएं असीमित होती हैं। हमें हर चीज नहीं मिल सकती। लिहाजा हमें कोई चीज खरीदने के लिए चुनाव करना होगा कि हम क्या लें और क्या नहीं लें।

Area of expenditure		Current expenditure per month	Scope for curbing	Proposed saving	Savings in 6 months
Medical and emergency reserve		2000			
Electricity bill		2000			
Phone Bill		2000			
Movie & popcorn at multiplex					
Dinner at a restaurant					
Diesel expenses for long drive					
TOTAL					
Expected saving		30000			
STEP 2: 24600 down, 5400 to go!					
Grocery		5000			
Provisions	2500				
Cooking oil	425				
Milk	900				
Vegetables	1175				
Father's diesel expenses		3900			
Ironing clothes		700			
TOTAL					
Expected saving		30000			
Total Saving					

थ्योरी के मुताबिक

डिलेड ग्रैटिफिकेशन: जलंबी अवधि के अध्येयों या गोल के लिए आपको अभी की जरूरत की किसी चीज का मोह त्यागना होगा ताकि भविष्य में आप बेहतर चीज को हासिल कर सकें। इसे हम डिलेड ग्रैटिफिकेशन कहते हैं।

थ्योरी के मुताबिक

इंस्टैंट ग्रैटिफिकेशन: जब आप अपनी इच्छा को तुरंत ही पूरा कर लेते हैं इसे इंस्टैंट ग्रैटिफिकेशन कहा जाता है।

वर्मा जी का पारिवारिक बजट तैयार करने में गुंजाइश:

वित्तीय ज्ञान का गुरुमंत्र:

हमें एक प्रभावी बजट बनाना चाहिए ताकि:

- ✓ अनुकूल और पर्याप्त बचत हो सके
- ✓ सुनिश्चित करें कि आप अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च न करें
- ✓ किसी लघु या लंबी अवधि के ध्येय के लिए सही बचत करें
- ✓ पहले से ही विभिन्न खर्चों के लिए धन आवंटित कर दें।

फिनसाक्लोपीडिया यानी अर्थकोष

कुछ परिवार हर महीने बहुत सावधानी से अपना बजट तैयार करते हैं और कुछ इसकी फिक्र नहीं करते

-सैली पॉपलिन

स्मार्ट प्रीव्यू:

- निवेश की जरूरत
- ब्याज की धारणा
- धन की टाइम वैल्यू
- बैंक की जरूरत
- चक्रवृद्धि की अहमियत
- निवेश से जुड़ी तीन अहम बातें- सुरक्षा, तरलता और विकास

सत्र 3

निवेशः पैसों के पौधे को सींचना

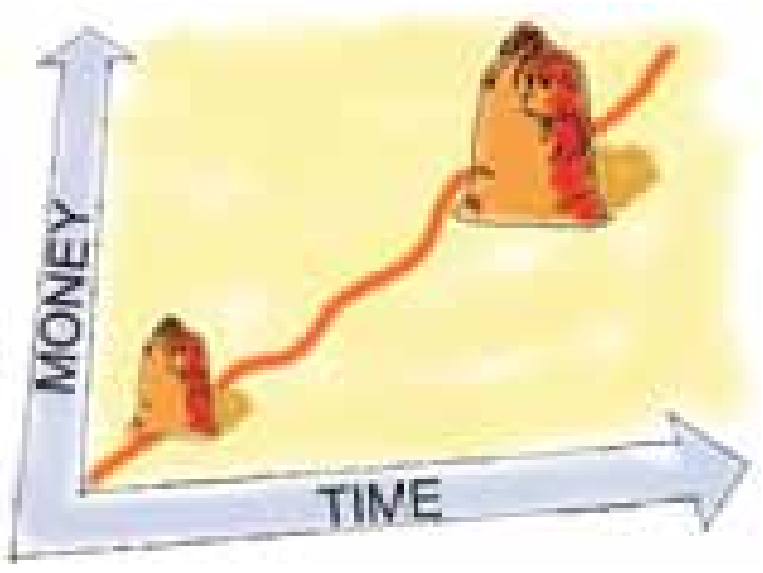

मेरा अंतिम डिपॉजिट

- सरप्लस यानी अतिरिक्त धन, डेफिसिट यानी आय से ज्यादा हुए खर्च का अंतर, ऑपर्चुनिटी कॉस्ट, डिलेड और इंस्टैंट ग्रैटिफिकेशन की धारणा।
- कैश फ्लो स्टेटमेंट आपकी आय और खर्चों का ट्रैक रख रहा है।
- कैश फ्लो स्टेटमेंट का विश्लेषण करना जरूरी है, क्या हमें इस विश्लेषण की जरूरत है, पर्याप्त बचत की एक योजना बनाएं और स्मार्ट गोल या ध्येय पाने के लिए एक समझदारी भरा बजट तैयार करें।

उत्सुकता

एक खट्टा-मीठा आश्चर्य

एक स्कूल के हॉस्टल में एक समय की बात है

राज: यश, मैं रविवार को स्कूल के अपने मेले में शिकंजी का स्टॉल लगाने की सोच रहा हूं। चूंकि अभी गर्मियां हैं, तो मुझे लगता है कि शिकंजी की खूब बिक्री होगी।

यश: यह आइडिया बहुत बढीया है राज। तो ऐसा कर क्यों नहीं रहे हो।

राज: असल में मुझे अपने माता-पिता को यह बात लिखने का समय नहीं मिला और शिकंजी बनाने का सामान खरीदने के लिए मुझे पचास रुपए चाहिए। मैं सोच रहा था, अगर तुम अपनी गुल्लक से मुझे पैसे उधार दे देते तो.

यश: (कुछ सोच में) क्या यह मुझे पैसे लौटा पाएगा? मुझे क्या करना चाहिए? मेरी गुल्लक में करीब 150 रुपए हैं लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा कि मुझे पैसे उधार देने चाहिए या नहीं...

राज: यश, अगर हम तुमसे पचास रुपए उधार लें और वापस 60 रुपए करें तो? इसमें तुम्हारा फायदा होगा...क्या कहते हो।

यश: (कुछ अचरज भरी सोच) लेकिन राज पचास रुपए उधार ले रहा है तो फिर 60 रुपए क्यों लौटाएगा?

राज जो दस रुपए अतिरिक्त लौटा रहा है वह क्या है ?

_____

_____

निवेश की जरूरत

1. पुराने दिन

लड़का: ''मां, क्या तुम मुझे 150 रुपए दे सकती हो? मेरे दोस्त और मैं आज स्कूल के बाद मैक्डोनाल्ड्स में बर्गर खाने जाने की योजना बना रहे हैं।

दादा: (लड़के की बात सुनकर) बिट्टू, क्या तुम्हें पता है कि एक समय था जब हम इतने पैसों में अपनी पूरी गृहस्थी चलाते थे!

लड़का: (कुछ सोचते हुए) वाकई? नहीं दादा, आप हमसे मजाक कर रहे हैं!

लड़के के दादा का इशारा किस ओर था?

_____

_____

2. मन से जिओ!!!!

यह तस्वीरें क्या संकेत देती हैं?

_____

_____

3. बाद के सालों की दिक्कतें

दादा: क्या बात है? तुम परेशान लग रहे हो। क्या कोई परेशानी है?

मित्र: हमसस! हां,यह सच है। दरअसल मेरी पत्नी काफी बीमार है और इलाज करवाना बेहद महंगा है। मेरी पेंशन से कई बार खर्च पूरे नहीं पड़ पाते। आप जानते हैं, मैं अब जवान भी नहीं हूं लिहाजा कुछ कमाता भी नहीं हूं!

दादा: सच है मेरे दोस्त। बुढ़ापे में नियमित आय के लिए इंतजान करना बहुत जरूरी होता है।

क्या बुढ़ापे के लिए नियमित आय का इंतजाम करना संभव है?

_____

_____

4. असीमित सपने!

आपको क्या लगता है, यह तस्वीर क्या कह रही है?

_____

_____

_____

_____

निवेश क्यों जरूरी है?

- ✓ यह महंगाई से निपटने में मददगार होता है।
- ✓ प्यह बुढ़ापे में आय का नियमित स्रोत उपलब्ध कराता है।
- ✓ यह हमें एक निश्चित जीवन स्तर बनाए रखने में मदद करता है।
- ✓ यह आपकी उम्र बढ़ाने के लिए भी जरूरी है।
- ✓ यह हमारे लघु और लंबी अवधि के सभी वित्तीय ध्येयों का पूरा करने में मदद करता है।

कहां रखा जा सकता है धन!!!

बंटी को उसका पहला वेतन मिला है। वह बहुत उत्साहित है और उसने पहले से ही योजना बना रखी है कि वह कहां - कहां पर अपनी मेहनत की कमाई खर्च करेगा। लेकिन वह यह नहीं समझ पा रहा कि अपनी बचत वह कहां पर सुरक्षित रखे। दूसरी ओर बंटी का दोस्त भावेश अपना खुद का कारोबर शुरू करना चाहता है जिसके लिए उसे पैसों की जरूरत है। वह समझ नहीं पा रहा कि वह कहां से पैसे उधार ले।

वह कौन सी ऐसी एक जगह है जहां दोनों की समस्याओं का समाधान हो सकता है?

क्या कहती है थ्योरी

बैंक एक वित्तीय संस्थान है जो मुख्य रूप से अपने ग्राहकों के पेमेंट एजेंट के तौर पर काम करता है वह धन को उधार लेता है और कर्ज भी देता है।

निवेश का कल्पवृक्ष

निवेश के तीन तत्व होते हैं- सुरक्षा, तरलता और विकास।

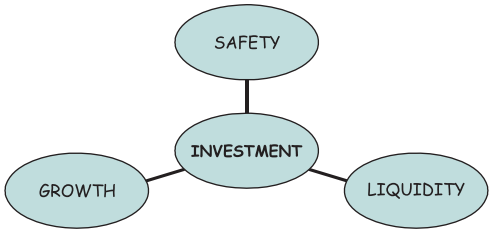

क्या कहती है थ्योरी

निवेश से जुड़े तीन अहम तत्व हैं सुरक्षा, तरलता और विकास।

वास्तविक बैंक बनाम गुल्लक यानी पिग्गी बैंक: आइए दोनों की तुलना करें:

	Piggy Bank	Real Bank
Safety		
Liquidity		
Growth		

नोट: तरलता यानी लिक्विडी से आशय है जरूरत पर हमें कितनी जल्दी धन उपलब्ध हो सकता है। यानी जब व्यक्ति को वापस धन की जरूरत हो तो वह उसे कितनी आसानी से मिल सकता है।

निवेश के तीन ऐसे तरीकों को लिखें जो आपको पता हों।

निवेश मंत्र

1. धन के मामले में समय का महत्व

स्मिता:

- पंद्रह साल की उम्र से ही हर साल 750 रुपए का निवेश करना शुरू कर देती है।
- तीस साल की उम्र में वह निवेश करना बंद कर देती है
- वह इस रकम में से एक पैसा भी नहीं निकालती है।

जय:

- तीस साल की उम्र से सालाना पांच हजार रुपए निवेश करना शुरू करता है।
- यह रकम वह अपनी साठ साल की उम्र तक निवेश करता है।
- इस दौरान वह इसमें से एक पैसा भी नहीं निकालता।

फिनसाइक्लोपीडिया यानी अर्थकोष

अल्बर्ट आइंस्टीन ने चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग को दुनिया का आठवाँ आश्चर्य कहा है !!!!

दोनों को ही जमा रकम पर 15 फीसदी का रिटर्न मिलता है।

आपको क्या लगता है साठ साल की उम्र तक किसने ज्यादा रकम जोड़ ली होगी?

_____

निवेश मंत्र 1:

_____

_____

2. शह और मात!!!

एक समय की बात है एक अमीर राजा हुआ करता था। वह अपनी अक्लमंदी के लिए जाना जाता था। वह नए-नए काम करने का वह पक्षधर था। एक दिन एक व्यक्ति उसके पास एक बोर्ड गेम लेकर आया जिसे उसी ने ईजाद किया था। उसने अपने उस खेल या गेम को चेस का नाम दिया था।ने उस व्यक्ति के साथ वह खेल खेला और वह उससे इतना प्रसन्न हुआ कि राजा ने व्यक्ति से कोई ईनाम मांगने को कहा। व्यक्ति ने कहा उसे चेस के बोर्ड के पहले खाने के लिए एक अशर्फी दी जाए, दूसरे खाने के लिए दो

राजा को यह ईनाम काफी आसान लगा। लेकिन जब तक वह 64वें खाने में पहुंचा राजा ने देखा कि तब तक व्यक्ति को 18,446,744,073,709,551,615 अशर्फियां मिल चुकी थीं। राजा ने उस व्यक्ति को जुबान दी थी लिहाजा उसे अपनी बात भी रखनी थी। आखिर में अपना सारा खजाना खाली करने के आखिर में अपना सारा खजाना खाली करने के बाद भी राजा उसके ईनाम की रकम पूरी नहीं कर सका।

इस कहानी की अवधारणा है कि_____

निवेश मंत्र 2:

_____

_____

3. लंबी अवधि का फायदा

नीचे दी गई तालिका में बताया गया है कि सौ रुपए का निवेश विभिन्न ब्याज दरों में कैसे बढ़ता है।

No. of years	5%	10%	15%	20%
1	105	110	115	120
5	128	161	201	249
10	163	259	405	619
15	208	418	814	1541
25	339	1083	3292	9540

_____

_____

_____

_____

निवेश मंत्र 3:

_____

_____

4. जुड़वों की कहानी

सनी और बॉबी, जुड़वां हैं, उन्होंने तय किया है कि वे 25 साल की उम्र से वह सालाना तीन हजार रुपए निवेश करेंगे। बॉबी ने तीस साल की उम्र तक ऐसा किया फिर छोड़ दिया जबकि सनी लगातार यह निवेश करता रहा। कुछ साल बाद बॉबी ने छूट गए सालों की भरपाई करनी चाही और 35 साल की उम्र में 20 हजार रुपए एकमुश्त जमा किए और 42 साल की उम्र में फिर से एकमुश्त 25 हजार रुपए जमा किए। इस तरह से 45 साल की उम्र तक दोनों ने कुल 63 हजार रुपए का निवेश किया था। अगर 15 फीसदी की ग्रोथ रेट मान ली जाए तो सनी के पास उस समय तक चार लाख रुपए हो गए थे जबकि बॉबी के पास तीन लाख अस्सी हजार रुपए ही थे।

निवेश मंत्र 4:

_____

_____

क्या कहती है थ्योरी

मोटे तौर पर अगर किसी निवेश को दूना होना है तो ब्याज दर और निवेश की अवधि का गुणांक ७२ होना चाहिए।

72 के साथ साल्सा

Rate of interest	Period of investment	Working space
10		
	5	
8		
	20	
12		
	11	

72 का नियम:

_____

_____

_____

_____

गिटार का बुखार

डेरियस तेरह साल का है और उसने अभी आठवीं कक्षा की परीक्षा पास की है। वह गिटार बहुत अच्छा बजाता है और उसका सपना है अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का गिटार वादक बनने का और किसी दिन अपना खुद का बैंड स्थापित करने का। हाल में डेरियस ने बैंगलुरू में एक ब्रिटिश बैंड का लाइव कार्यक्रम देखा था और तब से उसका सपना है खुद का एक इलेक्ट्रॉनिक गिटार खरीदने का और साथ में उच्च स्तर का साउंड आउटपुट भी। डेरियस शहर में सबसे अच्छे संगीत उपकरण यानी म्यूजिकल एक्विपमेंट बेचने वाले स्टोर में जाता है और मालूम करता है कि जो उपकरण उसे चाहिए वह एक लाख रुपए का है।

उनका उसका दिल टूट जाता है, वह अपने गिटार अध्यापक के पास जाते हैं जाता है और उन्हें उस इलेक्ट्रॉनिक गिटार के बारे में बताता है। गिटार के अध्यापक युवा हैं और बहुत काबिल कलाकार हैं। वे डेरियस की बात ध्यान से सुनते हैं।

अध्यापक: "तो समस्या क्या है?"

डेरियस: "सर, आप मजाक कर रहे हैं? हम वह बेहतरीन गिटार भला कैसे खरीद सकते हैं?"

अध्यापक: "डेरियस, तुम अपनी उम्र के लिहाज से काफी अच्छा बजाते हो लेकिन मेरा सुझाव है कि तुम यह मौजूदा एकॉस्टिक गिटार करीब 7-8 साल और बजाओ। उसके बाद हम इलेक्ट्रॉनिक गिटार के बारे में सोचेंगे।"

डेरियस: "सर, मुझे पता है कि फिलहाल हमें उसकी जरूरत नहीं है लेकिन कम से कम अपने ग्रेजुएट होने तक उसे खरीद लेना चाहते हैं। लेकिन उसकी कीमत बहुत ज्यादा है। कोई सूरत नहीं है कि हम 7-8 साल बाद भी उस गिटार को खरीद पाएं।

आखिर इन वर्षों में तो मैं पढ़ ही रहा होउंगा। इस दौरान मैं कमाउंगा तो नहीं। अभी मैं करीब दो सौ रुपए हर महीने बचाता हूं लेकिन इतनी छोटी रकम से हम गिटार कभी नहीं खरीद सकेंगे। अध्यापक अपनी आंखों में एक चमक लिए मुस्कराया। उसने कहा, डेरियस, ऐसा मत सोचो कि हम तुम्हारा मजाक बना रहे हैं। बिलकुल नहीं। दरअसल तुम मुझे दस साल पीछे ले गए जब मैंने भी इलेक्ट्रॉनिक गिटार लेने का फैसला लिया था और तब मैं भी मात्र 14 साल का था।"

डेरियस को उनकी बात पर उत्सुकता हुई, वह बोला, "सचमुच सर, फिर आप गिटार लेने में सफल हुए? आपको इतने पैसे जोड़ने में जरूर बहुत तकलीफ हुई होगी।"

अध्यापक: "डेरियस, तुम वो वहाँ रखा हुआ गिटार देख रहे हो, यह वही गिटार है जो मैंने 21 साल की उम्र में खरीदा था।"

डेरियस: "आपने इतना बड़ा काम किया कैसे?"

अध्यापक: "बस नियमित बचत और निवेश से। इसके लिए मुझे बहुत तकलीफ भी नहीं उठानी पड़ी। मैंने बस बचत की और एक छोटी रकम का नियमित निवेश करता रहा और तब तक करता रहा जब तक कि मैंने उसे खरीद नहीं लिया। मैंने भी दो साल तक हर महीने 150 रुपए बचाए जब मैं हाइस्कूल में था और बाद में जैसे जैसे बड़ा होता गया बचत भी बढ़ाता गया और थोड़ी कमाई भी करता गया। बहुत ज्यादा नहीं, हां, 1500 रुपए महीना कमाने लगा था।"

डेरियस: आपको लगता है कि मैं भी अपना गिटार ले पाउंगा, खुद से, यानी मुझे अपने पिताजी को इसके लिए परेशान नहीं करना पड़ेगा।

अध्यापक: बिलकुल, तुम कर सकते हो, एक कागज और कलम उठाओ और हम तुम्हारे लिए एक योजना बनाते हैं।

Amount per month	Period of investment	Principal amount	Possible rate of interest	Final amount
Rs. 200	8 years	19,200	10%	26,960
Rs. 300	6 years	21,600	9%	27,513
Rs. 1000	4 years	48,000	8%	55,840
TOTAL	8 years	88,800		1,10,313

साधारण ब्याज

फार्मूला:

$$I = \frac{P \times N \times R}{100}$$

I = ब्याज,
P = मूलधन, R = ब्याज दर,
T = अवधि

क्या कहती है थ्योरी

चक्रवृद्धि ब्याज फार्मूला:

$A = P \times (1+r)^n$

A = रकम,
P = मूलधन,
R = ब्याज दर
N = अवधि,
r = R/100

नोट्स:

_____

_____

_____

_____

_____

_____

स्मार्ट प्रिव्यू

- बैंक में एक बचत खाता कैसे खोलें?
- अन्य तरह के बैंक खाते
- बैंकिंग लेनदेन के लिए जरूरी इस्ट्रूमेंट्स- एटीएम, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, विदड्राअल और डिपॉजिट स्लिप यानी पैसा निकालने और जमा करने की पर्ची, चेक, डीडी आदि.
- ई-बैंकिंग, टेलि-बैंकिंग, सुरक्षा के तत्व आदि

सत्र 4

बैंकिंग के बेसिक्स यानी बुनियादी बातें

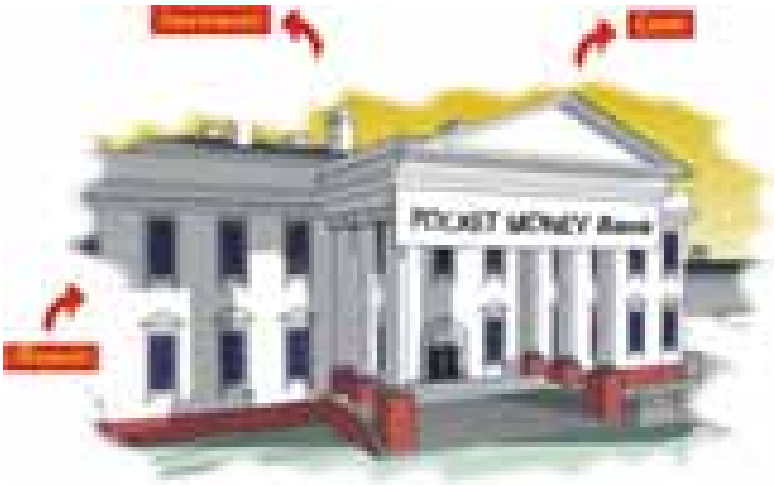

मेरा अंतिम डिपॉजिट

- निवेश से आपकी बचत बढ़ती है
  - निवेशित धन समय के साथ बढ़ता है
  - ब्याज वह अतिरिक्त धन है जो आपको अपना धन कुछ समय के लिए निवेश करने पर मिलता है
  - जब ब्याज चक्रवृद्धि दर से लगता है तो धन ज्यादा तेजी से बढ़ता है

- जब आप धन का निवेश करते हैं, आप उसमें तीन अहम बातों को देखते हैं
  - सुरक्षा
  - तरलता
  - रिटर्न

उत्सुकता

यह भी एक बैंक है लेकिन क्या आप यहां खाता खोल सकते हैं?

_____

_____

चेतन को एक चेक मिला

चेतन: नमस्कार मां! नाना जी ने हमें जन्मदिन पर एक कार्ड भेजा है और उसके साथ एक चेक भी है।

मां: उन्हें धन्यवाद का एक पत्र भेज देना बेटा, लेकिन इस पैसे से तुम क्या करना चाहते हो?

चेतन: मैं ऐसी कोई चीज खरीदूंगा जो हमारे काम की हो, केवल वह नहीं जिसकी इच्छा हो। आपको पता है मां, मैं अपना पॉकेटमनी प्रोग्राम आधा कर चुका हूं।

चेतन: लेकिन यह केवल चेक है, इसका पैसा तुम्हें कैसे मिलेगा?

चेतन को पैसा कैसे मिलेगा?

_____

चेतन: इसका मतलब यह है कि मुझे पैसे लेने के लिए नाना जी के पास जाना होगा?

मा: नहीं बेटा, तुम नजदीक के बैंक में जा सकते हो जहां मेरा खाता है। तुम्हें जिस बैंक पर तुम्हारा चेक जारी किया गया है तुम्हें उस बैंक की शाखा तक नहीं जाना होगा।

चेतन: अच्छा! लेकिन मेरी कुछ समझ में नहीं आता, यह ड्राई क्या है जिसके बारे में तुम बात कर रही हो।

मा: मुझे चेक दिखाओ, मैं तुम्हे चेक की सारी बातें बताउंगीं।

चेक को चेक करें

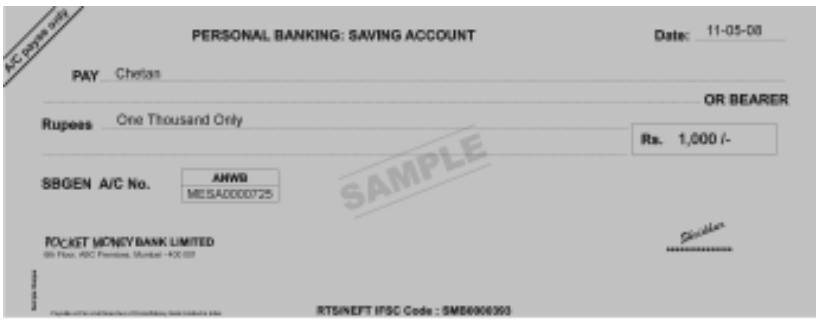

ड्राअर:_____

_____

क्या कहती है थ्योरी

चेक एक ऐसा लिखित दस्तावेज या इंस्ट्रूमेंट है जिसमें जारी करने वाले के हस्ताक्षर के साथ किसी निश्चित बैंकर के लिए एक बिना शर्त आदेश होता है कि वह एक नियत राशि किसी को या किसी के आदेश पर या फिर उस दस्तावेज के धारक को अदा करे।

-नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट ऐक्ट

क्या कहती है थ्योरी

चेक के ऊपर वाले बांए कोने पर दो समानांतर तिरछी रेखाओं को क्रॉसिंग कहते हैं और जब चेक क्रॉस किया जाता है तो बैंकर जिस पर चेक जारी किया गया है वह उसका पेमेंट केवल एक बैंकर को ही दे सकता है, किसी और को नहीं।

-नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स ऐक्ट

पेई:_____

ड्राई बैंक और ब्रांच: _____

_____

चेतन: तो, मां, आपका मतलब है मैं नजदीक के बैंक जाकर इस चेक का पैसा ले सकता हूं?

क्या चेतन को इस चेक के बदले बैंक से कैश (नकद धन) मिल सकता है?

_____

चेतन: चेक पर उन दो तिरछी लकीरों का क्या काम है?

मां- उसे_____कहते हैं उसका मतलब है कि_____

_____

मां: शब्द _____जो दो समानांतर लकीरों के बीच लिखें हैं उनका मतलब है कि

_____

और बैंक चेक के एवज में _____नहीं देगा।

तो अब चेतन को क्या करना चाहिए?

_____

चेतन: पहली बात कि नाना जी ने मुझे एकाउंट पेई चेक क्यो भेजा? अब यह मेरे लिए एक मुसीबत बन गया है

चेतन के नाना जी ने किस कारण से उसे चेक भेजा होगा?

चेतन- लेकिन उन्होंने चेक को क्रॉस क्यों कर दिया है?

चेक को_____करना और उसमें_____ मार्क करने से यह सुनिश्चित हो जाता है कि केवल_____ही चेक का पैसा ले सकता है और किसी अन्य को इसका पैसा नहीं मिलेगा।

चेतन: लेकिन मैं अभी 18 साल का नहीं हुआ हूं तभी आप मुझे कार चलाने नहीं दे रहे हैं और ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बनवा रहे हैं।

मैं, बैंक खाता कैसे खोल सकता हूं?

क्या चेतन बैंक खाता खोल सकता है?

ज्यादातर बैंक दस/बारह/अठारह साल के नाबालिगों को अपने माता-पिता के साथ ज्वाइंट रूप में या स्वतंत्र रूप में बचत खाता खोलने और उसे चलाने की अनुमति देते हैं /नहीं देते हैं। लिहाजा चेतन बैंक खाता खोल/नहीं खोल सकता है।

चेतन बैंक जाता है

मां: गुड मॉर्निंग मिस वरुणा, मेरे बेटे चेतन से मिलिए। यह खाता खोलना चाहता है।

मैनेजर: गुड मॉर्निंग। आप किस तरह का खाता खोलना चाहते हैं चेतन?

चेतन: क्या कई तरह के खातें हैं जो मैं खोल सकता हूं?

विभिन्न तरह के जमा (डिपॉजिट) खाते:

सेविंग्स या बचत खाता: जैसा कि नाम से समझ में आता है, यह खाता आपका पैसा जमा करने के लिए और खर्चों के लिए धन निकालने के लिए होता है, बाकी पैसा आपके सेविंग्स खाते में पड़ा रहता है। आमतौर पर कितनी बार पैसा निकालें इसकी भी एक सीमा होती है। बैंक आपके खाते में पड़े पैसे पर ब्याज देता है।

करेंट या चालू खाता: इस तरह का खाता कारोबारी लेनदेन के लिए होता है। बैंक ऐसे खातों पर कोई ब्याज नहीं देता।

टर्म डिपॉजिट खाता या मियादी खाता: जिसे टाइम/ फिक्स्ड डिपॉजिट खाता भी कहते हैं- यह ऐसा खाता होता है जिसमें आमतौर पर वह पैसा डाला जाता है जिसकी तुरंत जरूरत नहीं पड़नी होती है। बैंक आमतौर पर इन खातों पर ब्याज दर बचत खातों पर मिलने वाली ब्याज दर से ज्यादा रखता है। इसे टर्म डिपॉजिट अकाउंट कहते हैं क्योंकि इसमें पैसा बैंक के पास पहले से एक तय अवधि के लिए रहता है। इस अवधि के समाप्त होने को मेच्योरिटी यानी परिपक्वता कहते हैं। अगर खाताधारक समय से पहले पैसा निकालता है तो बैंक उस पर कुछ पेनाल्टी लगाता है।

क्या कहती है थ्योरी

जब चेक की क्रॉसिंग के बीच अकाउंट पेई लिख दिया जाता है तो बैंकर उसका भुगतान केवल उसी को करेगा जिसके नाम चेक काटा गया है।

नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स ऐक्ट

मोटे तौर पर तीन तरह के टर्म डिपॉजिट खाते होते है.

विभिन्न प्रकार के टर्म डिपॉजिट खाते:

(1) जहां डिपॉजिट की अवधि के दौरान कोई ब्याज नहीं दिया जाता और ब्याज की रकम चक्रवृद्धि दर से बढ़ती रहती है और मेच्योरिटी पर जमा किया गया पैसा यानी मूलधन (प्रिंसिपल) उसमें ब्याज जोड़कर लौटाया जाता है।

(2) इस तरह के खाते में ब्याज मासिक/तिमाही/छमाही:सालाना अवधि के अंतराल पर दे दिया जाता है और मूलधन मेच्योरिटी यानी परिपक्वता पर दिया जाता है।

(3) जहां खाताधारक, जमाकर्ता समय-समय पर एक तय रकम जमा करवाता है (आमतौर पर मासिक) और वह जमा रकम बाद में ब्याज के साथ अदा की जाती है तो ऐसे खातों को रिकरिंग डिपॉजिट अकाउंट यानी **आवर्ती जमा खाता** कहते हैं।

थ्योरी के मुताबिक
रिकरिंग यानी आवर्ती जमा खाते में एक छोटी रकम हर महीने जमा की जा सकती है और उस पर टर्म डिपॉजिट पर मिलने वाली ब्याज दर लागू हो सकती है।

चेतन को किस तरह का खाता खोलना चाहिए?

आप टर्म डिपॉजिट खाते में चेक जमा कर सकते हैं और कैश निकाल भी सकते हैं।

रोजाना के लेनदेन के लिए आपको एक सेविंग्स/टर्म डिपॉजिट खाता खोलना चाहिए।

बचत खाता खोलना

मैनेजर: आपको बता दूं कि बचत खाता खोलने के लिए आपको क्या - क्या करना जरूरी होगा-

बचत खाता खोलने के लिए क्या - क्या जरूरी होगा?

(1)_____

(2)_____

(3)_____

(4)_____

(5)_____

परमानेंट अकाउंट नंबर (पेन):

फिनसाइक्लोपीडिया यानी अर्थकोष

भारत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सबसे पुराना बैंक है, जो बैंक ऑफ बंगाल के तौर पर 1806 में कलकत्ता में खुला था।

NF 154 sent on _____

SAVINGS BANK/CURRENT ACCOUNT OPENING FORM (FOR INDIVIDUALS AND JOINT ACCOUNTS)

To : PocketMoney Bank

_____ Branch

Dear Sirs, Date:_____

I/We request you to open a Savings Bank/Current Account in my/our name/s in the books of the Bank.

Name in full (in capitals)	Date of Birth	Occupation	Father's/ Husband's Name
1			
2			
3			
4			

Address of the 1st Depositor

_____

_____

_____ PIN

Tel No: (R)_____ (O) _____

E-mail ID:

PAN/GIR NUMBER:

On attach Form No. 60/61 as per IT rules

Staff No._____

(if employee of the Bank)

Address of other Depositors

2._____

PIN

3._____

PIN

4._____

PIN

In case of Minor:

Name: Name of the Guardian:

Date of birth: Relationship:

In case of Joint Account:

Account to be operated by_____only

Severally
Jointly
(please tick appropriate box)

a) I/We enclose copy of the following as proof of address:

बचत खाता कैसे खोलें (नमूने का फार्म)
संचालन के निर्देश:

ईदर या सर्वाइवर संचालन (यानी जिसका संचालन दोनों में से कोई भी व्यक्ति या फिर एक के न रहने पर दूसरा संचालित कर सके):

____

____

संयुक्त रूप से संचालित:

____

____

नामांकन सुविधा:

____

____

POCKET MONEY BANK
FULL NAME
Account Number
PARTICULARS | Rs. | Ps.
TOTAL

POCKET MONEY BANK — PAY-IN-SLIP
Date :
Branch :
Please mention your Name & 12 digit Account No. without fail
FOR CREDIT OF SB OTHERS
FULL NAME
Account Number — Branch Code | A/c Type | Account Number

BANK	BRANCH	CHEQUE	CASH DEPOSITS (DENO. / PIECES)	Rs.	Ps.
			COINS		
			TOTAL		

RUPEES (in words)
SIGNATURE OF DEPOSITOR
SAMPLE

फिनसाक्लोपीडिया यानी अर्थकोष

बैंक ऑफ सेंट जॉर्ज गेनोवा, इटली विश्व का पहला माडर्न बैंक है जो साल 1406 में स्थापित किया गया था।

बैंक को कहां से और कैसे धन मिलता है?

क्लियरिंग प्रणाली: बैंक में क्लियरिंग की एक प्रणाली होती है। सारे बैंक एक जगह पर इकट्ठा होते हैं और उन्हें अपने ग्राहकों से जो चेक प्राप्त हुए हैं उन्हे वह एक्सचेंज करते हैं (दूसरे बैंकों के चेक संबंधित बैंकों को देकर अपने बैंक के चेक लेते हैं) और फिर उन खातों को सेटल करते हैं। इसे क्लियरिंग प्रणाली कहा जाता है।

व्यावसायिक बैंक की एक झलक

मैनेजर: अब जबकि आप हमारे बैंक के ग्राहक बन चुके हैं, आइए हम आपको अपना बैंक दिखा दें।

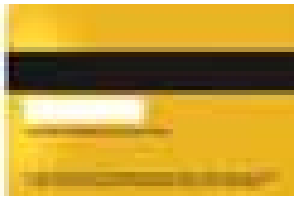

क्या आप इस मशीन को पहचानते हैं? यह क्या करती है?

_____
_____
_____
_____
_____

एटीएम कार्ड को लेकर बरती जाने वाली सावधानियां

1) _____
_____

2)_____
_____

क्रेडिट कार्ड का स्टेटमेंट (नमूने की प्रतिलिपि)

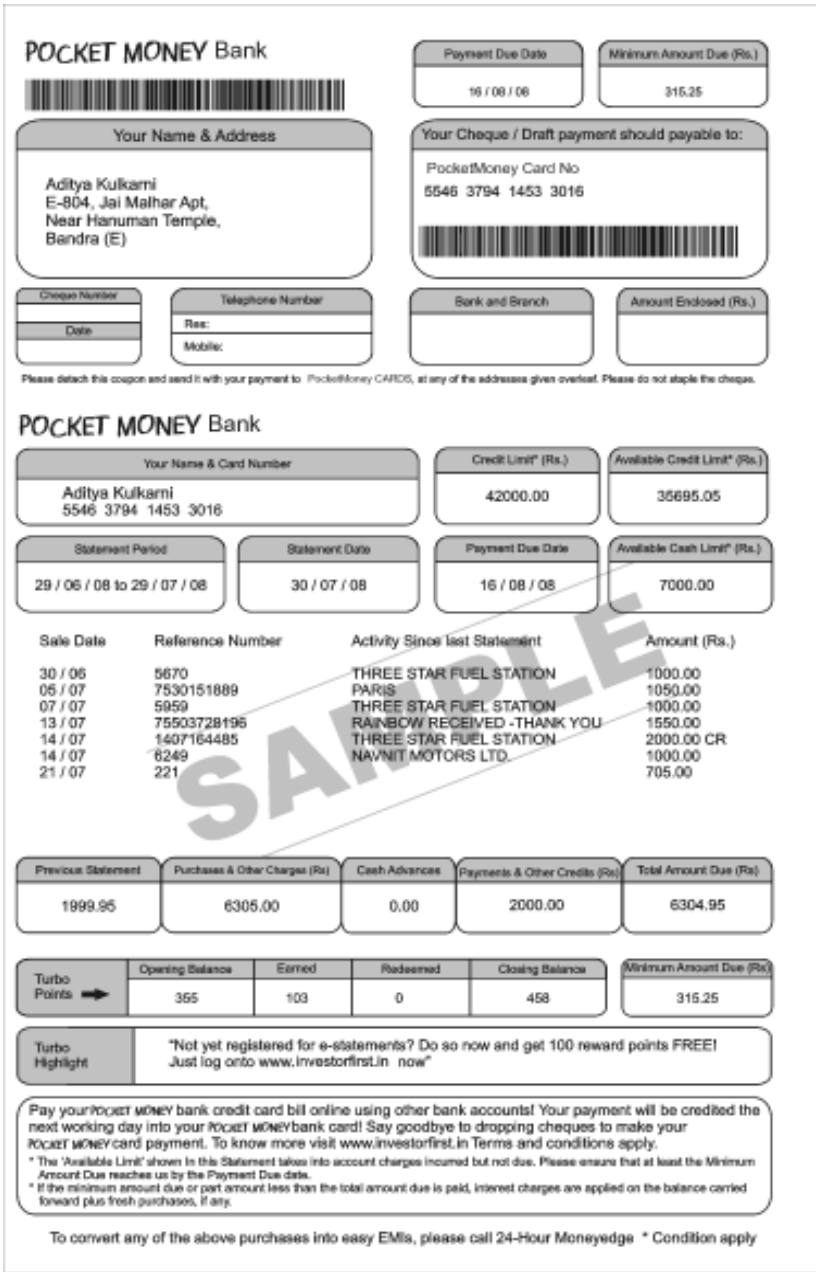

POCKET MONEY Bank

Payment Due Date	Minimum Amount Due (Rs.)
16 / 08 / 08	315.25

Your Name & Address

Aditya Kulkarni
E-804, Jai Malhar Apt,
Near Hanuman Temple,
Bandra (E)

Your Cheque / Draft payment should payable to:

PocketMoney Card No
5546 3794 1453 3016

Cheque Number	Telephone Number	Bank and Branch	Amount Enclosed (Rs.)
Date	Res: / Mobile:		

Please detach this coupon and send it with your payment to PocketMoney CARDS, at any of the addresses given overleaf. Please do not staple the cheque.

POCKET MONEY Bank

Your Name & Card Number	Credit Limit* (Rs.)	Available Credit Limit* (Rs.)
Aditya Kulkarni 5546 3794 1453 3016	42000.00	35695.05

Statement Period	Statement Date	Payment Due Date	Available Cash Limit* (Rs.)
29 / 06 / 08 to 29 / 07 / 08	30 / 07 / 08	16 / 08 / 08	7000.00

Sale Date	Reference Number	Activity Since last Statement	Amount (Rs.)
30 / 06	5670	THREE STAR FUEL STATION	1000.00
05 / 07	7530151889	PARIS	1050.00
07 / 07	5959	THREE STAR FUEL STATION	1000.00
13 / 07	75503728196	RAINBOW RECEIVED -THANK YOU	1550.00
14 / 07	1407164485	THREE STAR FUEL STATION	2000.00 CR
14 / 07	6249	NAVNIT MOTORS LTD.	1000.00
21 / 07	221		705.00

SAMPLE

Previous Statement	Purchases & Other Charges (Rs)	Cash Advances	Payments & Other Credits (Rs)	Total Amount Due (Rs)
1999.95	6305.00	0.00	2000.00	6304.95

	Opening Balance	Earned	Redeemed	Closing Balance	Minimum Amount Due (Rs)
Turbo Points ➡	355	103	0	458	315.25

Turbo Highlight	"Not yet registered for e-statements? Do so now and get 100 reward points FREE! Just log onto www.investorfirst.in now"

Pay your POCKET MONEY bank credit card bill online using other bank accounts! Your payment will be credited the next working day into your POCKET MONEY bank card! Say goodbye to dropping cheques to make your POCKET MONEY card payment. To know more visit www.investorfirst.in Terms and conditions apply.

* The 'Available Limit' shown in this Statement takes into account charges incurred but not due. Please ensure that at least the Minimum Amount Due reaches us by the Payment Due date.
* If the minimum amount due or part amount less than the total amount due is paid, interest charges are applied on the balance carried forward plus fresh purchases, if any.

To convert any of the above purchases into easy EMIs, please call 24-Hour Moneyedge * Condition apply

गोपनीय पिन (नमूने की प्रतिलिपि)

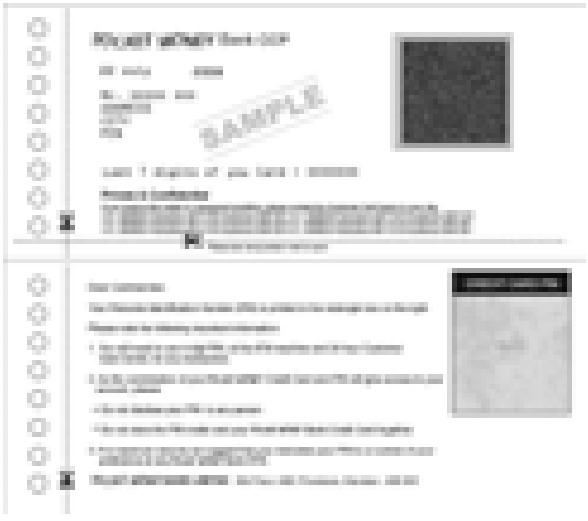

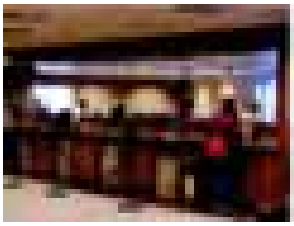

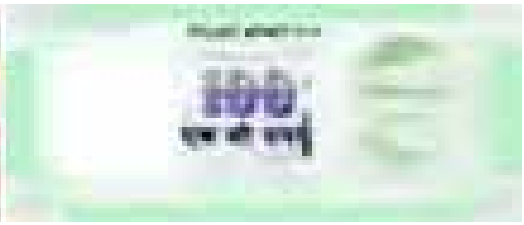

क्या आप बता सकते हैं कि इन काउंटरों पर क्या हो रहा है?

_____

_____

_____

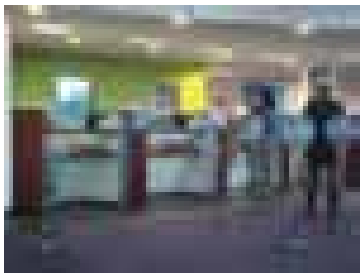

क्या आप बता सकते हैं कि इन काउंटरों पर क्या हो रहा है?

_____

_____

_____

डिमांड ड्राफ्ट क्या होता है?

_____

_____

_____

डिमांड ड्राफ्ट क्या होता है?

POCKET MONEY Bank — DEMAND DRAFT / CASHIER'S ORDER REQUISITION FORM

Please fill using BLOCK LETTERS

Branch Name

Please "✓" where applicable

Date 01 08 2008

Applicant's Information (Sender)

Name of Sender*

Address

Contact Telephone Number

DRAFT/CASHIER'S ORDER Instructions

Payment Method ✓ From Account

Debit A/c No.*

Currency

Account

Charges to be taken: From Account ✓ From Draft/Cashier's order

Draft / Cashier's Order Amount:

Currency Or equivalent of: Rs.

Amount: 10000

Please enter draft/cashier's order amount or equivalent currency to be converted*

(Cashier order's can be issued only in local currency)

Currency and amount (Words): Ten Thousand Only

Beneficiary (in BLOCK letters)

Name*: Shridhar S

Address*: Block no 6 B wing Flat no10 Yerwada Pune-411 021

Beneficiary Account no.: 5402 0487 1501 1928

SAMPLE

Draft / Cashier's order disposal

Hold the instrument for collection by me at the bank / Send to my address by mail / Send to the beneficiary's address by mail

Purpose of Payment

Contract Details (as applicable)

Forward Contract/Treasury Deal No: FX rates:

Dealer's Name:

Bank use only

Reference No. DD/CO:

Signature verified / Fax indemnity held / AUM reporting / Reject / Refer Marker / AML checked / Fund sufficiency

Checks performed by:

Staff ID:

Call back confirmed with:

Time & Date:

Processed by:

Customer's signature

Principal Account Holder Signature

Secondary Account Holder Signature

डिमांड ड्राफ्ट (नमूने की प्रतिलिपि)

Issue by Branch Santacruz

Key 0 3 0 2 2

Date: 12-05-2009

Pay on Demand Pay Santosh Joshi

OR ORDER

ONE	ZERO	ZERO	ZERO	ZERO
T'TSD	THSDS	HNDRS	TENS	UNITS

Rupees

Rs. 1 0 0 0 0

Value received

SAMPLE

POCKET MONEYBANK LIMITED

Code No. 0 5 0 1 2

B.D. Khaire

Branch Manager

बैंक आपके दरवाजे पर

क्या आप बता सकते हैं कि यह क्या है?

इंटरनेट बैंकिंग या ई-बैंकिंग क्या है?

टेलि-बैंकिंग क्या है?

ऐक्टिविटी- कैश निकालने के लिए एक चेक जारी करें

विदड्राअल स्लिप (नमूने की प्रतिलिपि)

PASS BOOK MUST ACCOMPANY THIS ORDER FORM.

POCKET MONEY Bank

S. N.	SCROLL NO	INITIALS	L. F. NO	POSTED

BRANCH _____ _____ 200____

PLEASE PAY SELF RUPEES _____

_____ Rs. _____

AND DEBIT MY / OUR ACCOUNT

SAMPLE

SAVINGS BANK A/C NO. _____ DEPOSITORS (S)

चेतन- मुझे पैसा कैसे मिलेगा?

चेक (नमूने की प्रतिलिपि)

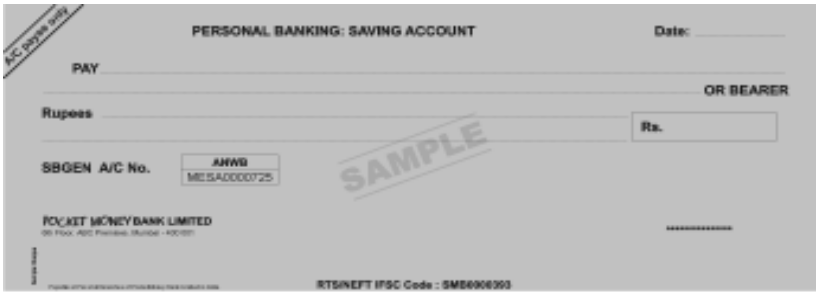

एमआईसीआर चेक

एमआईसीआर क्या है?

_____

_____

बैंकिंग पर मिनी-क्विज

1. एक बार जारी हुआ चेक हमेशा के लिए वैध रहता है। सही/गलत

   _____

2. अगर आपने एक बार चेक जारी कर दिया तो आप उसका पेमेंट नहीं रोक सकते। सही/गलत

   _____

3. खाते में पैसे नहीं होने पर खाते का चेक काटना अपराध है। सही/गलत

   _____

4. चेक काटने के लिए राशि की एक न्यूनतम और अधिकतम सीमा होती है। सही/गलत

   _____

5. खाली चेकों पर हस्ताक्षर करके रखने से जरूरत पर पैसा निकालते में आसानी रहती है। सही/गलत

   _____

स्मार्ट प्रीव्यू

- शेयर बाजार
- स्टॉक एक्सचेंज
- शेयरों में निवेश

सत्र 5

स्टॉक्स यानी शेयर इकट्ठा करना

मेरा अंतिम डिपॉजिट

- बैंक खाता होने से आपको अपनी बचत पर ब्याज मिलता है।
  - ➢ आपकी बचत सुरक्षित रहती है।
  - ➢ जब भी आपको जरूरत हो आप अपनी बचत का इस्तेमाल कर सकते हैं।
  - ➢ वित्तीय लेनदेन कर सकते हैं।
- अगर आपकी उम्र 18 साल से कम है तो भी आप बैंक खाता खोल सकते हैं और संचालित कर सकते हैं।
- तकनीक ने बैंकिंग सेवाओं को सुविधाजनक बना दिया है।
- बैंकिंग करते हुए हमें सुरक्षा के लिहाज से कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए।

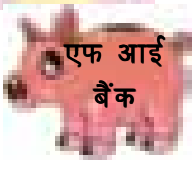

उत्सुकता

क्या आप इस इमारत को पहचान सकते हैं?

_____

इस इमारत के भीतर क्या होता है?

_____

बुल और बियर का इससे क्या संबंध है?

_____

शेयर खरीदने का साहस करें

आदि अपने छह दोस्तों के साथ एक कंपनी शुरू करना चाहता है, मैसर्स यूनिसेव टैटूस लिमिटेड। आदि इसमें 400 रुपए का निवेश करते हैं और अपने दोस्तों से 100-100 रुपए निवेश करने को कहते हैं जिस पर सभी दोस्त सहमत हो जाते हैं। इस तरह कुल पूंजी हो जाती है_____रुपए। इस रकम को कंपनी की इक्विटी कहते हैं।

आदि कंपनी की इक्विटी को 100 बराबर हिस्सों में बांटना चाहते हैं जिससे कि हर हिस्से का मूल्य _____रुपए हो जाता है।
100 रुपए के इस हर हिस्से को कंपनी का इक्विटी शेयर (या केवल शेयर) कहा जाता है। इस तरह _____इक्विटी शेयरों से कंपनी की कुल पूंजी_____रुपए की होती है।

हर शेयर का अंकित मूल्य यानी फेस वैल्यू दस रुपए की है। चूंकि सभी छह दोस्तों ने 100-100 रुपए दिए हैं, लिहाजा हर एक को ____इक्विटी शेयर मिलते हैं।चूंकि आदि ने 400 रुपए का निवेश किया है, आदि को ____इक्विटी शेयर मिलते हैं। आदि व उसके छह दोस्त कंपनी के शेयरधारक हो जाते हैं।

यूनिसेव टैटूस लिमिटेड करीब एक साल काम करता है और सभी उम्मीद करते हैं कि कंपनी साल के अंत में मुनाफे की घोषणा करेगी ।

प्रथम अपने सभी दस शेयर बेचना चाहता है क्योंकि उसे पैसों की जरूरत है लेकिन वह साल भर के अपने 400 रुपए के निवेश पर कुछ और पैसा भी चाहता है। अष्टम 12 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से प्रथम से शेयर लेना चाहता है क्योंकि उसे उम्मीद है कि कंपनी शेयरधारकों को अपने मुनाफे में से कुछ हिस्सा बांटेगी। 12 रुपए प्रति शेयर इसका बाजार भाव है, यानी वह कीमत जिस पर बाजार में इस कंपनी के शेयर उपलब्ध हैं। अष्टम प्रथम को .....रुपए देकर उससे दस शेयर खरीद लेता है।

बाजार भाव (अगर वह अंकित मूल्य से ज्यादा है) और अंकित मूल्य के अंतर को प्रीमियम कहा जाता है। अगर बाजार भाव अंकित मूल्य से कम होता है तो उसे हम डिस्काउंट कहते हैं। इस तरह अष्टम ----रुपए प्रति शेयर के हिसाब से ------रुपए देता है।

पूरे साल में कंपनी 500 रुपए का अच्छा मुनाफा कमाती है और तय करती है कि वह इसमें से 200 रुपए अपने शेयरधारकों में बांट देगी।
शेयरधारक -----,------,-----,------,-----,------ और----- सभी को मुनाफे में उनके पास रखे शेयर के मुताबिक हिस्सेदारी मिलती है। इसे डिविडेंड कहते हैं। आदि, अष्टम और प्रथम को ---, ------ और -----शेयरों पर डिविडेंड मिलेगा। ***डिविडेंड शेयरों के अंकित मूल्य पर मिलता है।***

अब इन सवालों का जवाब दीजिए-

1. आदि को कितना डिविडेंड मिला? रुपए_____
2. अष्टम को कितना डिविडेंड मिला? रुपए_____

आइए अब शेयरों से संबंधित दो अहम संकेतकों का आकलन करें

(1) अर्निंग्स पर शेयर यानी आय प्रति शेयर (ईपीएस)

_____

(2) P/E यानी मुनाफे और आय का अनुपात

_____

अब मैसर्स यूनिसेव टैटूस लिमिटेड के लिए इन संकेतकों का आंकलन कीजिए

(1) ईपीएस

(2) पी/ई

क्या कहती है थ्योरी

शेयरधारक: प्दकपअपकनं से व्यक्तिगत लोग जो किसी कंपनी के शेयर खरीदते हैं (दूसरे शब्दों में उनमें निवेश करते हैं) वे उस कंपनी के मालिकों में शामिल हो जाते हैं और उन्हें शेयरधारक कहा जाता है। शेयरधारकों के पास वोटिंग यानी मतदान का अधिकार होता है और इस तरह वह कंपनी के प्रबंधन में भागीदारी करते हैं।

खबरों को समझना

आपके अध्यापक आपको शेयरों में निवेश से संबंधित विभिन्न शब्दों के बारे में बताएंगे। नीचे दिए गए खाली स्थान पर उन शब्दों की परिभाषा लिखें-

Established in 1602 Amsterdam Stock Exchange is the oldest in the world

15 Apr 2006, 2058 hrs IST

Although the origins of stock exchanges can be traced back to the stock exchange in Antwerp (1460), the Amsterdam Stock Exchange is considered the oldest in the world.

1. इक्विटी शेयर:

_____
_____
_____

Reliance Power to raise IPO at face value of Rs 10

26 Nov, 2007, 0245 hrs IST, TNN

MUMBAI: Anil Ambani group has sought market regulator Sebi's nod to float Reliance Power's initial public offer at a face value of Rs 10 a share

क्या कहती है थ्योरी

लिस्टिंग: उसे कहते हैं जब कोई शेयर स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार के लिए यानी खरीद फरोख्त के लिए उपलब्ध रहता है। लिस्टिंग शेयरों के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण और सुपरविजन यानी देखरेख की सुविधा भी मुहैया कराता है।

2. अंकित मूल्य यानी फेस वैल्य:

_____
_____
_____
_____

Kernex Microsystems India has recommended a dividend of 10%

27 Jun, 2008, 1530 hrs IST,

Kernex Microsystems India has recommended a dividend of 10% on equity share of Rs 10 each for the year ended March 31, 2008 subject to the approval of the shareholders at the ensuing Annual General Meeting. The shares were down 4.98 per cent at Rs 115.40 on BSE.

क्या कहती है थ्योरी

मार्केट कैपिटलाइजेशन किसी कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन उस कंपनी के शेयरों के कुल बाजार मूल्य को कहते हैं।

3. लाभांश यानी डिविडेंड:

_____
_____
_____
_____

Total market value of all NSE-listed firms inches towards trillion dollar mark

2 Jul, 2008, 2214 hrs IST, PTI

At the end of today's trading, the total market value of all NSE-listed firms stood at about 950 billion dollars (Rs 41,08,689 crore), after falling below Rs 40,00,000 crore level yesterday.

There are just about a dozen countries

क्या कहती है थ्योरी

प्रतिभूतियां यानी सेक्योरिटीज, शेयरों व डिबेंचरों की तरह ही किसी कंपनी या कार्पोरेट बॉडी या फिर सरकार के वित्तीय इंल्ट्रूमेंट्स यानी दस्तावेज होते हैं।

4. **बाजार मूल्य यानी मार्केट वैल्यू:**

_____

_____

_____

UBS Investment lowers EPS estimate for Suzlon Energy

16 Jul, 2008, 1128 hrs IST, ET Bureau

UBS Investment has lowered its FY09 EPS estimate for Suzlon Energy by 20.5% to Rs 8.6, and FY10 estimate by 23.4% to Rs 12.2. It has also lowered the target price

क्या कहती है थ्योरी

सेबी का वैधानिक अधिकार है कि (1)वह प्रतिभूतियों के निवेशकों के हितों की रक्षा करे (2) प्रतिभूति बाजार के विकास का रास्ता साफ करे और (3) प्रतिभूति बाजार को रेगुलेट करे यानी उसके नियामक के रूप में काम करे।

5. **ईपीएस:**

_____

_____

_____

Soaring markets send P/E ratios to dizzy heights

6 Oct, 2007, 0344 hrs IST,Vijay Gurav, TNN

MUMBAI: The valuation game is hotting up like never before. Riding on the back of strong fund flows from foreign institutional investors, of many companies have soared to such an extent that they are now quoting at a price/earnings (P/E) ratio as high as 100 times and above.

6. **पी/ई:**

_____

_____

_____

Established in 1602 Amsterdam Stock Exchange is the oldest in the world

15 Apr 2006, 2058 hrs IST

Although the origins of stock exchanges can be traced back to the stock exchange in Antwerp (1460), the Amsterdam Stock Exchange is considered the oldest in the world.

7. स्टॉक एक्सचेंज:

_____

_____

_____

SEBI proposes bourses for SMEs

27 May 2008, 0135 hrs IST,PTI

NEW DELHI: Acknowledging the concerns of the small and medium enterprises (SMEs) in accessing capital market, market regulator SEBI proposed a dedicated stock exchange for them with some relaxed norms.

8. सेबी:

_____

_____

_____

Brokers dominate muhurat trading at Bombay Stock Exchange

23 Oct 2006, 0038 hrs IST,TNN

MUMBAI: The investing community ushered in Samvat 2063 with much fanfare on Dalal Street. On Saturday evening, in the presence of some of the top citizens from the Indian financial space, the BSE opened its special 75-minute trading at 6.15pm and the sensex ended the day 27 points higher.

9. ब्रोकर:

_____

_____

_____

क्या कहती है थ्योरी

निफ्टी निफ्टी एनएसई यानी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार करने वाले बड़े और सबसे लिक्विड पचास स्टॉक का इंडेक्स होता है।

डाउ जोंसे या डीजेआईए (डाउ जोंस इंडस्ट्रियल ऐवरेज)- यह न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज और नैस्डैक का इंडेक्स है।

Sensex up 4%

18 Jul, 2008, 1840 hrs IST,Mohammed Sabir, ECONOMICTIMES.COM

MUMBAI: Investors had enough reasons to turn bullish on Friday and build on the gains of previous session. They not only covered short positions in interest sensitive sectors, but made fresh purchases in select blue chips.

10. सेंसेक्स:

_____

_____

_____

Binani IPO price fixed at Rs 75 per equity share

11 May, 2007, 2220 hrs IST, PTI

MUMBAI: Binani Cement Ltd has fixed the offer price of its (IPC) of 20,500,000 equity shares for Rs 10 each at Rs 75.

11. आईपीओ:

_____

_____

_____

Bull run: Sensex creates history, scales Mount 10,000

7 Feb 2006, 0117 hrs IST, Partha Sinha,TNN

MUMBAI: Strange are the ways of the stock market. Monday's 250-point rally is a case in point.

12. बुल:

_____

_____

_____

Bear bug: India's richest 5 incur Rs 5 tn loss

24 Jun 2008, 0138 hrs IST,AGENCIES

NEW DELHI: Companies run by India's five richest, including the two Ambanis, have lost a whopping Rs 5 trillion in in the current bear phase that began early this year. The cumulative market value of companies belonging to the groups led by five

13. बियर:

_____

_____

_____

Govt issues Rs 5,750-cr oil bonds

24 Mar 2006, 2342 hrs IST,PTI

NEW DELHI: The government has issued second tranche of Rs 5,750 crore bonds to three oil marketing companies, which have been witnessing pressure on margins due to mismatch between domestic and international crude rates.

14. बॉन्ड्स:

_____

_____

_____

Debentures set to attract lower stamp duty

13 Jul, 2007, 0312 hrs IST,Deepshikha Sikarwar, TNN

NEW DELHI: Stamp duty on debentures and is expected to be reduced soon. The government is likely to notify reduction in stamp duties on the financial instruments in two weeks. Although stamp duty on the instruments is levied and collected by the states, the Centre can raise or reduce the levy, according to a provision in the Stamp Duty Act.

15. डिबेंचर:

_____

_____

_____

2 lakh open new demat accounts in a single day

16 Jan 2008, 0007 hrs IST, Udit Prasanna Mukherji,TNN

KOLKATA: Call it growing proof of an cult or an IPO mania. An all-time record was created in the capital markets on Monday with more than two lakh depository participation (DP) accounts being opened on CDSL and NSDL on that day.

16 डीमैट खाता:

____

____

____

फिनसाइक्लोपीडिया यानी अर्थकोष: जेपी मॉर्गन से जब पूछा गया कि स्टॉक मार्केट यानी शेयर बाजार क्या करेगा, उनका जवाब था फ्लक्चुएट करेगा यानी उतार-चढ़ाव रहेगा।

शेयर को ट्रैक करने वाला

STOCKS ON BSE/NSE

BSE Code Company (Prev.Cl.) Open, High, Low, Close (Volume, Trades), Group P/E Mcap 52-WK H/L

500000 **Aegis Logis,** (178.55) 177,184, 172.05, 174.50 [8158, 255], B .....8.9. ..348 ..404/126

बीएसई कोड: _____

_____

कंपनी: _____

पिछला सीआई: _____

_____

खुला: _____

_____

उच्चतम स्तर: _____

_____

निचला स्तर: _____

_____

बंद: _____

_____

वॉल्यूम: _____

_____

ट्रेड: _____

क्या कहती है थ्योरी

किसी प्रतिभूति को **डीमेटीरियलाइज** करने से तात्पर्य है कि उसे फिजिकल रूप से बदलकर इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखा जाए। इलेक्ट्रॉनिक रूप में इसे डिपॉजिटरी ही रखती हैं।

एक डिपॉजिटरी किसी बैंक की तरह ही होती है जहां आप अपनी प्रतिभूतियां (शेयर, डिबेंचर, बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूति, यूनिट आदि) इलेक्ट्रॉनिक रूप में जमा रखते हैं।

क्या कहती है थ्योरी

भारत में इस समय दो डिपॉजिटरी हैं जो प्रतिभूतियों के डीमेटीरियलाइजेशन का काम करती हैं, ये हैं, दि नेशनल सेक्योरिटीज डिपॉजिटरीज लिमिटेड (एनएलडीएल) और सेंट्रल सेक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (सीएसडीएल)।

समूह: _____

_____

_____

_____

_____

_____

पी/इ: _____

_____

_____

मिडकैप: _____

_____

52 हफ्तों का उच्चतम और न्यूनतम स्तर: _____

_____

आइए तुलना करें

मानिए कि आप जुलाई 2008 की शुरुआत में हैं। जिन बारह महीनों का डाटा दिया गया है उसके पूर्वार्द्ध में सेंसेक्स के डाटा में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिला है और बाजार नीचे की ओर गया है।

ऊपर दी गई परिस्थिति में पांच शेयर जिनके आंकड़े नीचे दिए गए हैं उनकी तुलना कर उनका आकलन करें।

अपने अध्यापक के निर्देशों का पालन करें।

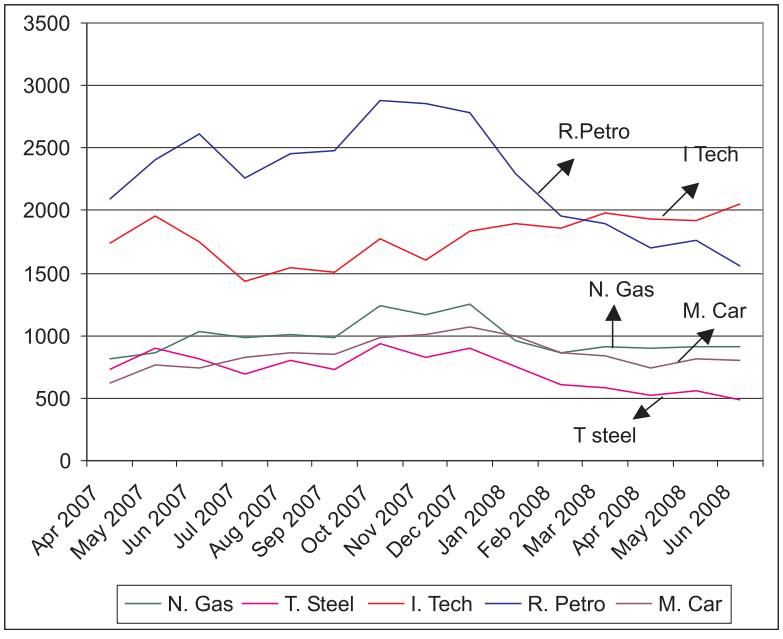

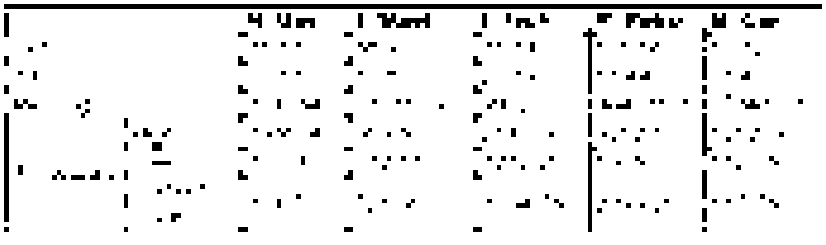

एन. गैस: _____

_____

_____

_____

टी स्टील: _____

_____

_____

_____

आई टेक: _____

_____

_____

_____

आर पेट्रो : _____

_____

_____

_____

एम कार: _____

_____

_____

_____

ज्ञान की बातें

1. शेयर बाजार में निवेश भारी जोखिम-भारी मुनाफे का होता है।
2. निवेश करने से पहले शेयरों और कंपनियों के प्रदर्शन का अध्ययन करना जरूरी होता है।
3. निवेश सट्टेबाजी से अलग होता है।
4. अपना सारा निवेश एक ही जगह पर नहीं करना चाहिए, डाइवर्सिफाई करें यानी विविध इंस्ट्रूमेंट्स में पैसा लगाएं।
5. लंबी अवधि तक निवेशित रहने से नुकसान की संभावना कम हो जाती है।

अब जबकि आप शेयरों और शेयर बाजार के बारे में काफी कुछ जान गए हैं, नीचे दिए गए सवालों के जवाब बताएं।

1. क्या शेयरों में निवेश करना जोखिम भरा नहीं है?
2. शेयर बाजार में सफलता के लिए क्या कुछ विशेषज्ञता होना जरूरी नहीं है?
3. क्या छोटा निवेश करने वाला व्यक्ति निवेश को डाइवर्सफाई करना भी चाह सकता है?

क्या कोई रास्ता है?

स्मार्ट प्रीव्यू

- म्यूचुअल फंड
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए निवेश करना
- निवेश के अन्य मार्ग
- निवेश के अलग - अलग रास्तों की तुलना करें

सत्र6

निवेश: विस्तृत प्रतिबिंब यानी स्पेक्ट्रम

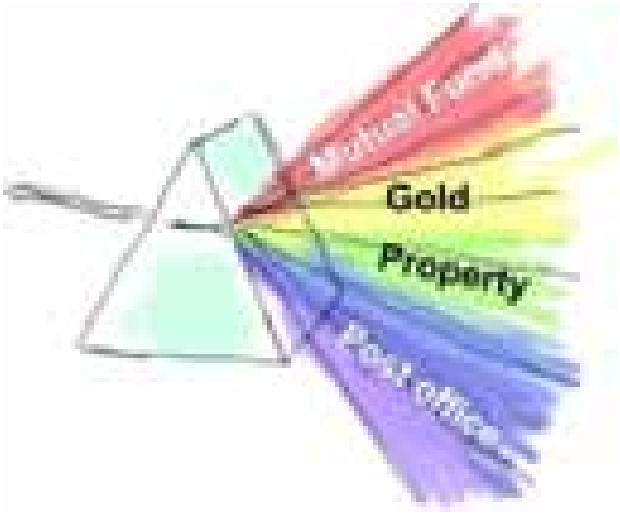

मेरा अंतिम डिपॉजिट

- किसी कंपनी के शेयरों में निवेश करने का मतलब है उस कंपनी के एक छोटे से हिस्से का मालिक होना।
- डिबेंचर में निवेश करने का आशय है कंपनियों को उधार देना।
- कंपनी के मुनाफे में शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में हिस्सेदारी मिलती है।
- शेयर बाजार में निवेश में जोखिम का अंश भी होता है।
- निवेशक को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए स्टॉक मार्केट के अध्ययन में विशेषज्ञता होनी चाहिए।
- किसी स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स उस एक्सचेंज के शेयरों के प्रदर्शन को प्रतिबिंबित करता है।
- सेबी एक नियामक संस्था है जो भारत में स्टॉक एक्सचेंज की गतिविधियों की देखरेख करती है।
- भारत अब पूरी तरह से शेयरों की इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग (डीमैट) की ओर बढ़ रहा है।

उत्सुकता

The triangle of investment

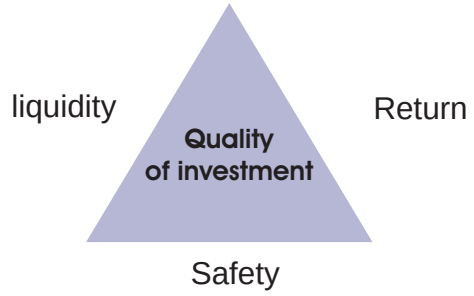

ऊपर दिए गए त्रिकोण का एरिया कब सर्वाधिक होगा?

_____

उस एरिया का क्या होता है जब इनमें से एक भी साइड जीरो यानी शून्य हो जाता है?

_____

शेयरों की भागीदारी

यह स्वप्निल की कहानी है, ऐसा व्यक्ति जिसका आय स्रोत सीमित है लेकिन सपने बड़े हैं। जब भारतीय शेयर बाजार में लगातार चल रही तेजी की खबरें पढ़ता है तो उसे उत्सुकता होती है कि वह क्यों नहीं इस तेजी का लाभ उठा पाता है।

लिहाजा उसने अपनी दोस्त मेधा से सलाह ली, जो वित्तीय मामलों की विशेषज्ञ है और शेयर बाजार को अच्छी तरह से समझती है। मेधा ने स्वप्निल को बताया कि शेयरों में निवेश करते समय उसे केवल एक ही कंपनी में निवेश नहीं करना चाहिए बल्कि कई कंपनियों में निवेश करना चाहिए। इसके अलावा उसे केवल एक ही सेक्टर की कंपनियों में निवेश नहीं करना चाहिए बल्कि अलग - अलग सेक्टरों में पैसा लगाना चाहिए। उसे शेयर खरीदने का फैसला लेने से पहले उन कंपनियों के प्रदर्शन का अध्ययन करना चाहिए। उसे लंबे समय तक उस कंपनी में निवेश बनाए रखने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, जैसे 15-20 साल। निवेश करने के बाद उसे उन कंपनियों के प्रदर्शन पर भी नियमित रूप से निगाह रखनी चाहिए। साथ ही मार्केट के ट्रेंड पर भी नजर रखनी चाहिए ताकि वह सबसे बेहतर रिटर्न के लिए शेयर की खरीद-बिक्री कर सके।

स्वप्निल, अब, और ज्यादा असमंजस में है। न तो उसके पास इतना पैसा है कि वह कई कंपनियों में पैसा लगाए, ना ही उसके पास उस तरह की विशेषज्ञता है। उसे यह भी नहीं पक्का था कि वह इतने समय तक के लिए अपना निवेश बनाए रख पाएगा। यह भी संभव था कि जब उसे अपने शेयर बेचने की जरूरत पड़े तब उसके पास खरीदार ही न हो। लिहाजा ऐसे में उनमें लिक्विडिटी नहीं रहेगी।

जब स्वप्निल ने मेधा की सलाह अपने कुछ दोस्तों को बताई तो उसे लगा कि उस जैसे कई हैं जो इसी प्रकार की असमंजस में हैं।

अचानक उसके एक दोस्त के दिमाग में एक बेहतरीन आइडिया आया। वे अपने पास उपलब्ध पैसे को पूल कर सकते हैं यानी इकट्ठा कर सकते हैं और उससे एक फंड बना सकते हैं और फिर उस फंड को मेधा को शेयर बाजार में निवेश करने के लिए दे सकते हैं। मेधा इस पर सहमत थी, उसने कहा कि वह उस फंड का एक हिस्सा कैश में रखेगी या इस तरह से निवेश करेगी कि अगर कभी किसी को पैसे की जरूरत भी पड़ती है और वह फंड से पैसे निकालना चाहता है तो वह उसे पैसे दे सके। लेकिन फंड चलता रहेगा ताकि उन्हें लंबी अवधि के निवेश का फायदा मिल सके। मेधा अपने इस काम के लिए एक छोटी सी फीस लेगी जिस पर सभी दोस्त सहमत थे।

इस तरह वह सारे दोस्त उन शेयरों और उस पैसे से खरीदी गई अन्य प्रतिभूतियों के संयुक्त मालिक बन गए जो उनके पैसे से खरीदी गई थीं। खरीदे गए शेयरों में सभी दोस्तों की हिस्सेदारी थी यानी शेयर था। पैसों का जो पूल बना था उसे छोटी - छोटी इकाइयों यानी यूनिट में बांट दिया गया। अब हर सदस्य अपने लगाए पैसे के अनुपात में कुछ यूनिटों का मालिक था।

इस तरह से एक फंड शुरू हुआ जो उस समूह के परस्पर यानी म्यूचुअल फायदे के लिए था जो शेयर बाजार का फायदा उठाना चाहते थे।

स्वप्निल और उसके दोस्त अब उस फंड के लिए एक नाम तलाश रहे थे।

और आखिर में उन्होने उसका नाम रखा ------**फंड**।
स्वप्निल और उसके दोस्तों को यह -----फंड शुरू करने से जो फायदा हुआ वह हैं-

1. छोटा निवेश: _____

_____

2. जोखिम कम हुआ: _____

_____

3. व्यावसायिक यानी प्रोफेशनल फंड प्रबंधन: _____

_____

4. लंबी अवधि का निवेश: _____

_____

5. लिक्विडिटी यानी तरलता: _____

_____

सेबी- एक रक्षक

क्या होगा अगर मेधा इनमें से कोई एक काम करती है?

(i) अपने एक रिश्तेदार की कंपनी के शेयर खरीद लेती है, यह जानते हुए भी कि यह निवेशकों के हित में नहीं है।
(ii) शेयरों की कीमतों में आई तेजी का लाभ अपने निवेशकों में नहीं बांटती।
(iii) फंड की हालत की जानकारी समय - समय पर अपने निवेशकों को नहीं देती।
(iv) अपनी सेवाओं के लिए तगड़ी फीस लेना शुरू कर देती है।

_____

सेबी क्या है:

- भारत में,सेबी (सेक्योरिटीज एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) एक संस्था है जो म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार की अन्य प्रतिभूतियों के निवेशकों के हितों की रक्षा करती है।
- भारत में सभी म्यूचुअल फंडों को सेबी के पास पंजीकृत होना अनिवार्य है।

क्या कहती है थ्योरी

एनएवी: नेट असेट वैल्यू उन शेयरों का कुल बाजार मूल्य है जिनमें म्यूचुअल फंड ने अपने पैसों का निवेश किया है।

एनएवी का सहारा लें

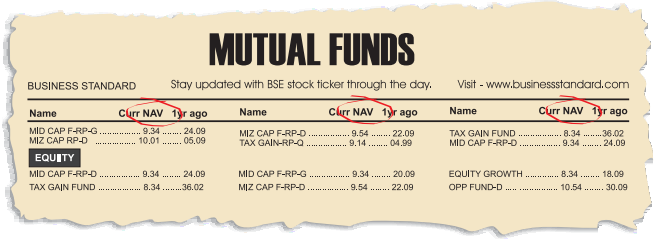

MUTUAL FUNDS

BUSINESS STANDARD — Stay updated with BSE stock ticker through the day. — Visit - www.businessstandard.com

Name	Curr NAV	1yr ago	Name	Curr NAV	1yr ago	Name	Curr NAV	1yr ago
MID CAP F-RP-G	9.34	24.09	MIZ CAP F-RP-D	9.54	22.09	TAX GAIN FUND	8.34	36.02
MIZ CAP RP-D	10.01	05.09	TAX GAIN-RP-Q	9.14	04.99	MID CAP F-RP-D	9.34	24.09
EQUITY								
MID CAP F-RP-D	9.34	24.09	MID CAP F-RP-G	9.34	20.09	EQUITY GROWTH	8.34	18.09
TAX GAIN FUND	8.34	36.02	MIZ CAP F-RP-D	9.54	22.09	OPP FUND-D	10.54	30.09

एनएवी का क्या मतलब है?

_____

_____

किसी फंड की एनएवी का ऊपर जाना या नीचे आना क्या संकेत देता है?

_____

_____

क्या कहती है थ्योरी

एंट्री या एक्जिट लोड । लोड एक तरह का चार्ज या शुल्क होता है जो म्यूचुअल फंड, निवेशक से फंड में एंट्री करने यानी शामिल होने और एक्जिट करने यानी निकलने के समय लेता है। यह लोड शेयरों की खरीद-फरोख्त में होने वाले फंड के खर्चों की भरपाई के लिए लिया जाता है।

म्यूचुअल फंड अपनाने का शुल्क

अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं तो आपको किस तरह का शुल्क देना होता है?

(1)_____

(2)_____

क्या कहती है थ्योरी

$$\text{एनएवी प्रति यूनिट} = \frac{\text{एनएवी}}{\text{कुल मौजूदा यूनिटों की संख्या}}$$

म्यूचुअल फंड- ढेरों विकल्प

श्री मणि, श्रीमती आशा, श्री रघु और श्री अनुज अलग - अलग राशि के निवेश के लिए तैयार हैं। उनकी जरूरतें भी अलग - अलग हैं। लिहाजा उन्हें निवेश सलाहकार श्री विज से सलाह लेने की जरूरत है।

श्री मणि: मेरे पास निवेश करने के लिए करीब एक लाख रुपए हैं। लेकिन म्यूचुअल फंड में निवेश क्या पूरी तरह से सुरक्षित है?

श्रीमती आशा: मेरे पास निवेश करने के लिए एक लाख रुपए हैं। लेकिन म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर क्या पर्याप्त लिक्विडिटी रहेगी? क्या जरूरत पड़ने पर हमें हमारा पैसा वापस मिल सकेगा?

श्री रघु: मेरे पास करीब एक लाख रुपए निवेश के लिए हैं। लेकिन म्यूचुअल फंड में निवेश से क्या हमें नियमित आय हो सकेगी?

श्री अनुज: लेकिन मेरा क्या होगा? मेरे पास इतनी बड़ी राशि नहीं है अभी तैयार नहीं है, लेकिन हम एक छोटी रकम नियमित रूप से जमा कर सकते हैं, कुछ सौ रुपए...हर महीने। क्या हमें म्यूचुअल फंड का फायदा मिलेगा?

श्री विज: शायद मैं श्री मणि को हां नहीं कह सकता। लेकिन म्यूचुअल फंड इन सभी लोगों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

म्युचुअल फंड के प्रकार

इक्विटी म्यूचुअल फंड
(इन्हें ग्रोथ फंड भी कहते हैं): _____

_____

डेट फंड: _____

_____

बैलेंस्ड फंड: _____

_____

टैक्स सेविंग फंड: _____

_____

ओपन एंडेड फंड: ____

____

क्लोज एंडेड फंड: ____

____

ग्रोथ प्लान: ________ ____

____

डिविडेंड प्लान: ____

____

सिस्टमैटिक विदड्राअल प्लान (एसडब्ल्यूपी): ______________________________

____

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी): ______________________________

____

क्या आप श्री मणि, श्रीमती आशा, श्री रघु और श्री अनुज के लिए सही तरीके के म्यूचुअल फंड का चुनाव कर सकते हैं?

श्री मणि: ____

श्रीमती आशा: ____

श्री रघु: ____

श्री अनुज: ____

यूरेका का समाधान

श्री यूरेका, एक वित्तीय विशेषज्ञ हैं जो विभिन्न व्यवसाय और पृष्ठभूमि के लोगों से मिलते रहते हैं। इन अलग - अलग किस्म के लोगों की वित्तीय जरूरतें और इच्छाएं भी भिन्न हैं। श्री यूरेका का काम है इन लोगों को सर्वोत्तम समाधान मुहैया करवाना । श्री यूरेका समाधान बताते समय ज्यादा बात नहीं करते। वह केवल एक या दो शब्दों में जवाब देते हैं और इसके बाद उनके एसिस्टेंट उस पर विस्तार से समझाते हैं। पिछले सप्ताह वह जिन लोगों से मिले थे उन व्यक्तियों की पृष्ठभूमि नीचे दी गई है।

1. श्री अमर वर्मा, युवा प्रोफेशनल

- निजी कंपनी में काम करते हैं।
- उनके रिटायरमेंट के बाद कंपनी उन्हें पेंशन नहीं देगी।
- वह अपने सुरक्षित भविष्य के लिए निवेश करना चाहते हैं और चाहते हैं कि उनके रिटायरमेंट के बाद उन्हें टैक्स लाभ के साथ एकमुश्त रकम मिले।

श्री यूरेका कहते हैं:पीपीएफ इसका समाधान है मेरे दोस्त। श्री यूरेका के एसिस्टेंट विस्तार से उन्हें समझाते हैं।

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं:

_____

_____

_____

_____

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड की खासियत

(1) यह स्कीम 15 सालों के लिए है।
(2) आप हर साल इसमें 1000 रुपए से 70,000 रुपए तक जमा कर सकते हैं।
(3) इस पर मिलने वाला ब्याज और विदड्राअल (जितने की अनुमति हो) पर कोई टैक्स नहीं लगता।
(4) इसमें डाला गया धन टैक्सेबल यानी कर योग्य आय से कम कर दिया जाता है (सीमा तक)।
(5) इसमें कर्ज की सुविधा है और इस स्कीम में आंशिक विदड्राअल यानी धन निकालने की सुविधा भी है।

2. श्री बिपिन डे, कॉलेज के छात्र:

- हर माह एक छोटी रकम बचाते हैं और वह रकम बैंक के अपने बचत खाते में डालते हैं।
- बचत खाते में उन्हें 3-5 फीसदी का ब्याज मिलता है लेकिन चाहते हैं कि उनका धन ज्यादा तेजी से बढ़े।
- उनकी कॉलेज की क्लास और प्रैक्टिकल एसाइमेंट उन्हें खासा व्यस्त रखता है। उनके पास शेयर बाजार में निवेश करने के लिए न समय है ना ही विशेषज्ञता है।
- वह बैंक में धन रखते हुए ही अपनी समस्या का समाधान चाहते हैं।

श्री यूरेका कहते हैं:एक एसआईपी या फिर रिकरिंग डिपॉजिट आपके लिए सही समाधान होगा।

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं:

_____

_____

_____

_____

एसआईपी के प्रमुख फायद

(i) चक्रवृद्धि की ताकत: चक्रवृद्धि दर बढ़ने की वजह से आपका धन ज्यादा तेजी से बढ़ता है।

(ii) अनुशासन और सुविधा: एक छोटी रकम अगर नियमित रूप से निवेश की जाती रहे तो ज्यादा तकलीफ नहीं होती लेकिन धीर धीरे वह एक बड़ी रकम बन जाती है। यह प्रक्रिया काफी सरल है क्योंकि यह निवेश या कंट्रिब्यूशन सीधे आपके बैंक खाते से किया जा सकता है।

3. सुश्री रुचा भाटिया, एक प्रोफेशनल:

- पूरे साल उन्होंने अच्छी खासी कमाई की है, इस दौरान उन्होंने काफी पैसा शेयर बाजार, फिक्स्ड डिपॉजिट, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान और ग्रोथ म्यूचुअल फंड में लगाया है।
- हालांकि साल के अंत में उन्हें भारी रकम आयकर के रूप में देनी पड़ती है।
- वह अपना कर दायित्व यानी टैक्स लायबिलिटी कम करना चाहती हैं।

श्री यूरेका कहते हैं- उनके लिए विकल्प है नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट्स।

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते है

_____

_____

_____

_____

नैशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

- यह छह साल की सेविंग्स यानी बचत स्कीम है जिस पर आठ फीसदी का सालाना ब्याज मिलता है, (ब्याज हर छमाही कंपाउंड होता है)।
- इसमें निवेश किए गए धन को कर छूट भी मिलती है यानी वह टैक्सेबल आय से कम हो जाता है।
- यह पोस्ट ऑफिस में या फिर एजेंट के जरिए खरीदा जा सकता है।

4. श्री चटर्जी

- वह अभी - अभी रिटायर हुए हैं। उनकी तबियत भी ठीक नहीं रहती।
- उनके घर के नजदीक ही एक पोस्ट ऑफिस है और वह नियमित आय चाहते हैं।

श्री यूरेका कहते: आपका समाधान आपके दरवाजे पर ही है। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी एमआईएस।

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं

_____

_____

_____

_____

पोस्ट ऑफिस यानी डाकखाने की मंथली इनकम स्कीम

- पोस्ट ऑफिस में छह साल के लिए एकमुश्त निवेश किया जाता है जिस पर आठ फीसदी का ब्याज मिलता है।
- इस पर जो ब्याज मिलता है वह निवेशक को हर माह अदा कर दिया जाता है।

5. सुश्री रश्मि त्रिपाठी, एक गृहिणी

- वह अपनी बेटी की शादी के लिए बचाना चाहती हैं।
- वह लगभग हर महीने कुछ पैसा बचा लेती हैं लेकिन वह कोई तय रकम नहीं होती। उनकी बचत की रकम हर माह बदलती रहती है।

श्री यूरेका कहते हैं: सोने की सोचें!

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं:

_____

_____

_____

_____

(1) गहने खरीदना यानी ज्वेलरी खरीदना सोने में निवेश के बराबर नहीं कहा जा सकता।
(2) अगर आप सोने में फिजिकल रूप में यानी सीधे सोना ही खरीदते हैं तो उसकी सुरक्षा करना भी एक मुद्दा हो जाता है।
(3) कई बैंकों ने सोने के सिक्के और बार यानी छड़ें बेचना शुरू कर दिया है।
(4) इस बीच सोने के बाजार में वोलाटैलिटी भी बढ़ी है यानी उसमें खासा उतार-चढाव आ गया है।

अध्यापक के लिए अतिरिक्त जानकारी :हाल में सोने में नॉन फिजिकल रूप (गोल्ड फंड) में निवेश के अवसर शुरू हुए हैं।

श्री गुरप्रीत सिंह, एक अमीर व्यवसायी

- उन्होंने शेयरों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि में निवेश किया है। उन्होंने टैक्स बचत के विकल्पों में भी निवेश किया है।
- वह अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं।
- उन्हें रिटर्न की जल्दी नहीं है और लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं।

श्री यूरेका का जवाब: आपने रियल एस्टेट के बारे में सोचा है?

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं:

_____

_____

_____

_____

रियल एस्टेट में निवेश के फायदे

- मकान खरीद कर आप किराए के खर्च से बच सकते हैं या फिर खरीदा गया मकान किराए पर उठा कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।
- जो प्रॉपर्टी खरीदी गई है आमतौर पर उसकी कीमत बढ़ती रहती है। इसे कैपिटल एप्रिसिएशन यानी पूंजी में इजाफा कहा जाता है।
- इससे महंगाई आप पर बहुत ज्यादा असर नहीं डालती।
- कोई भी व्यक्ति निवेश के विविध विकल्पों में निवेशित रह सकता है।

7. श्री रोशन वेसुवाला:

- यह करीब तीस साल से कार्यरत प्रोफेशनल हैं। उनके परिवार में पत्नी है, जो गृहिणी हैं, और एक सात साल की बेटी है।
- वह दुर्घटना में मौत आदि की स्थिति में अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा या कवर चाहते हैं।

श्री यूरेका कहते हैं अपने जीवन का बीमा करा लें मेरे दोस्त!

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं:

_____

_____

_____

_____

बीमा कुछ शुल्क देकर वित्तीय जोखिम से निपटने के लिए एक सुरक्षा प्रदान करता है। जीवन बीमा व्यक्ति को किसी अनहोनी की स्थिति में आय रुक जाने पर, जैसे मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में अपने दायित्व पूरे करने में सक्षम बनाता है। व्यक्ति को हर माह या साल एक तय रकम अदा करनी होती है जिसे प्रीमियम कहते हैं।

मोटे तौर पर तीन तरह के बीमा होते हैं।

- **प्योर रिस्क या टर्म इंश्योरेंस-** यानी ऐसा बीमा जिसमें प्रीमियम की पूरी रकम बीमे की मद में जाती है।
- **एनडाउमेंट पॉलिसी-** यानी ऐसी पॉलिसी जहां जीवन जोखिम के लिए पैसा निकालने के बाद प्रीमियम की बाकी राशि से एक फंड (एनडाउमेंट) तैयार किया जाता है और उसे बिना किसी मुनाफे के बीमे की अवधि के बाद लौटा दिया जाता है।
- **होल लाइफ पॉलिसी-** इस तरह की पॉलिसी में फंड में जमा राशि बीमे की रकम के साथ बीमित व्यक्ति के वारिस को सौंपी जाती है।

  आज लगभग सभी बीमा कंपनियां यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) की सुविधा देती हैं जिसमें बीमे और म्यूचुअल फंड दोनों का लाभ मिलता है। यह एक एनडाउमेंट पॉलिसी की तरह होती है जहां फंड का निवेश म्यूचुअल फंड में किया जाता है।

8. श्री सेबिन डी कोस्टा, प्रौढ़ व्यक्ति:

- उन्होंने हाल ही में अपने एक मित्र को उनकी हार्ट सर्जरी के लिए पचास हजार रुपए उधार दिए हैं। वह इतनी बचत करना चाहते हैं कि किसी चिकित्सकीय जरूरत यानी मेडिकल इमरजेंसी पर उन्हें अपने दोस्तों से कर्ज न लेना पड़े।
- वह अपनी मेडिकल यानी चिकित्सा की जरूरतों के लिए पैसा बचा कर रखना चाहते हैं।

श्री यूरेका कहते: मेडिकल इंश्योरेंस लें!

श्री यूरेका के एसिस्टेंट उन्हें विस्तार से समझाते हैं:

_____

_____

_____

_____

मौजूदा संदर्भों में मेडिकल इंश्योरेंस का बहुत ज्यादा महत्व है, जबकि अस्पताल में एडमिट होकर इलाज कराना खासा महंगा हो चुका है। मेडिकल इंश्योरेंस में आपको हर महीने या साल एक तय प्रीमियम देना होता है। बदले में बीमा कंपनी आपकी मेडिकल इमरजेंसी में आपके चिकित्सा यानी मेडिकल बिलों का भुगतान सुनिश्ति करती है। प्रीमियम की राशि आपके द्वारा लिए गए इंश्योरेंस कवरेज पर निर्भर करती है।
सरकार भी ऐसी पॉलिसी के प्रीमियम पर आयकर में छूट देती है।

अभ्यास: वित्तीय सलाहकार की भूमिका निभाएं

अब जबकि आप निवेश के ढेर सारे अवसरों के बारे में जानते हैं, क्या आप किसी परिवार के विभिन्न सदस्यों के लिए उचित निवेश योजना का सुझाव दे सकते हैं? आप इसके लिए अगले पृष्ठ पर दिए गए फाइनेंशियल एडवाइजर्स गाइड यानी वित्तीय सलाहकार गाइड की मदद ले सकते हैं।

चार सदस्यों का एक परिवार आपके पास वित्तीय सलाह के लिए आया है। श्री सुरेश मेनन 47 साल के हैं और एक बैंक में कार्यरत हैं। वह इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं कि उनकी अचानक मृत्यु पर उनके परिवार का भविष्य क्या होगा। सतीश, श्री मेनन का बेटा इंजीनियरिंग कॉलेज में तीसरे वर्ष की पढ़ाई कर रहा है और किसी रेस्टोरेंट में पार्ट टाइम काम करके कुछ पैसे कमा लेता है। रेनू 22 साल की हैं और श्री मेनन की बेटी हैं और उसने हाल ही में एक फ्रीलांस डिजाइनर के रूप में काम करना शुरू किया है।मेनन के पिताजी विशाल मेनन सत्तर साल के हैं और रिटायर्ड

हैं। उन्हें अपने रिटायरमेंट पर एक लाख रुपए की राशि ग्रैच्युटी के रूप में एकमुश्त मिली थी।

The Person	Type of investment

Student life	Early earning stage of life	Later earning stage of life	Post retirement stage of life
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	
	[illegible]	[illegible]	
	[illegible]	[illegible]	
	[illegible]		
	[illegible]		

स्मार्ट प्रीव्यू

अगली क्लास में हम कर्ज का कामकाज देखेंगे।

- कब कर्ज लेना चाहिए और कब नहीं
- क्रेडिट कार्ड- उपयोग और दुरुपयोग
- कर्ज की लागत
- विभिन्न प्रकार के बैंक लोन या कर्ज

सत्र 7

बचत से आगे: कर्ज

मेरा अंतिम डिपॉजिट

- म्यूचुअल फंड गैर अनुभवी लोगों के लिए शेयर बाजार में निवेश को आसान बनाते हैं।
- बाजार में कई तरह के म्यूचुअल फंड हैं, जो निर्भर करते हैं कि
  - ➢ फंड कहां पर निवेश किया है।
  - ➢ एंट्री और एक्जिट का लचीलापन
  - ➢ म्यूचुअल फंड में आपके निवेश करने या पैसा निकालने का तरीका।
- बैंक डिपॉजिट और शेयर बाजार के अलावा भी निवेश के और तरीके हैं।
- ग्रामीण क्षेत्र के निवेशकों के लिए
  - ➢ पोस्ट ऑफिस की स्माल सेविंग्स स्कीम यानी लघु बचत योजना बहुत सुविधाजनक और लोकप्रिय है।
  - ➢ टैक्स की छूट का लाभ लेने के लिए पब्लिक प्रॉविडेंट स्कीम एक बहुत सुविधाजनक निवेश का जरिया है।
  - ➢ सोना और रियल एस्टेट(स्थाई संपतियां जैसे दृ भूमि, भवन आदि) भी निवेश के अवसर देते हैं।

उत्सुकता

"जो कर्ज लेता है वह दुखी भी होता है"

-बेंजामिन फ्रैंकलिन

क्या कर्ज लेना हमेशा बुरा ही होता है?

टु बी ऑर नॉट टु बी- यानी कर्ज लिया जाए या कर्ज न लिया जाए

आइए दो दोस्तों के केस देखें-

सतीश का केस

करीब साल भर पहले सतीश ने 11-990 रुपए का एक सेलफोन खरीदने के लिए दस हजार रुपए का कर्ज लिया था। आज उसने मालूम किया तो उस सेलफोन की कीमत गिरकर 6,999 रुपए पर आ गई है।

अब वह सोच रहा है कि उसने कर्ज क्यों लिया। उसे सेलफोन खरीदने के लिए पैसे बचाने चाहिए थे। ऐसे में उसे सेलफोन तो सस्ता मिलता ही साथ ही वह पैसे भी बचा लेता जो वह ब्याज के रूप में अदा कर रहा है। यही नहीं इस दौरान वह अपनी बचत पर कुछ ब्याज भी कमा लेता।

आशीष का केस

करीब दो साल पहले आशीष एक टू बीएचके (यानी दो बेडरूम-हॉल-किचन) के फ्लैट को खरीदने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा था। उसने यह आइडिया त्याग दिया था क्योंकि न तो उसके पास वह प्रॉपर्टी खरीदने के लिए पैसे थे और ना ही वह होम लोन यानी गृह कर्ज लेने के लिए तैयार था। अब उसे जानकारी मिली है कि उसी प्रॉपर्टी की कीमत और ज्यादा बढ गई है। अब वह सोच रहा है कि उसने उस समय प्रॉपर्टी खरीदने के लिए होम लोन क्यों नहीं ले लिया। अगर उसने कर्ज ले लिया होता तो उसका किराया जो वह आवास के लिए चुका रहा है, वह तो बचता ही उसे कर्ज पर टैक्स छूट का भी फायदा मिलता।

क्या सेलफोन के लिए सतीश का कर्ज लेना उचित था?

_____

क्या प्रॉपर्टी खरीदने के लिए (यह मानते हुए कि वह होम लोन के लिए एलिजिबल यानी योग्य था) आशीष का कर्ज न लेना सही फैसला था?

_____

किन परिस्थितियों में कर्ज लेना मुनासिब यानी उचित होता है?

1._____

_____

2._____

_____

3._____

_____

क्या कहती है थ्योरी

ईएमआई =
ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट
(समान मासिक किश्त)

कर्ज की लागत

नीचे तीन विज्ञापन दिए गए हैं।

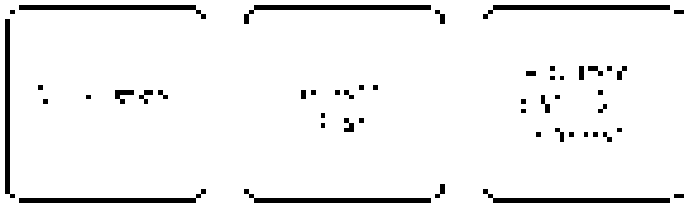

नीचे तीन विज्ञापन दिए गए हैं।कर्ज लेने वाले के लिए सबसे बेहतर कौन सा है?

_____

कोई भी व्यापारिक संस्थान कर्ज क्यों देता है?

_____

आकर्षक ब्याज और ईएमआई:

अमृता कक्षा दस की छात्रा है, वह एक आवासीय यानी रेसिडेंशियल स्कूल में पढ़ती है। वह बहुत अच्छी पेंटर है और अपने माता - पिता को उनकी शादी की वर्षगांठ पर एक ऑयल पेंटिंग का कैनवास तोहफे में देना चाहती है। उसे इसके लिए जरूरी चीजें खरीदने के लिए 1200 रुपए की जरूरत है।

उसके पास पैसे नहीं है और वह अपने माता - पिता से भी पैसे नहीं मांगना चाहती क्योंकि वह यह तोहफा उन्हें सरप्राइस गिफ्ट की तरह देना चाहती है।
अमृता तय करती है कि वह अपनी सहेली रितु से कर्ज लेगी जिसके पास देने के लिए पैसे हैं। अमृता उसे 12 मासिक किस्तों में पैसा लौटाने की बात कहती है। रितु उसे 1200 रुपए उधार देने को राजी हो जाती है लेकिन साथ ही कहती है कि वह उस रकम पर कुछ ब्याज लेगी।

अमृता पूछती है, 'तुम कितना ब्याज लगाओगी और मुझे हर महीने कितने पैसे अदा करने होंगे?!, रितु ने कर्ज की गणना इस प्रकार की-

मूलधन-	1200 रुपए
1200 रुपए पर एक साल का ब्याज दस फीसदी की दर से-	120 रुपए
कुल-	1320 रुपए
ईएमआई यानी मासिक किस्त-	110 रुपए

अमृता, स्वंय समझदार है, लिहाजा उसने ब्याज की गणना खुद ही एक कागज पर की।

तालिका-1

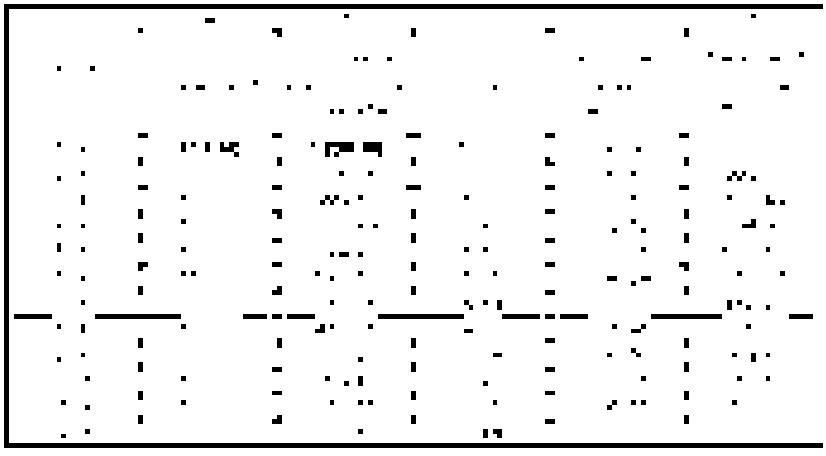

ईएमआई क्या है?

_____

क्या अमृता को 110 रुपए की 12 ईएमआई देनी होंगी?

_____

तालिका-2 रेड्यूसिंग बैलेंस मेथड यानी केवल बकाया कर्ज पर ब्याज लगाने का तरीका

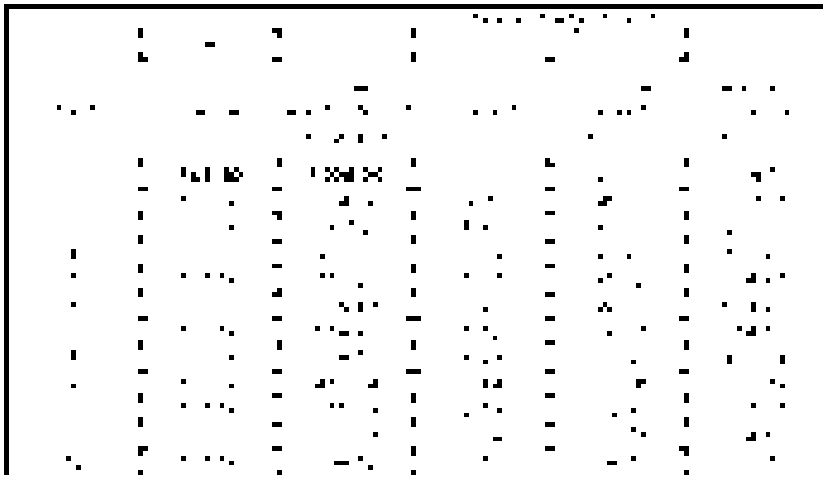

क्या कहती है थ्योरी

ईएमआई (ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट) एक रकम है जो कर्ज लेने वाले को हर माह अदा करनी होती है। लिहाजा कर्ज की अवधि के अंदर मूलधन और ब्याज अदा हो जाए।

ब्याज की गणना का रेड्यूसिंग बैलेंस मेथड क्या है?

_____

_____

अमृता को केवल 105-50 रुपए हर माह 12 महीने तक अदा करने होंगे।

प्लास्टिक मनी- क्या यह आसान विकल्प है

अमृता मायूस है और क्रेडिट कार्ड जैसे दूसरे विकल्पों के बारे में सोचने लगती है। वह अपने अंकल को फोन करती है।

अमृता: हैलो अंकल, मैंने आपको बताया था कि मुझे कुछ पैसों की जरूरत है। मेरे पिताजी ने मुझे जो क्रेडिट कार्ड दिया है, क्या हम उससे यह पैसे नहीं निकाल सकते?

क्रेडिट कार्ड के जरिए आप खरीदारी कैसे करते हैं?

पहला कदम: आप अपना कार्ड दुकानदार को देते हैं।

दूसरा कदम: दुकानदार एक चार्ज-स्लिप निकालता है जो दो प्रतियों में होती है, एक प्रति दुकानदार की और दूसरी प्रति ग्राहक की।

तीसरा कदम: आप दुकानदार की प्रति पर हस्ताक्षर करते हैं और वापस दुकानदार को दे देते हैं और ग्राहक वाली प्रति अपने पास रखते हो और उससे कार्ड वापस ले लेते हैं।

आपको लगता है कि अमृता के लिए क्रेडिट कार्ड से कर्ज लेकर न्यूनतम देय राशि अदा करना सही कदम होगा?

_____

अमृता के अंकल ने भी यही बात कही थी। उन्होंने भी कुछ रोचक जानकारियां दीं।

अगर आप केवल न्यूनतम देय राशि का भुगतान करते हैं तो आपको-----पूरी धनराशि चुकाने में लगेंगे।

और ऐसी स्थिति में आप अपने 1200 रुपए के कर्ज के लिए लगभग----रुपए केवल ब्याज के रूप में ही दे रहे होंगे।

लिहाजा आपको 1200 रुपए के कर्ज की अदायगी के लिए कुल ----- रुपए से भी ज्यादा अदा करने होंगे।

क्रेडिट कार्ड के फायदे

1. _____

2. _____

3. _____

क्रेडिट कार्ड के संदर्भ में रखी जाने वाली सावधानियां

1. क्रेडिट कार्ड मिलते ही उसके सिगनेचर पैनल यानी हस्ताक्षर के लिए बनी जगह पर अपने हस्ताक्षर कर दें।

2. अपने पिन (पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नंबर) को लेकर अत्यंत गोपनीयता बरतें। आपको बैंक से डाक द्वारा पिन प्राप्त होता है। जैसे ही आपको पिन मिले उसको बदल दें और डाक से आए पिन को नष्ट कर दें। बैंक के एटीएम को इस्तेमाल करने के लिए आपको इस पिन का इस्तेमाल करना होगा।

3. यह सुनिश्चित करें कि खरीदारी करने के तुरंत बाद आपका क्रेडिट कार्ड आपको लौट दिया गया है, और दुकान में कार्ड हर समय आपकी आंखों के सामने ही रहे।

4. मासिक बिलिंग स्टेटमेंट को अपनी रसीदों से मिला लें ताकि आपके कार्ड से हुए लेनदेन वेरिफाई हो सके यानी उनकी जांच हो सके। इसमें कोई अनाधिकारिक लेनदेन दिखे तो तुरंत ही इसकी

सूचना बैंक को दें।

5. अपने सभी कार्ड के नंबरों की सूची रखें और सुनिश्चित करें कि वह सुरक्षित जगह पर रखे हैं।

बैंक कर्ज के प्रकार

सुब्रत: मैं एक फोटोग्राफर हूं। मेरी कोई तय मासिक आमदनी नहीं है। कुछ महीनों में मेरी आय ८० हजार तक पहुंच जाती है और कुछ महीनों में मेरी कोई आय नहीं होती। मैं २५ लाख का एक मकान लेना चाहता हूं। मैं एक बैंक से हाउसिंग लोन यानी गृह कर्ज लेना चाहता हूँ।

क्या सुब्रत को बैंक से होम लोन मिलेगा?

उत्तर: _____

नियम संख्या: 1 _____

अनुजा: मैं 25 हजार रुपए मासिक कमाती हूँ लेकिन मैं 13 लोगों के संयुक्त परिवार की अकेली कमाने वाली सदस्य हूँ । मेरी सारी आय घर के खर्चों को पूरा करने में ही खत्म हो जाती है। मुझे एक बैंक से कर्ज चाहिए, एक व्यक्तिगत यानी पर्सनल लोन, अपनी बेटी के विवाह -खर्चों के लिए।

क्या अनुजा को बैंक से पर्सनल लोन मिलेगा?

उत्तर: _____

नियम संख्या-2 _____

कौशिक:मैं एक कॉल सेंटर का कर्मचारी था और तीन साल पहले मैंने एक कार लोन लिया था। मैंने साल भर पहले अपनी नौकरी छोड़ दी थी क्योंकि मैं बीमार पड़ गया था और उसके बाद मैं अपने कार लोन की मासिक किस्त नहीं जमा कर सका। अब मुझे अपनी खुद की कंपनी शुरू करने के लिए कर्ज चाहिए।

क्या कौशिक को बैंक से कर्ज मिलेगा?

उत्तर- _____

नियम संख्या-3 _____

कमलेश: मैं हार्स ब्रीडिंग रांच यानी घोड़ों का एक अस्तबल खोलना चाहता हूँ जिसकी लागत करीब एक करोड़ रुपए है। मैं एक हाइ नेटवर्थ इंडिविजुअल यानी उच्च नेटवर्थ वाला व्यक्ति हूँ और क्रेडिट हिस्ट्री यानी कर्ज की अदायगी का रिकार्ड बहुत अच्छा है।

क्या कमलेश को बैंक एक करोड़ का कर्ज देगा?

उत्तर- _____

नियम संख्या-4 _____

कमलेश (जारी): मैं 15 लाख रुपए मार्जिन मनी के रूप में दूंगा लेकिन क्या मुझे ब्याज एक करोड़ रुपए पर देना होगा या फिर 85 लाख रुपए पर?

उत्तर (नियम संख्या-5): _____

संजय: मैं कंबाला हिल पर दो करोड़ रुपए का एक पेंटहाउस खरीदना चाहता हूँ । अगर मैं बैंक से हाउसिंग लोन लेता हूँ तो क्या मकान के ओरिजिनल कागज यानी सेल और लीज डीड मेरे पास रहेंगे या बैंक के पास?

उत्तर (नियम संख्या-6): _____

जया: प्मैंने पांच लाख रुपए का एजुकेशनल लोन लेने का फैसला किया है। मैं हर माह देने वाली किस्त (ईएमआई- ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट) की राशि कैसे तय करूं।

उत्तर (नियम संख्या-7): _____

बैंडी: मैं बाइक्स को लेकर दीवाना हूँ और आर एक्स-100 खरीदना चाहता हूँ जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपए है। मैं बैंक से इस पूरी रकम के लिए कर्ज लेना चाहता हूँ । अगर बैंक मुझे कर्ज देने को राजी हो जाता है तो क्या बैंक कर्ज की रकम मेरे बैंक खाते में डालेगी या फिर मुझे नकद देगी।

उत्तर (नियम संख्या-8): _____

कर्ज के प्रकार

- **वेहिकल लोन यानी वाहन कर्ज**
- **कंज्यूमर लोन यानी उपभोक्ता कर्ज**

- **पर्सनल लोन यानी व्यक्तिगत कर्ज**
- **एजुकेशनल लोन यानी शिक्षा कर्ज**
- **हाउसिंग या होम लोन यानी गृह कर्ज**

क्या कहती है थ्योरी

बैंक लोन लेने की शर्तें और ईएमआई की गणना-
- कर्ज की राशि
- कर्ज की अवधि
- ब्याज की दर

इन कर्जों पर ज्यादा जानकारी के लिए आपकी स्टडी किट में दी गई मनी मैक्सिम बुकलेट यानी किताब(होमवर्क के रूप में) को देखें।

आपको कितना कर्ज लेना चाहिए? 70-20-10 **का नियम**

70-20-10 का नियम क्या है?

_____
_____
_____

स्मार्ट प्रीव्यू

अगली क्लास में आप अपनी सारी पढ़ाई को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में लागू करेंगे और पढ़ाई के साथ कमाई की गुंजाइश को देखेंगे।

सत्र 8

उलटी गिनती

मेरा अंतिम डिपॉजिट

- कर्ज जरूरत पर आधारित होना चाहिए, इच्छा पर आधारित नहीं।
- कर्ज के साथ एक लागत भी जुड़ी होती है जिसे हम ब्याज कहते हैं।
- ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट (ईएमआई) यानी मासिक किस्तों की धारणा
- क्रेडिट कार्ड- इसके फायदे और सावधानियां
- बैंक कर्ज लेने के सामान्य सिद्धांत
- 70-20-10 का नियम

उत्सुकता

नीचे दिए गए स्टेटमेंट्स यानी कथनों को पढ़ो और बताओ कि यह सही है या गलत।

1. कोई व्यक्ति 15 फीसदी की दर से एक साल के लिए दस हजार रुपए का कर्ज लेता है, उसकी ईएमआई 958 रुपए आती है।
2. सभी प्रकार के निवेश पर निवेशक को कर का लाभ मिल सकता है।
3. अगर कोई व्यक्ति आठ साल के लिए सालाना 8 फीसदी के चक्रवृद्धि ब्याज पर दस हजार रुपए का निवेश करता है तो उसका मूलधन कितने समय में दोगुना हो जाएगा।
4. एक व्यक्ति 15 हजार रुपए का सेलफोन लेना चाहता है। उसके लिए क्या बेहतर रहेगा, तीन फीसदी की दर पर क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना या फिर 12 फीसदी सालाना की दर से पर्सनल लोन लेना।
5. ईएमआई का मतलब है ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट
6. भारत की कई बड़ी कंपनियों के मुनाफे में हिस्सेदारी करना हमारे लिए संभव है।
7. राशन कार्ड के बिना भी बैंक खाता खोला जा सकता है।
8. पोस्ट ऑफिस में भी बचत को रखा जा सकता है।
9. अठारह साल से कम उम्र का व्यक्ति कर्ज के लिए बैंक में अर्जी दे सकता है।

मेरा एफआईक्यू = $\frac{\text{number of rights}}{10} = \frac{\quad}{10}$

कंप्यूटर की तलाश

सनी से मिलिए

उम्र: 15 साल
पसंद: कंप्यूटर गेम्स बनाना
सपना: एक गेमिंग कंपनी शुरू करना और अमीर बनना
नापसंद: उसका मौजूदा कंप्यूटर जो बहुत धीमा है
दोस्त उसे पसंद करते हैं क्योंकि: वह उनके कंप्यूटरों को दुरुस्त करता है
उसके सपने की मशीन की कीमत: 35 हजार रुपए
समय सीमा: नौ माह

सनी का स्मार्ट गोल:

_____

_____

_____

_____

सनी का आय-व्यय ब्योरा:

सनी के माता-पिता उसे हर हफ्ते 250 रुपए जेबखर्च के रूप में देते हैं। पिछले महीने सनी ने इन चीजों पर अपने पैसे खर्च किए कैंटीन बिल:400 रुपए, फिल्म: 150 रुपए, कंप्यूटर गेम: 150 रुपए, रेस्टोरेंट-150 रुपए, ऑटो: 600 रुपए, मोबाइल बिल: 750 रुपए, स्टेशनरी: 50 रुपए। उसकी मां ने उसे 500 रुपए दिए थे जिसके बारे में उन्होंने पिताजी को नहीं बताया था लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि यह हर बार नहीं चलेगा। मोबाइल बिल उसके पिताजी ने सीधे अदा कर दिया। सनी ने हिसाब लगाया कि उसके माता-पिता ने उसके कपड़ों पर पिछले साल छह हजार रुपए खर्च किए हैं।

सनी की जरूरतों/इच्छाओं का विश्लेषण और बचत की योजना

तालिका 1

Areas	Amount spent	Need/want	Planned expenditure
Canteen			
Auto			
Movie			
Restaurant			
Computer game			
Stationery			
Total			
Mobile			
Clothes			
Total			

सनी कितना पैसा बचा सकता है?

तालिका 2

Area of saving	Amount saved per month	Savings at the end of 9 months
Pocket Money		
Mobile bill		
Clothes		
TOTAL		
Sunny Requires		35,000
Still to go		

सनी को अहसास हुआ

- उसके माता-पिता ने उसके पिछले जन्मदिन पर पांच हजार रुपए खर्च किए थे, 25 फरवरी को। इस साल उसके प्री-बोर्ड परीक्षाएं होने की वजह से वह अपना जन्मदिन नहीं मना पाएगा क्योंकि उस दौरन उसके दोस्त भी पढ़ाई में व्यस्त होंगे।

- एक बार नया कंप्यूटर आ जाने के बाद उसे पुराने कंप्यूटर की जरूरत नहीं रहेगी। उसके पड़ोस के दोस्त ने पहले ही उसके पुराने कंप्यूटर के लिए 5,725 रुपए का दाम लगा दिया है जो केवल एक साल पुराना है।

तालिका 3

Area	Amount saved finally
Pocket money	
Mobile bill	
Clothes	
Savings from birthday expenses	
Sale of old computer	
Total money gathered	
Still to go	

सनी के लिए सुझाव

_____

_____

अब तक की कहानी

तालिका 4

Area	Amount
Money gathered so far	
Sunny's earnings for 9 months	
Total money available now	
Still to go	

उसे क्या करना चाहिए?

क्या उसे अपना ध्येय छोड़ देना चाहिए? _____

ध्येय पूरा करने के लिए उसे और रास्ते तलाशने चाहिए? _____

आपको क्या लगता है इस समस्या का समाधान क्या है? क्या वह यह रकम किसी से उधार ले सकता है।

क्या बैंक उसे यह कर्ज देगा? क्यों?

सनी को कौन कर्ज दे सकता है?

सनी को कर्ज कैसे मिलेगा?

सनी अपना कर्ज कैसे चुकाएगा?

सनी को सबसे अच्छी डील कहां से मिल सकती है? कैसे?

सनी को कितनी रकम अदा करनी होगी?

सनी के कर्ज के री -पेमेंट यानी पुनर्भुगतान की योजना-

सनी के पिताजी ने जोर दिया कि सनी उन्हें हर महीने कुछ राशि दिया करे जिससे कि कर्ज धीरे - धीरे चुकाया जा सके। सनी को अपने पिताजी को हर माह कितनी रकम देनी चाहिए?

_____

_____

_____

_____

अगर सनी 1,237 रुपए की मासिक किस्त देता है तो क्या होगा?

तालिका 5

सनी 1,237 रुपए की मासिक किस्त देता है।

Principal		**13250**			
Installment		**1237**			
Int. rate		**12**			
Installment adjustment					
Month	Installment	Principal on which interest is payable	Interest	Principal repaid (1) - (3)	Balance of Principal (2) - (4)
	-1	-2	-3	-4	-5
1	1237	13250	132.5	1104.5	12145.5
2	1237	12145.5	121.46	1115.55	11029.96
3	1237	11029.96	110.3	1126.7	9903.25
4	1237	9903.25	99.03	1137.97	8765.29
5	1237	8765.29	87.65	1149.35	7615.94
6	1237	7615.94	76.16	1160.84	6455.1
7	1237	6455.1	64.55	1172.45	5282.65
8	1237	5282.65	52.83	1184.17	4098.48
9	1237	4098.48	40.98	1196.02	2902.46
10	1237	2902.46	29.02	1207.98	1694.49
11	1237	1694.49	16.94	1220.06	474.43
12	1237	474.43	4.74	1232.26	**-757.82**

ऊपर दी गई तालिका देखकर आप क्या कह सकते हैं?

_____

_____

_____

_____

_____

सनी द्वारा अदा की जाने वाली सही ईएमआई:

सनी के पिताजी उसे काफी प्रोत्साहित करने वाली बात कहते हैं। सनी को दरअसल 1,237 रुपए की ईएमआई नहीं बल्कि 1,127 रुपए की ईएमआई अदा करनी होगी। सही ईएमआई की गणना करने का एक लंबा फार्मूला है जिससे वह 1,127 रुपए बनती है। हालांकि इस समय यह फार्मूला आपको समझने की कोई जरूरत नहीं। आइए देखें, अगर सनी को 1,127 रुपए की ईएमआई देनी पड़ती है तो क्या होगा।

तालिका 6

Principal		**13250**			
Installment		**1177**			
Interest rate		**12**			
Installment adjustment					
Month	(A) Installment	(B) Principal on which interest is payable	(C) Interest	(D) Principal repaid (A) - (C)	E Balance of Principal (B) - (D)
1	1177	13250	132.5	1044.5	12205.5
2	1177	12205.5	122.06	1054.95	11150.56
3	1177	11150.56	111.51	1065.49	10085.06
4	1177	10085.06	100.85	1076.15	9008.91
5	1177	9008.91	90.09	1086.91	7922
6	1177	7922	79.22	1097.78	6824.22
7	1177	6824.22	68.24	1108.76	5715.46
8	1177	5715.46	57.15	1119.85	4595.62
9	1177	4595.62	45.96	1131.04	3464.57
10	1177	3464.57	34.65	1142.35	2322.22
11	1177	2322.22	23.22	1153.78	1168.44
12	1177	1168.44	11.68	1165.32	3.13

कुल रकम जो पिताजी को अदा करनी है, जो बिना रेड्यूसिंग बैलेंस मेथड लागू किए निकाली गई है. वह है_____रुपए

वास्तविक राशि जो सनी को अदा करनी होगी_____रुपए

सनी की बांछें खिल गईं!!

सनी खुश है कि उसे कम रकम भरनी होगी। और उसके पिताजी ने जो सुझाव दिया है, वह और भी खुश कर देने वाला है। सनी के पिताजी ने सुझाव दिया कि बजाए 1177 रुपए ईएमआई 12 महीने तक भरने के, सनी 624 रुपए की मासिक किस्त दो साल तक दे सकता है। सनी अपनी बचत की बकाया राशि का किसी अच्छी निवेश योजना में निवेश कर सकता है जो करीब पांच सौ रुपए महीना होगी। इससे सनी का और ज्यादा फायदा होगा।

पिताजी ने सनी से कहा, मैंने इन बेहतरीन निवेश योजनाओं के बारे में जीवन में काफी देर से जाना है। मैंने 35 साल की उम्र में तय किया कि हर महीने 12 फीसदी के ब्याज पर एक हजार रुपए बचाउंगा। जानते हो आज 45 साल की उम्र में वह रकम बढ़कर कितनी हो गई हैं?

तालिका 7

	Amount invested/ month (Rs)	Period	Rate of interest	Total amount
Sunny's dad	1000	10 years	12%	2,30,039
Sunny	500	30yrs	12%	20,98,766
	500	20yrs	12%	

अब सनी ने अपनी पॉकेट मनी कोर्स में से सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के बारे में सबकुछ सीख लिया है। अगर सनी 500 रुपए (अपनी बचत या कमाई से) का निवेश 25 साल की उम्र तक करता है और नौकरी शुरू करने के बाद पांच सौ रुपए का और निवेश करने लग जाता है, तो आपको क्या लगता है, 45 साल की उम्र तक सनी के पास कितना पैसा होगा। 20,98,766 रुपए!!!!!!!!!! अब हम समझ सकते हैं जल्दी निवेश शुरू करने और लंबे समय तक निवेशित रहने के क्या फायदे हैं।

क्या सनी अपना कर्ज चुकाने और साथ ही 500 रुपए बचाने में सफल रहेगा? *(इस सवाल के जवाब के लिए नीचे दी गई तालिका का इस्तेमाल करें)*

सनी की री -पेमेंट यानी पुनर्भुगतान की क्षमता:

तालिका 8

Area	Amount per month
Sunny's earning from his computer business	750
Savings from his pocket money	125
Savings from cell phone bill	250
Savings from clothes	100
TOTAL	**1225**

_____

_____

_____

बचत करने और कर्ज लेने की पावर यानी ताकत या क्षमता को बढ़ाना

बचत करने और कर्ज लेने की अपनी क्षमता कैसे बढ़ाई जा सकती है? क्या चीज किसी को कमाने लायक बनाती है?

_____

_____

अपनी तीन खूबियों को लिखें जो आपको कमाने लायक बनाती हैं।

1. _____
2. _____
3. _____

1-2-3 से वित्तीय सफलता

1. _____
2. _____
3. _____

इंटरनेट के फायदे

नीचे उन वेबसाइट स्रोतों की सूची (सैंपल) दी गई है जो काम की है। आप अपनी सुविधा अनुसार इन साइट्स पर जाकर पर्सनल फाइनेंस के मामलों में अधिक जानकारी ले सकते हैं-

1. ऐसी कई वेबसाइट्स हैं जो विभिन्न निवेश इंस्ट्रूमेंट्स जैसे शेयर, म्यूचुअल फंड आदि की खबरें और सूचनाएं उपलब्ध कराती हैं। इनमें से कुछ आपके निवेश का ऑनलाइन रिकार्ड भी रखती हैं और वहां आप अपने निवेश के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा कर सकते हैं। कई ई-कैलकुलेटर्स भी देती हैं जो आपको यह जानने में मदद करती हैं कि किसी विशेष निवेश से दी गई परिस्थितियों में आपको कितना फायदा होगा।

   इनमें नीचे दी गई साइट्स शामिल हैं:

   - www.bloombergutv.com
   - www.business-standard.com
   - www.economictimes.indiatimes.com
   - www.livemint.com
   - www.rediff.com/getahead/money.html
   - www.moneycontrol.com
   - www.myiris.com

2. कुछ साइट्स केवल एक ही तरह के निवेश पर फोकस करती है जैसे म्यूचुअल फंड। इनमें निम्नलिखित साइट्स शामिल हैं:
   - www.valueresearchonline.com
   - www.mutualfundsindia.com

3. बाजार के नियामक और संस्थान भी अपनी वेबसाइट्स चलाते हैं जो बाजार की समझ बढ़ाने में मदद करती हैं और उन उत्पादों की भी जानकारी देती हैं जिन्हें यह संस्थाएं रेगुलेट करती हैं। इनमें शामिल हैं:

- www.sebi.gov.in/ - यह शेयर बाजार की नियामक संस्था सेक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट है।
- www.rbi.org.in/ - यह देश के सभी बैंकों की नियामक संस्था रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट है।
- www.irda.gov.in/ - यह बीमा क्षेत्र की नियामक संस्था इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी की आधिकारिक वेबसाइट है।

जाते-जाते

- आपने अब तक धन, धन के विकास, बचत और निवेश के कई कंसेप्ट यानी धारणाओं का अध्ययन किया है।
- यह जानकारी आपकी मदद ही नहीं करेगी बल्कि आपको बेहतर भविष्य की योजना बनाने में भी सहायता करेगी। हालांकि धन हमारे लिए सब कुछ नहीं खरीद सकता, यह बेशक हमारी बुनियादी जरूरतों को पूरा कर और एक सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन देकर उसे बेहतर बना देता है। चूंकि धन बहुत जरूरी है लिहाजा उसके साथ सावधानी बरतना भी उतना ही जरूरी है।
- इस कोर्स ने आपको अपने वित्तीय मामलों को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित करने के लिए जरूरी जागरूकता प्रदान की है।
- इस कोर्स का उद्देश्य रहा है कि आपको अपनी आय का कुछ हिस्सा बचाने की अहमियत बताए और निवेश के विभिन्न तरीकों का फायदा उठाने में आपकी मदद करे।

FAMILY ACTIVITY sessions

1.	मनी के मसल: स्मार्ट गोल यानी ध्येय और वित्तीय विश्लेषण.....	105
2.	बजट बनाना: अपने साधनों और अपनी जरूरतों में संतुलन.....	109
3.	निवेश: पैसों के पौधे को सींचना.....	113
4.	बैंकिंग के बेसिक्स यानी.....	117
5.	स्टॉक्स यानी शेयर इकट्ठा	121
6.	निवेश: विस्तृत प्रतिबिंब यानी स्पेक्ट्रम.....	125
7.	बचत से आगे: कर्ज	129
8.	उलटी गिनती	137

सत्र 1

मनी मसले: स्मार्ट गोल और वित्तीय विश्लेषण

प्रिय माता-पिता

क्या हम अपने पारिवारिक बजट में अपने बच्चों को शामिल करते हैं?

परिवार की तरह हम साथ बैठते हैं, कई विषयों पर बातें करते हैं। उदाहरण के लिए हम साथ - साथ छुट्टियां बिताने की योजना पर साथ बैठ कर चर्चा करते हैं- कहां जाना है, कहां ठहरना है, कौन - कौन सी जगहें देखनी हैं, जाने की तैयारी के लिए क्या - क्या खरीदारी करनी है, जहां जाना है वहां पर क्या खरीदारी करनी है आदि। लेकिन इन सब के लिए पैसों की जरूरत होती है, एक विस्तृत वित्तीय बजट और योजना की जरूरत होती है। लेकिन इस बजट बनाने के काम में हम अपने बच्चों को शामिल नहीं करते। या तो हम उन्हें वित्तीय चिंताओं से मुक्त रखना चाहते हैं या फिर हम उसी दकियानूसी ख्याल को पाले हैं कि वित्त का मामला माता-पिता के मतलब का ही होता है। कभी - कभी हम यह भी सोचते हैं कि हमारे बच्चे अभी बजट की बातें समझने के लिए बहुत छोटे हैं।

अपने बच्चों को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने के लिए सही उम्र क्या होती है?

हमारा मानना है कि वित्तीय साक्षरता घर से ही शुरू होती है। वित्तीय साक्षरता कोई रॉकेट विज्ञान नहीं है, लेकिन इसके लिए बजट बनाने का कौशल जानने की जरूरत होती है जो बहुत लोगों को अपने आप से नहीं आता। आप अपने बच्चों की मदद करने में हमारी मदद कर सकते हैं अगर आप उनके साथ बैठ कर इन आसान अभ्यासों को पूरा करें। उन्हें नियमित घरेलू बजटिंग की गतिविधियों में शामिल होने दीजिए और उन्हें समझने दीजिए कि किस आधार पर आप किसी खर्च के लिए धन आवंटित करते हैं।

आज के सत्र में आपके बच्चे ने सीखा:

- ✓ जब हमें किसी चीज की जरूरत होती है, यह बहुत जरूरी है कि हम एक सही तरीके से परिभाषित एक स्मार्ट (स्पेसिफिक, मेजरेबल, एचीवेबल, रियलिस्टिक, टाइम बाउंड यानी स्पष्ट, आंकलन योग्य, जिसे हासिल किया जा सके, यथार्थ से जुड़ा और समय सीमा वाला) गोल तय करें और फिर उसे हासिल करने के सारे प्रयास करें।
- ✓ एक बार हम अपनी आय और व्यय को ट्रैक कर लें और जरूरत और इच्छा का विश्लेषण कर लें, तब हम एक उचित बचत की रकम पर पहुंच सकते हैं।
- ✓ यह जांचने के लिए कि क्या आपका वित्तीय ध्येय या गोल हासिल किए जाने लायक है या नहीं हमें जानने की जरूरत है कि हम सबसे बेहतर कितनी बचत कर सकते हैं।

ऐक्टिविटी या अभ्यास 1

पूरे परिवार के बैठ कर घर के दस प्रमुख खर्चों को लिखना चाहिए और जरूरत और इच्छा के आधार पर उनका वर्गीकरण करना चाहिए। आपके संदर्भ के लिए एक उदाहरण दिया गया है।

जरूरत: तीन सदस्यों के परिवार के लिए एक 2 बीएचके अपार्टमेंट की।

इच्छा: तीन सदस्यों के परिवार के लिए एक 4 बीएचके पेंटहाउस की।

कई बार कुछ आइटम जरूरत और इच्छा दोनों ही वर्गों में रखे जा सकते हैं जैसे कपड़े।

Description of the expenditure	Need	Want	N/W

स्मार्ट गोल

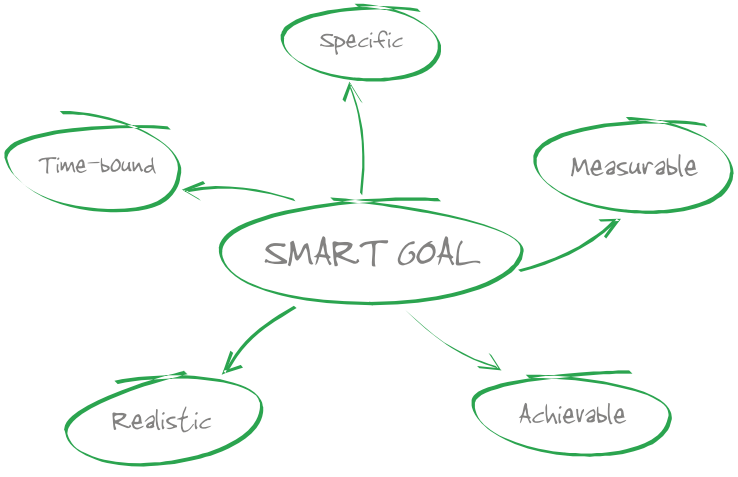

स्मार्ट गोल का उदाहरण:

NOT SO SMART	SMART!
I want to save money to buy a cell phone	I will have to save Rs. 4000 by the end of this year to buy the Nokia 123

अभ्यास 2

अब नीचे दी गई तालिका में आप सब साथ मिलकर, परिवार के दो स्मार्ट गोल को अन्य डीटेल के साथ सूचीबद्ध करें।

SMART Goal	Estimated cost	Estimated timeline

अभ्यास 3

एडवांटेज मैक्सिमा!! यानी सर्वाधिक लाभ भावी फैसले लेने के लिए एडमैक्स ग्रिड

पहला कदम: अपने उद्देश्य परिभाषित करो
दूसरा कदम: मापदंड चिह्नित करो
तीसरा कदम: विकल्पों की सूची बनाओ
चौथा कदम: विकल्पों का आकलन करो
पांचवा कदम: फैसला लो

CRITERIA / ALTERNATIVES				

मानिये कि आपका परिवार एक कार लेना चाहता है। आपके कुछ मापदंड है जो आप अपनी कार में चाहते हैं, उदाहरण के लिए आपको अच्छी माइलेज चाहिए, आकार बड़ा हो आदि। इन कसौटियों या मापदंडों की सूची बनाएं और बाजार में उपलब्ध विकल्पों की भी एक सूची बनाएं। ग्रिड में रखकर इन विकल्पों का विश्लेषण करते हुए आप बहुत आसानी से अपना फैसला ले सकते हैं।

CRITERIA / ALTERNATIVES	Family size	Mileage	Diesel	Price < 8 lakhs
Indigo				
Esteem				
Fabia				
Tata Safari				
Scorpio				

सत्र 2

बजटिंग- आय स्रोत और खर्चों का संतुलन

प्रिय माता-पिता,

आज के सत्र में आपके बच्चे ने सीखा

बजट क्या है?

बजट स्रोतों और खर्चों के समन्वय की एक योजना है या किसी की आय और व्यय का प्रोजेक्शन है।

बजट बनाना क्यों जरूरी है?

बजट जरूरी है, इन कारणों से:

- ✓ अधिकतम बचत के लिए
- ✓ यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च न करें
- ✓ किसी विशेष लघु या लंबी अवधि के ध्येय के मद्देनजर सही बचत करने के लिए
- ✓ पहले से ही विभिन्न मदों के खर्चों के लिए प्रभावी रूप से धन का आवंटन

बजट के संदर्भ में सरप्लस और डेफिसिट का क्या मतलब है?

- ✓ सरप्लस वह राशि है जो हमारी जरूरतों की संतुष्टि के बाद बची रहती है। दूसरे शब्दों में जब प्रोजेक्टेड आय यानी अनुमानित आय और प्रोजेक्टेड खर्च का अंतर पॉजिटिव होता है, तो इसे हम सरप्लस कहते हैं।
- ✓ डेफिसिट तब होता है जब आय से ज्यादा खर्चे हो जाएँ, दूसरे शब्दों में जब प्रोजेक्टेड यानी अनुमानित आय से प्रोडेक्टेड खर्च घटाने पर राशि नेगेटिव यानी नकारात्मक हो तो उसे डेफिसिट कहते हैं।

डिलेड ग्रैटिफिकेश क्या है?
लंबी अवधि के ध्येय की बात करें तो आपको भविष्य में बेहतर चीज पाने के लिए मौजूदा जरूरतों या इच्छाओं को त्यागना पड़ता है। इसे ही डिलेड ग्रैटिफिकेशन कहते हैं। उदाहरण के लिए घरेलू खर्चों में कटौती और मनोरंजन खर्चों में कटौती ताकि छह माह या साल भर बाद कार ली जा सके।

इंस्टैंट ग्रैटिफिकेशन क्या है?
यानी जब आप कोई चीज जैसे ही इच्छा जगे तुरंत ही खरीद लें, इसे इंस्टैंट ग्रैटिफिकेशन कहते हैं। जैसे - आपने मॉल के शोकेस में एक शर्ट देखी और तुरंत ही उसे खरीद लिया।

ऑपर्चुनिटी कॉस्ट क्या है?
ऑपर्चुनिटी कॉस्ट का मतलब है हर बार किसी खरीद का या चीज का चुनाव करते समय जो आपको छोड़ना पड़ता है। स्रोत सीमित होते हैं और आपकी इच्छाएं अनंत हैं। लिहाजा ऐसा नहीं हो सकता है कि हम सब कुछ पा लें। किसी चीज को खरीदने पर आपको कोई और चीज छोड़नी होती है।

बेटा या बेटी बजटिंग अपने स्कूल में क्यों नहीं सीख सकते?
ज्यादातर बच्चे धन का प्रबंधन करना अपने घर से ही सीखते हैं, अपने परिवारों से। हमने पाया है कि 60 फीसदी स्कूली बच्चों ने पर्सनल फाइनेंस अपने घर पर ही सीखा है। माता-पिता जब अपने बच्चों की फाइनेंशियल यानी वित्तीय फिटनेस के पर्सनल ट्रेनर के रूप में सोचते हैं उसका असर पड़ता है।

बच्चों को जीवन में इतनी जल्दी बजटिंग सीखने की जरूरत क्यों है?
बजटिंग की कला जानना किसी व्यक्ति की आर्थिक तरीके की सोच और समस्याओं को सुलझाने में मदद करता है। वे इस ज्ञान को अपने जीवन में बतौर ग्राहक, बचत करने वाले, परिवार के जिम्मेदार सदस्य और भविष्य में जिम्मेदार निवेशक, जिम्मेदार प्रोफेशनल और वैश्विक अर्थव्यवस्था के कुशल भागीदार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हम परिवार के रूप में कैसे भागीदारी कर सकते हैं? यह कैसे मददगार होता है?
आप अपने बच्चों को वित्तीय फैसलों में शामिल कर सकते हैं। उन्हें मालूम होने दीजिए कि आप अपना बजट कैसे तैयार करते हैं और आप कैसे तय करते हैं कि किस मद के खर्चों के लिए कितना धन आवंटित करना है। इससे बच्चों को परिवार के बजट में भागीदारी की समझ ही नहीं आएगी बल्कि वह अपने माता-पिता की उन स्थितियों के प्रति संवेदनशील भी हो सकेंगे जब उन्होंने बच्चों की किसी मांग को ठुकराया था। बच्चे भी अपने माता-पिता को बेहतर तरीके से समझेंगे और कड़ी मेहनत और धन का मूल्य भी जान सकेंगे।

मैं या हम कैसे मदद कर सकते हैं?
आप अपने बच्चे को परिवार के बजट में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं और उसे धन के आवंटन के बारे में विस्तार से बता सकते हैं। जब आपका बच्चा कोई महंगी चीज मांगता है तो बजाए तुरंत ही उसे दिला देने के, उन्हें एक बजट बनाने के लिए कहिए और कम से कम उस खर्च के एक हिस्से की बचत करने को कहिए। इससे उनमें वित्तीय अनुशासन आएगा जो एक जिम्मेदार पारिवारिक सदस्य के लिए जरूरी है।

अभ्यास 1

परिवार के सदस्यों के बीच चर्चा करें और दस खर्चों की एक सूची बनाएं जिसमें यह पता चल सके कि एक माह में आपको उन पर कितना खर्च करना होगा।

Area of expenditure	Amount (Rs)

अभ्यास 2 भारी भरकम मांगें

श्री और श्रीमती ग्रोवर चिंतित हैं और समझ नहीं पा रहे हैं कि वे परिवार की मांगें कैसे पूरी करेंगे। उन्हें श्री ग्रोवर के पिता जी के लिए उनके जन्मदिन पर एक रेशमी रजाई लेनी है। उनकी बेटी श्वेता को स्कूटर चाहिए। बेटे रवि को क्रिकेट सेट चाहिए, उनकी नौकरानी कांता बाई ने अपने बेटे की शादी के मौके के लिए दो हजार रुपए एडवांस यानी अग्रिम मांगा है। श्रीमती छुट्टियों में कहीं जाना चाहती हैं और श्री ग्रोवर मकान को पेंट करवाना चाहते हैं।

पूरे परिवार के साथ, श्री ग्रोवर के परिवार के सदस्यों की मांगों पर गौर करें और अपने आप में चर्चा करें कि इनमें से कौन सी मांग को डिलेड ग्रैटिफिकेशन मिलेगा और किस मांग को इंस्टैंट

ग्रैटिफिकेशन मिलेगा। इसके लिए जरूरी तर्क भी दीजिए।
इससे आपके बच्चों को आपके वित्तीय फैसलों में प्राथमिकताएं और मापदंडों को समझने में मदद मिलेगी।

Demand	Instant Gratification	Delayed Gratification	Reasons
Mr. Gorvers father's gift			
Shweta's scooter			
Ravi's Cricket set			
Kaanta Bai's advance requirement			
House Painting			
Mom's vacation			

सत्र 3

निवेश: धन के पौधे को बढ़ा करना

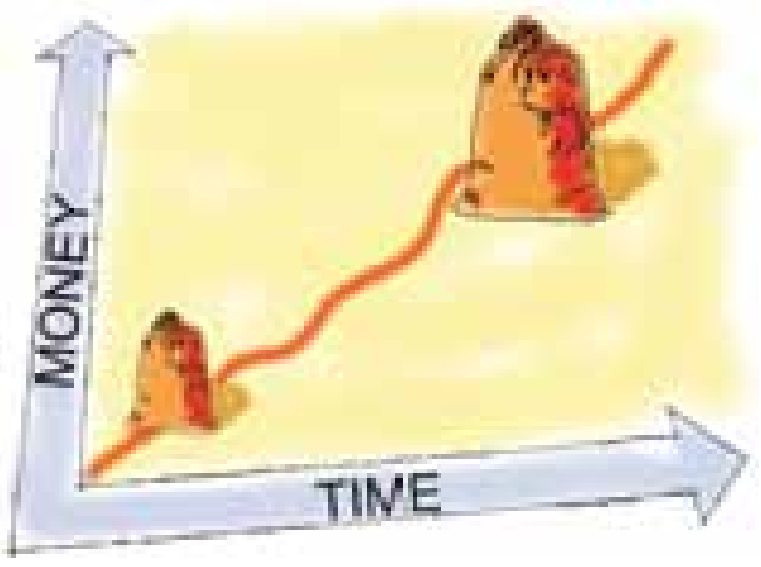

प्रिय माता-पिता

आज के सत्र में आपके बच्चे ने सीखा कि-

निवेश क्यों जरूरी है?

- ✓ निवेश हमारे धन को बढ़ने में मदद करता है
- ✓ यह महंगाई से निपटने में काम आता है
- ✓ यह बुढ़ापे में नियमित आय का स्रोत प्रदान करता है
- ✓ यह हमें एक जीवन स्तर पाने और बनाए रखने में हमारा सहायक होता है
- ✓ यह लंबे हो रहे जीवन के लिए और जरूरी हो गया है
- ✓ यह करीब - करीब सभी लघु और लंबी अवधि के वित्तीय ध्येय पूरे करने में मदद करता है

अभ्यास 1

बतौर परिवार, इन साधारण घरेलू वस्तुओं की कीमतें कुछ साल पहले क्या थीं (यह पांच साल पहले, दस साल पहले या फिर 20 साल पहले की हो सकती हैं) इसकी सूची बनाएं। इन्हें नोट करें और साथ के कॉलम में इनकी मौजूदा कीमतें लिखें। आप देखेंगे कि इनकी कीमतें बेतहाशा बढ़ गई हैं। परिवार के साथ चर्चा करें कि क्या इस दौरान आय भी उसी अनुपात में बढ़ी है। ऊपर दी गई सूची

ITEM	OLD PRICE	CURRENT PRICE
LPG Cylinder		
1 litre cooking oil		
1 kg wheat		
1 litre petrol		
1 kg rice		
Cadbury's dairy milk		
1 kg sugar		
1 litre milk		

में से कोई एक वस्तु लें और नीचे दिया ग्राफ बनाएं:

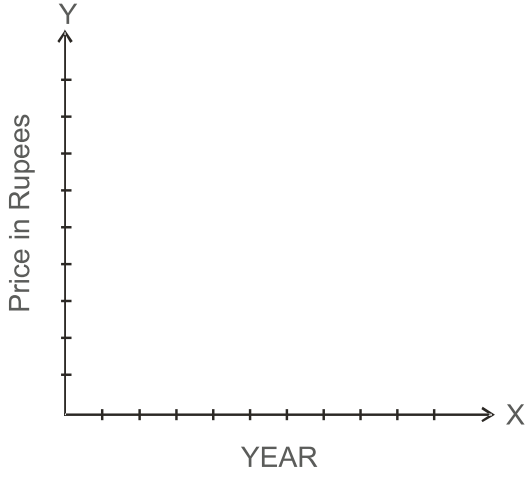

निवेश मंत्र:

- ✓ धन समय के साथ बढ़ता है।
- ✓ कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि का लाभ उठाएं
- ✓ जल्दी शुरुआत करें और लंबे समय तक निवेशित रहें
- ✓ लगातार निवेश करें

निवेश का कल्पवृक्ष

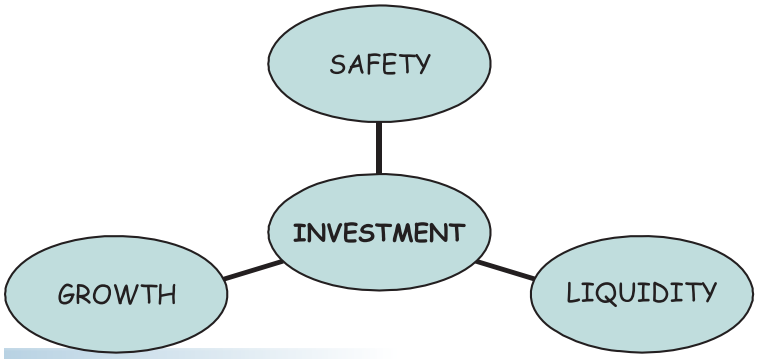

अभ्यास 2

अपने परिवार के साथ चर्चा करें कि किसी विशेष विकल्प में निवेश करने से पहले आपकी सामान्य दिलचस्पी क्या होती है।

1._____

2._____

3._____

4._____

5._____

अभ्यास 3

अपने परिवार द्वारा किए गए किन्हीं पांच निवेश की सूची बनाएं और उन निवेश से जुड़ी लिक्विडिटी यानी तरलता, सुरक्षा और विकास के संदर्भ में चर्चा करें।

INVESTMENT	SAFETY	LIQUIDITY	GROWTH

सत्र4

बैंकिंग की बुनियादी बातें

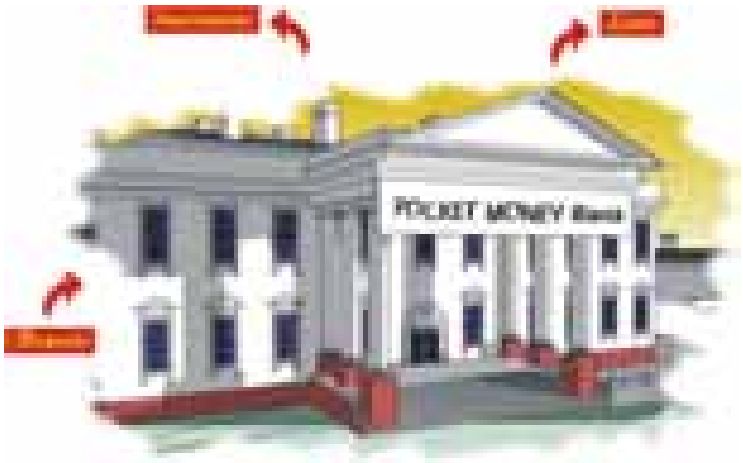

प्रिय माता-पिता

आज की दुनिया में बिना बैंक खाते के जीना लगभग असंभव सा है। लिहाजा इस दुनिया में बेसिक्स ऑफ बैंकिंग यानी बैंकिंग की बुनियादी बातें जानना भी पढ़ने, लिखने और गणित सीखने जितनी ही महत्वपूर्ण हैं।

आज के सत्र में आपका बच्चा एक युवा लड़के चेतन से मिला जिसे अपने नाना से एक क्रॉस किया हुआ एकाउंट पेई चेक मिला है और उसे एक बैंक खाता खोलना है। इस प्रक्रिया में आपके बच्चे ने इन विषयों पर कुछ बातें सीखीं-

- बैंक के बचत खाते
- बैंक खाते खोलना
- टर्म डिपॉजिट या सावधि खाते
- चेक
- बैंक से जुड़ी कुछ और बातें

विचार बिंदु यानी सोचने वाले बिंदु

1. क्या आपको लगता है कि आपके बच्चे को जल्दी यानी समय से बैंकिंग गतिविधियों से परिचय करा देना चाहिए।
2. आपके बच्चे को बैंकिंग शुरू करवाने में आपका क्या योगदान हो सकता है।
3. क्या आपके बच्चे का बैंक खाता है? अगर नहीं है तो यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे को जल्द से जल्द बैंक खाता खुलवाने के लिए प्रोत्साहित करें।
4. यह भी जरूरी है कि अगली बार जब आप बैंक जाएं तो आप अपने बच्चे को भी साथ ले जाएं।

अपने बच्चे को बैंक में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताएं।

यहां आपके परिवार की गतिविधियों के लिए कुछ सुझाव हैं जिसका उद्देश्य आपके बच्चे को शामिल करवाना है।

अभ्यास 1

अपने बच्चे से चर्चा करें और उन कारणों को कहीं रिकार्ड करें जो आपको अपना बैंक चुनने में भूमिका' अदा करते हों।
(* कुछ उदाहरण हैं- प्रॉक्सिमिटी यानी कि बैंक कितने नजदीक है, सेवाओं की गुणवत्ता, ज्यादा ब्याज दर, कम सर्विस चार्जेस, नई नई डिपॉजिट स्कीमें, एटीएम की संख्या और एटीएम की लोकेशन, क्लियरिंग या कलेक्शन के चेक में लगने वाला समय आदि)

1____

2____

3____

4____

5____

अभ्यास 2

यहां आपके परिवार का संक्षिप्त बैंकिंग प्रोफाइल दिया गया है, जिसे हम चाहते हैं कि आप अपने बच्चे के साथ मिलकर पूरा करें।

खाते का ब्योरा

	Name of the person	Bank / Branch	Type of account	Special features
1				
2				
3				
4				
5				
6				

अन्य सेवाएं

	Name of the person	Bank / Branch	Type of service	Special features
1				
2				
3				
4				
5				
6				

अभ्यास 3

उन बैंकों की वेबसाइट पर जाएं जहां आपका खाता हो। अपने बच्चे को बताएं कि इंटरनेट पर बैंक की क्या - क्या सेवाएं उपलब्ध हैं। उसे लॉगिन आईडी और पासवर्ड की गोपनीयता बनाए रखने के महत्व के बारे में बताएं।

सत्र 5

शेयर इकट्ठे करना

प्रिय माता-पिता

आज के सत्र में, आपके बच्चे का शेयर बाजार की गतिविधियों की बुनियादी बातों से परिचय करवाया गया है।

बच्चों ने कई गतिविधियों में भागीदारी की जिसमें उन्होंने-

- लिमिटेड कम्पनियां बनाने के बारे में सीखा
- कंपनी के डिविडेंड देने के काम के विषय में जाना
- शेयर बाजार से संबंधित बुनियादी शब्दकोष को सीखा
- शेयर बाजार की विभिन्न गतिविधियों के विषय में जाना
- शेयरों के प्रदर्शन को ट्रैक करने के बुनियादी कुशलता सीखी

यह संभव है कि आपने शेयरों में निवेश किया हो, यह भी संभव है कि आपने केवल एक बार शेयरों में निवेश किया हो या फिर यह भी संभव है कि आपने शेयरों में कभी निवेश ही न किया हो।

बात कैसी भी हो, अब जबकि आपके बच्चे ने शेयरों में निवेश के प्रति कुछ जागरूकता हासिल कर ली है, हम समझते हैं कि अगर अब आप अपने बच्चे से शेयरों के अपने अनुभव को बांटे तो यह आपके बच्चे के लिए काफी दिलचस्प और ज्ञानवर्धक होगा।

बस शेयर करें

यहां कुछ सवाल दिए गए हैं जो आपके विचारों को जगाएंगे और आपके बच्चे के साथ चर्चा के लिए आपको प्रेरित करेंगे।

1 क्या आपने शेयरों में निवेश किया है?

2 अगर नहीं तो क्या कारण है जो आपको शेयर बाजार से दूर रखे हुए है?

3 अगर आपने पहले शेयरों में निवेश किया है लेकिन फिर उससे अलग हुए तो अपना अनुभव बताएं।

4 अगर शेयरों में आपका निवेश है तो,

अ- आप शेयरों का चुनाव कैसे करते हैं?

ब-क्या आप विशेषज्ञों की सेवाएं लेते हैं, अगर हां तो ये विशेषज्ञ कौन हैं?

स-क्या आप लंबी अवधि के लिए निवेशित रहते हैं? अगर हां तो आप कितने समय के लिए निवेश करते हैं?

द-शेयरों में निवेश का आपका पहला उद्देश्य क्या है?

5 *शेयरों में निवेश के बारे में आपका क्या नजरिया है? अपने बच्चे को आपकी क्या सलाह है?*

पारिवारिक अभ्यास

आप शेयरों में निवेश करते हैं या नहीं, यहां आपके लिए एक अभ्यास है, यह आप एक परिवार के रूप में कर सकते हैं जिससे आपके बच्चे को लाभ होगा।

पांच शेयर चुनें और इन पांचों के बंद भाव को छह से आठ दिनों तक ट्रैक करें। इस दौरान सेंसेक्स का उतार - चढ़ाव भी देखते रहें और इन शेयरों और सेंसेक्स की वैल्यू अगले पृष्ठ में दी तालिका में भरें। साथ ही शेयरों और सेंसेक्स का उतार - चढ़ाव फीसदी में भी नोट करें।

नोट-

1 कृपया लेट अस कम्पेयर वाले अभ्यास को देखें जिसमें आपके बच्चे ने आज के सत्र में हिस्सा लिया था।

2 सेंसेक्स और शेयरों के रोज के बंद भाव अखबारों के वित्त पृष्ठ पर दिए रहते हैं।

इन्हे भी देखें

आप, अपने परिवार के साथ नीचे दी गई और इसी तरह की और वेबसाइट्स को देखें

www.nseindia.com
www.bseindia.com
www.sebi.gov.in
www.statebankofindia.com
www.idbipaisabuilder.com
www.rbi.org.in

Days	Company 1		Company 2		Company 3		Company 4		Company 5		Sensex	
	Value	% increase/ decrease	Value	% increase/ decrease	Value	% increase/ decrease	Value	% increase/ decrease	Value	% increase/ decrease	Value	% increase/ decrease
1												
2												
3												
4												
5												

सत्र 6

निवेश- विस्तृत परिवेश

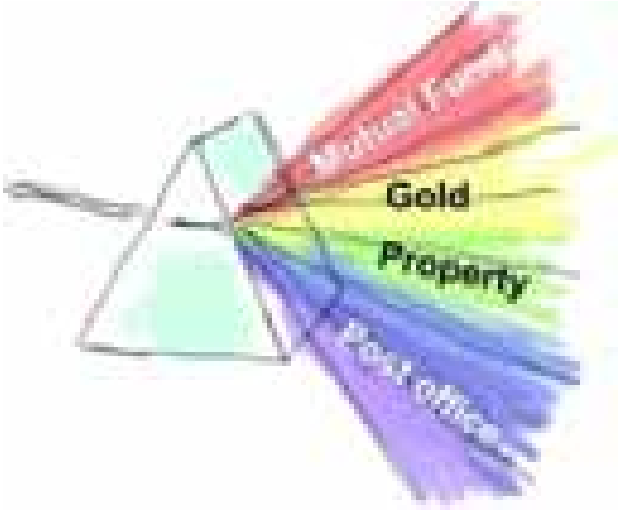

प्रिय माता-पिता,

पिछले सत्रों में आपके बच्चे का बैंकिंग की बुनियादी बातों से परिचय हुआ और उसे शेयर बाजार में निवेश बारे में भी जानकारी हुई। जैसा कि आपको पता है, निवेश के कई और तरीके भी हैं। म्यूचुअल फंड का कंसेप्ट भी शेयर बाजार में निवेश के नजरिए को बदल देता है। अपने बच्चे को निवेश के अवसरों के बारे में बताने के लिए आज के सत्र में आपके बच्चे का परिचय इन बातों से करवाया गया।

1. म्यूचुअल फंड का कंसेप्ट यानी धारणा
2. म्यूचुअल फंड के प्रकार
3. पोस्टऑफिस की लघु बचत स्कीम
4. पब्लिक प्रॉविडेंट फंड
5. जीवन बीमा, रियल एस्टेट और सोना निवेश के अवसरों के रूप में
6. जीवन के अलग - अलग चरणों में निवेश के प्रति बदलता नजरिया

यहां कुछ बिंदु दिए गए हैं जो आपके बच्चे के साथ इस बात की चर्चा शुरू करा सकेंगे कि व्यक्ति के जीवन के अलग – अलग चरणों में उसकी अलग – अलग जरूरतें उसके निवेश अवसरों के चुनाव को तय करती है।

1 जीवन के विभिन्न चरणों में कैसे जरूरतें, नजरिया, जोखिम लेने की क्षमता बदलती रहती है।

2 कैसे समय के साथ आपका या आपके परिवार के सदस्यों का निवेश नजरिया बदलता रहता है।

3 कैसे विशेष निवेश योजनाओं ने आपकी विशिष्ट वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद की है।

बच्चों को शामिल करने के लिए यहां आपके परिवार के लिए कुछ अभ्यास के सुझाव दिए गए हैं।

अभ्यास:1

नीचे दिए गए विभिन्न प्रकार के निवेश को सुरक्षा, लिक्विडिटी और रिटर्न के आधार पर लो (निम्न), मॉडरेट (मध्यम) और हाई (उच्च)रेटिंग से रेट करें।

Sl. No.	Instituition	Type of investment	Safety	Liquidity	Return	Special feature, if any
	Banks	Savings Bank Accounts				
		Recurring Deposits				
		Time Deposits				
	Bank/Post Office	Public Provident Fund (PPF)				
	Post Office	Kisan Vikas Patra				
		National Savings Certificate (NSC)				
		Monthly Income Scheme				
		Senior Citizens Savings Scheme				
	Stock Market	Shares				
		Debentures				
		Bonds				
		Mutual Funds				
	Insurance Companies	Endowment Plans				
		Pension Plans				
		ULIP				
	Gold					
	Real Estate					

अभ्यास:2

यहां एक तालिका दी हुई है, इसको पूरा करने पर आपके परिवार का निवेश प्रोफाइल तैयार होगा। हमारा सुझाव है कि इस तालिका को पूरा करते समय आप अपने बच्चे के साथ संबंधित मुद्दों पर चर्चा करें।

Sl. No.	Member of the family	Bank Deposit		Shares		Mutual Fund		PPF		P. Office Small Savings		Gold		Real Estate	
		y/n	Reason	y/n	Reason	y/n	Reason	y/n	Reason	y/n	Reason	y/n	Reason	y/n	Reason

अभ्यास:3

यहां आपके लिए एक क्विज यानी पहेली दी गई है जिसे मिलजुल कर हल करें।

1. भारत में बैंक डिपॉजिट एक सीमा तक बीमित यानी इंश्योर्ड होते हैं जिससे बैंकों के विफल होने पर हित सुरक्षित रहते हैं। सही/गलत

2. कंपनियों के शेयरों में निवेश करना म्यूचुअल फंड में निवेश से ज्यादा सुरक्षित है। सही/गलत

3. कुछ निवेश टैक्सेबल इनकम यानी कर योग्य आय पर छूट के लिए योग्य होते हैं जिससे टैक्स का लाभ मिलता है। सही/गलत

4. ज्वेलरी यानी गहनों में पैसा लगाना निवेश का एक अच्छा जरिया है। सही/गलत

5. आप पब्लिक प्रॉविडेंट फंड से १५ साल पूरे होने से पहले पैसा नहीं निकाल सकते। सही/गलत

6. म्यूचुअल फंड प्रबंधकों के अलावा म्यूचुअल फंड निवेश को ट्रैक करने का कोई और तरीका नहीं है। सही/गलत

7. कुछ बीमा कम्पनियों को निवेश के लिए पेंशन योजना लाने की अनुमति है। सही/गलत

8. हालांकि इक्विटी में निवेश के जोखिम होते हैं लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंडों में नियमित अंतराल में, लंबे समय के लिए किया गया निवेश समय के साथ आपकी औसत प्रति शेयर या प्रति यूनिट लागत को कम कर देता है। सही/गलत

9. एक बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड आमतौर पर इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट दोनों में ही निवेश करता है जिससे म्यूचुअल फंड में सुरक्षा का अंश बढ़ जाता है। सही/गलत

10. म्यूचुअल फंड में निवेश से आप कोई टैक्स लाभ नहीं ले सकते। सही/गलत

उत्तर

1. सही
2. गलत
3. सही
4. गलत
5. गलत
6. गलत
7. सही
8. सही
9. सही
10. गलत

सत्र 7

बचत के बावजूद- कर्ज

प्रिय माता-पिता

मौजूदा समय में आर्थिक कर्ज को बुरा नहीं माना जाता- कम से कम अब तो नहीं। वो दिन गए जब कहा जाता था कि, बैंकर वो शख्स होता है जो आपको अपना छाता तब उधार देता है जब मौसम साफ हो और बारिश होते ही अपना छाता वापस मांग लेता है। ऐसी कई परिस्थितियां हैं जब कर्ज लेना एक समझदारी का विकल्प होता है।

एक ओर जहां प्लास्टिक मनी (डेबिट, क्रेडिट कार्ड वगैरह) ने ग्राहकों के लिए सुविधाओं का पिटारा खोल दिया है, वही उसके क्रेडिट कार्ड के अवतार ने कर्ज को इतना आसान बना दिया है कि अगर इसका प्रबंधन समझदारी से नहीं किया गया तो यह वित्तीय रूप से आपको बर्बाद भी कर सकता है। इसलिए यह युवा व्यस्कों और टीनएजर्स के लिए जरूरी हो गया है कि इस दोधारी तलवार को सही तरीके से समझ लें।

ऊपर दी गई बातों पर विचार के बाद एक अध्याय और जोड़ा गया है जो बचत के बावजूद लिए जाने वाले कर्ज से संबंधित है।

इस सत्र में आपके बच्चे का परिचय इन बातों से कराया गया-

1. संपत्ति बनाने के लिए कर्ज वित्त का एक स्रोत
2. कर्ज की लागत के रूप में ब्याज बनाम लाभ की उम्मीद
3. ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट यानी ईएमआई की धारणा
4. ब्याज की गणना का रेड्यूसिंग बैलेंस मेथड
5. क्रेडिट कार्ड और प्लास्टिक मनी का प्रभावी इस्तेमाल
6. व्यावसायिक बैंकों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न कर्ज सुविधाएं और

यहां आपके बच्चे को शामिल करने के लिए कुछ पारिवारिक अभ्यास दिए गए हैं

ताकि ऊपर दी गई बातों का संदर्भ साफ हो सके।

अभ्यास 1

परिवार के विभिन्न सदस्यों की कर्ज जरूरतों का अध्ययन,
यहां दो तालिकाएं दी गई हैं जिन्हें आपको पूरा करना है।

तालिका 1

कर्ज की विभिन्न सुविधाओं को प्रियॉरिटाइज करें यानी उनकी प्राथमिकता तय करें और अपनी प्राथमिकता तय करने के कारण भी लिखें।

क्या कहती है थ्योरी

ईएमआई =
ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट

तालिका 2

आपके कर्ज लेने के फैसले को कौन से कारक' प्रभावित करेंगे, उन कारकों को प्राथमिकतावार लिखें और अपने बैंक या योजना के चुनाव के बारे में भी बताएं। यह परिवार के हर सदस्य के लिए अलग अलग निकाला जा सकता है।

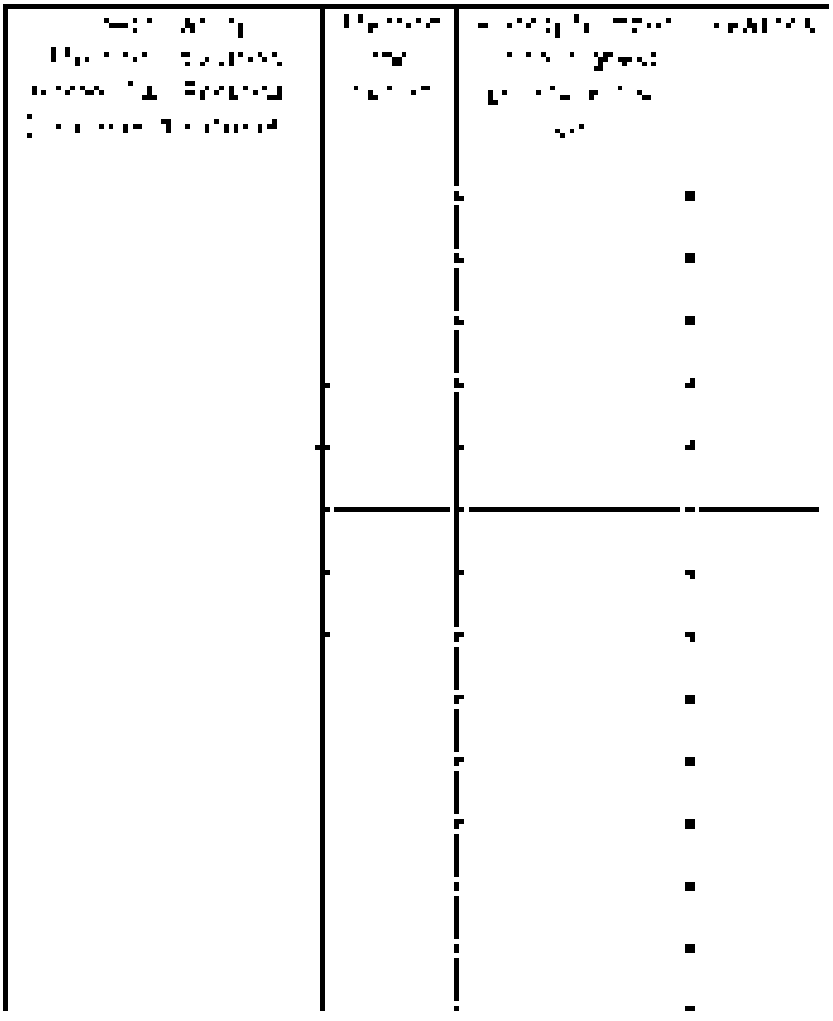

*जैसे अर्जेंसी, रीपेमेंट की अवधि, ब्याज की दर, रेड्यूसिंग बैलेंस का तरीका- यह दैनिक है या मासिक, प्रॉसेसिंग में समय, क्या सेक्योरिटी मांगी है आदि।

अभ्यास 2

क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल पर सोचने के लिए कुछ बिंदु-

1 क्या आप क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं (डेबिट या कैश कार्ड से अलग)?

2 क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने या न करने के क्या कारण हैं?

3 क्रेडिट कार्ड के चुनाव में कौन से कारक (जैसे दिनों की संख्या, ब्याज मुक्त कर्ज की उपलब्धता, सालाना शुल्क, पेमेंट में विलंब पर ब्याज दर आदि) आपको प्रभावित करते हैं।

4 किस तरह की खरीदारी और पेमेंट के लिए आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं?

5 क्या आपने कभी केवल न्यूनतम देय राशि का भुगतान किया है, अगर हां तो किन हालातों में।

6 क्या आपने अपने परिवार के किसी सदस्य (बच्चों समेत) को ऐड-ऑन कार्ड दिलाया है और दिलाने या न दिलाने के कारण भी बताएं?
परिवार के सदस्य

Member of family	Whether add on card provided: Yes/No	Reasons

अभ्यास 3

मिनी क्विज

1 एक साल के लिए दस फीसदी सालाना की दर से 12 हजार रुपए पर 1200रुपए ब्याज बनता है। लिहाजा अगर रीपेमेंट अवधि 12 महीने की है तो कर्ज की ईएमआई कितनी होगी (एक को चुनें)-

अ पूरे 1100 रुपए
ब 1100 रुपए से ज्यादा
स 1100 से रुपए से कम

2 इनमें से कर्ज लेने वाले के लिए सबसे फायदेमंद क्या है?

अ दैनिक रेड्यूसिंग बैलेंस
ब मासिक रेड्यूसिंग बैलेंस
स तिमाही रेड्यूसिंग बैलेंस
द सालाना रेड्यूसिंग बैलेंस

3 आपने अपना क्रेडिट कार्ड पिछले महीने 20 तारीख को इस्तेमाल किया था और आपको इस महीने की पांच तारीख का बिल प्राप्त होता है जिस पर ड्यू डेट इस महीने की 22 तारीख की थी। क्रेडिट कार्ड बिल पिछले महीने की तीन तारीख से इस महीने की २ तारीख की अवधि का है। अगर आप बिल की पूरी राशि इस महीने की 22 तारीख तक अदा कर देते हैं (जो ड्यू डेट है) तो आप पर ब्याज लगेगा-

अ पिछले महीने की 20 तारीख से इस माह की 22 तारीख तक
ब पिछले महीने की 20 तारीख से बिल के पेमेंट की तारीख तक
स इस महीने की 2 तारीख से इस माह की 22 तारीख तक
द इस महीने की 2 तारीख से बिल पेमेंट की तारीख तक
इ कोई ब्याज नहीं क्योंकि आप ड्यू यानी देय तारीख यानी इस महीने की 22 तक पूरी रकम अदा कर रहे हैं।

4 आपने अपना क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल किया है और दस हजार का क्रेडिट कार्ड बिल मिलने पर आपने देखा कि न्यूनतम देय राशि 500 रुपए की है। आप 1000 रुपए अदा करने का फैसला करते हैं। बैंक आपके बाकी के एक हजार रुपए पर किस दर से ब्याज लगाएगा।

अ 3%: सालाना
ब 12%: सालाना
स 3%: मासिक
द 12%: मासिक
ई कोई ब्याज नहीं लगाएगा क्योंकि आपने न्यूनतम देय राशि अदा कर दी है।

5 अगर आप अपने क्रेडिट कार्ड के बिल पर केवल न्यूनतम देय राशि ही देते रहें और कोई और नहीं खरीद या नया पेमेंट नहीं किया तो आपको पूरी रकम अदा करने में लगभग कितने साल लगेंगे।

अ एक साल
ब दो साल
स चार साल
द छह साल

मिनी क्विज के उत्तर-

1 स **2 अ** **3 ई**
4 स **5 द**

सत्र 8

उलटी गिनती

प्रिय माता-पिता,

आज पॉकेट मनी प्रोग्राम यानी कार्यक्रम का आठवां और अंतिम सत्र था। आज के सत्र का उद्देश्य था आप के बच्चे से बचत, बजटिंग, निवेश, कर्ज और बैंकिंग से सभी कंसेप्ट यानी धारणाओं को लागू करवाना जो उन्हें पिछले सात सत्रों में पढ़ाया गया। यह एक समग्र केस स्टडी को लेकर किया गया जिसमें इन सभी धारणाओं को लागू किया जाना था। सत्र में व्यक्तिगत स्किल और टैलेंट यानी प्रतिभा के इस्तेमाल से पढ़ाई के दौरान कमाई के रास्ते और तरीकों पर भी चर्चा की गई।

पॉकेट मनी में पिछले सभी आठ सत्रों में कोशिश की गई है कि बच्चे को एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया जाए जहां वह बुनियादी वित्तीय सच्चाई से रूबरू हो सके और परिवार के वित्तीय सेहत में अपना भी योगदान दे सके। कोर्स ने एक ओर जहां आपके बच्चे को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने का ध्येय रखा वहीं वह ऐसी उम्मीद नहीं करता कि बच्चा इस उम्र में निवेश का मास्टर हो जाएगा या फिर परिवार की कमाई में बहुत बड़ा कोई योगदान देगा।

पॉकेट मनी कार्यक्रम में परिवार की अभ्यास पुस्तिका की गतिविधियों में आपकी भागीदारी का हम का हम सम्मान करते हैं। इस कोर्स का ध्येय या मकसद तभी पूरा होगा जब आप अपने परिवार के बुनियादी वित्तीय फैसलों में अपने बच्चे को सतत रूप से शामिल करते रहें। हमारा यह भी सुझाव है कि आप कुछ वेबसाइट्स पर जाएं जिनका जिक्र कोर्स में किया गया है। पॉकेट मनी कोर्स पैकेट के साथ जो मनी मंत्र (मैक्सिम) की पुस्तक दी गई है वह आपके भविष्य की चर्चाओं में एक रिफरेंस गाइड के रूप में काम आएगा। मनी मंत्र में सभी वित्तीय शब्दों की विस्तृत शब्दावली दी गई है जिसे क्लास में समझाया गया है। इसके अलावा जिम्मेदारी से खर्च करने के उपयोगी टिप्स दिए गए हैं और अपनी आय और खर्चों का ब्योरा रखने की अच्छी आदत बनाए रखने के लिए कुछ तालिकाएं भी दी गई हैं। आपके बच्चे को वित्तीय साक्षरता के इस सफर पर ले चलना एक अच्छा अनुभव रहा है और हमें विश्वास है कि यह आपके बच्चे के भविष्य के सफर में अहम प्रभाव डालेगा।

अभ्यास 1

पूरे परिवार को साथ बैठना चाहिए और नीचे दी गई तालिका पूरी करने के लिए चर्चा करनी चाहिए। परिवार के हर सदस्य को उस चार एरिया यानी मद की सूची बनानी चाहिए जहां वह पैसा बचा सकता है, निवेश के कोई चार विकल्प देने चाहिए जो उसे उसकी जरूरत के हिसाब से अनुकूल लगते हों और यह भी बताना चाहिए कि क्या वह अपनी आय बढ़ाने या कमाई शुरू करने के लिए कुछ कर सकता है।

	Family member 1	**Family member 2**	**Family member 3**	**Family member 4**
Steps to save more:				
Suitable investments				

	Family member 1	Family member 2	Family member 3	Family member 4
Extra earning options?				

अभ्यास 2

नीचे निवेश के तीन विकल्पों के विज्ञापन दिए गए हैं। उनका डीटेल पढ़ने के बाद, परिवार के साथ इन विकल्पों की अच्छाई और खामी पर कारण बताते हुए चर्चा करें, बताएं कि आप इस विकल्प में निवेश करेंगे या नहीं । अंत में दी गई तालिका में इसका विवरण भरें।

विकल्प:1

भविष्य निर्माण बॉन्ड्स

- भारत सरकार ने नाबार्ड को यह बॉन्ड जारी करने की अनुमति दी थी जिसने कृषि और ग्रामीण विकास के प्राथमिक क्षेत्रों के लिए यह फंड जुटाया।
- बैंक ने ऐसे भविष्य निर्माण बॉन्ड जारी किए जिनकी फेस वैल्यू यानी अंकित मूल्य (मेच्योरिटी के बाद) 20 हजार रुपए प्रति बॉन्ड है। बॉन्ड का इश्यू प्राइस 9,750 रुपए प्रति बॉन्ड है।
- हर महीने इन बॉन्ड्स का विंडो पहली से बीस तारीख के बीच खुला रहेगा।
- इस बॉन्ड की अवधि दस साल की है, निवेशक के पास 50 बॉन्ड के लॉट में सेकेन्डरी बाजार में यह बॉन्ड बेचने का विकल्प होगा क्योंकि यह बॉन्ड बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होंगे।
- क्रिसिल और केयर ने इन बॉन्ड को एएए की रेटिंग दी है।
- बॉन्ड से होने वाली आय यानी बॉन्ड की मेच्योरिटी वैल्यू और निवेश मूल्य के अंतर को कैपिटल गेन यानी पूंजीगत लाभ के तौर पर लिया जाएगा और उस पर नियमानुसार टैक्स लगेगा।
- इस पर सोर्स पर कोई (टीडीएस) टैक्स नहीं काटा जाएगा।
- बॉन्ड की लंबी अवधि की मेच्योरिटी निवेशक को लंबी अवधि के ध्येय जैसे बच्चों की पढ़ाई, विवाह या फिर रिटायरमेंट के बाद की जरूरतों आदि की योजना बनाने में मदद मिलेगी।

विकल्प 2:

स्टेट बैंक में टर्म डिपॉजिट पर निम्नलिखित ब्याज दरें उपलब्ध हैं:

Interest Rates (Aug-2008)	
Duration	**Interest Rate(% p.a)**
15 days to 45 days	4.75
46 days to 90 days	5.25
91 days to 180 days	7.5
181 days to less than 1 year	8.5
1 year to less than 2 years	10
2 years to less than 3 years	9.5
3 year to less than 5 years	9.75
5 years and up to 10 years	9.25

विकल्प: 3
एबीआई मैगनम सेक्टर फंड्स अंब्रैला- कॉन्ट्रा फंड

स्कीम का उद्देश्य

एसबीआई मैगनम सेक्टर फंड्स अंब्रैला- कॉन्ट्रा फंड एक ओपन एंडेड इक्विटी डाइवर्सिफाइड स्कीम है जिसका निवेश उद्देश्य उन शेयरों का एक पोर्टफोलियो बनाना है जो बाजार में उस वक्त ठंडे पड़े हैं।

स्कीम का ब्योरा

एनएवी	41.72 रुपए
फंड की कुल धनराशि यानी कॉर्पस (करोड़ में)	2009.6400
न्यूनतम निवेश	2000 रुपए

प्रदर्शन

पिछले कुछ वर्षों में फंड ने लगातार बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है और अपनी श्रेणी के औसत से अच्छे मार्जिन से आगे रहा है। उस फंड को उसके ऊपर जाने की क्षमता अलग ही नहीं बनाती बल्कि गिरावट के दिनों में उसे रोकने की क्षमता भी इसे अलग स्थान देती है। पिछले दो और तीन सालों में इसने क्रमशरू 20.75 और 28 फीसदी का सालाना कंपाउंडेड रिटर्न दिया है।

Option	Yes	No	Reasons
OPTION 1			
OPTION 2			
OPTION 3			

अभ्यास 3

पढ़ाई के दौरान कमाई के संदर्भ में कुछ बातें विचारणीय है-

1. क्या आपको पसंद है कि आपका बच्चा जब स्कूल में हो तभी से वह कमाई करे? (एक चुनें)
   i. हां
   ii. कोई आपत्ति नहीं
   iii. अभी नहीं लेकिन बाद में
   iv. नहीं, कभी नहीं

अगर (1) में आपका उत्तर (i), (ii), वत (iii) है

आप अपने बच्चे को किस तरह का काम करवाना चाहेंगे (बच्चे की रुचि और काबिलियत को ध्यान में रखते हुए) और क्यों?

_____

_____

_____

किस तरह का काम आप बच्चे से करवाना नहीं चाहेंगे और क्यों?

_____

_____

_____

2. साधारण रूप में पढ़ाई के दौरान कमाई का आइडिया आपको कैसा लगता है?

_____

_____

_____

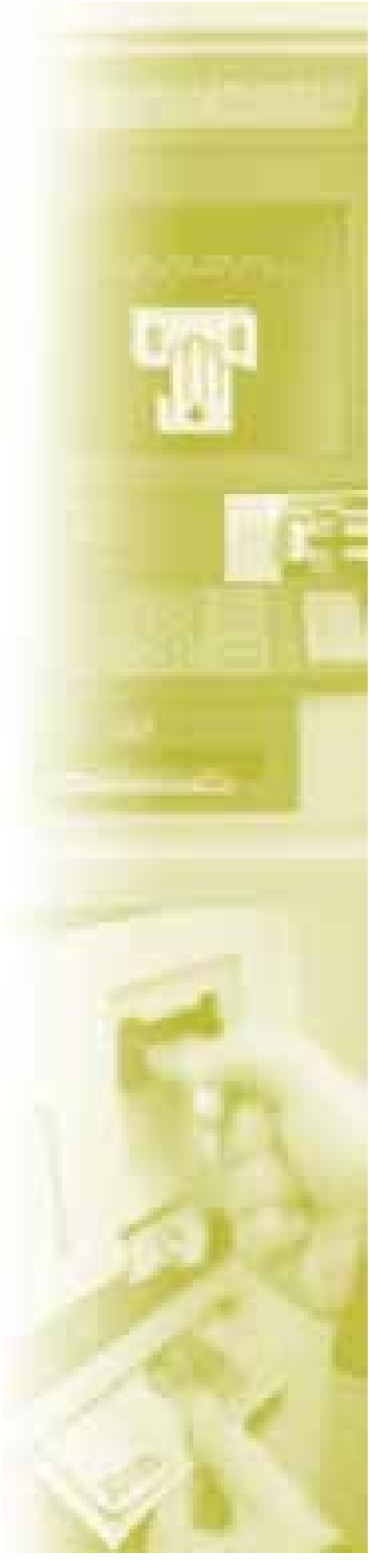

Money maxims

स्मार्ट मनी के सिद्धांत

निवेश का कल्पवृक्ष

निवेश करते समय सबसे ज्यादा ध्यान धन की सुरक्षा, तरलता यानी लिक्विडिटी और विकास (ग्रोथ) पर देने की जरूरत होती है।

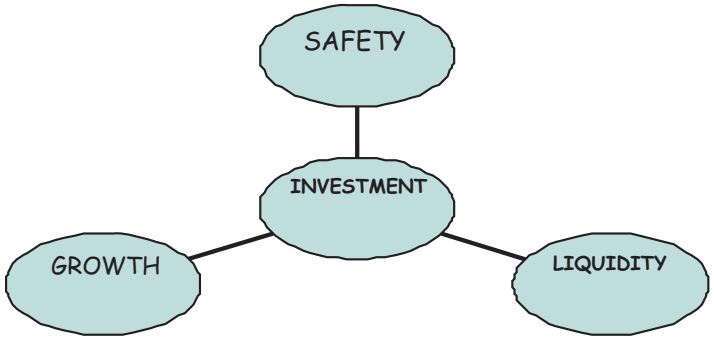

72 का नियम

मोटे तौर पर अगर आप अपने धन या निवेश को दोगुना करना चाहते हैं तो ब्याज दर और निवेश की अवधि का गुणांक 72 होना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आपने कोई रकम 12 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दर से छह साल के लिए जमा की है तो आपका पैसा इस अवधि में दोगुना हो जाएगा।

बैंक से कर्ज का लेने मानक और किस्त यानी ईएमआई निकालना

- ☞ कर्ज की रकम
- ☞ कर्ज की अवधि
- ☞ ब्याज की दर

स्मार्ट मनी के सिद्धांत

बच्चों / युवाओं को क्यों जरूरत है पैसे बचाने की ?

- ☞ इससे आप अपने माता-पिता या अपने मित्र के लिए कोई तोहफा यानी गिफ्ट खरीद सकते हैं और इसके लिए हर बार आपको अपने माता-पिता से पैसे मांगने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।
- ☞ आप अपने काम की चीजों की खरीद के लिए बचत कर सकते है जैसे कंप्यूटर या मोबाइल फोन।
- ☞ अगर आप आज से ही नियमित रूप से बचत करना शुरू कर दें तो आप अपने कॉलेज की पढ़ाई के लिए उसे इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर विदेश में छुट्टियां मनाने के लिए भी उसे खर्च कर सकते हैं।
- ☞ बचत करना एक आदत है और यह आदत जितनी जल्दी पड़ जाए उतना ही अच्छा है।

हमें अपनी बचत को निवेश करने की जरूरत क्यों है ?

- ☞ महंगाई की मार से बचने के लिए :
  हर चीज की कीमतें लगातार बढ़ती रहती हैं। किसी भी रकम की कीमत यानी उसकी वैल्यू कुछ साल बाद उतनी नहीं रह जाती जितनी कि आज है। लिहाजा आज हम जो बचत करते हैं वह बढ़ती महंगाई की मार से बचने में हमारी मदद करता है।

- ☞ बुरे दिनों में काम आने के लिए:
  अचानक बीमार पड़ जाने जैसी किसी जरूरत या इमरजेंसी पर यह बचत बहुत काम आती है और ऐसे बुरे वक्त को पार करने में कोई मुश्किल नहीं होती।

- ☞ जीवन स्तर सुधारने के लिए:
  समझदारी से की गई बचत और उसके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न या मुनाफे से हम अपना जीवन स्तर भी बेहतर कर सकते हैं। आपका घर, आपकी कार, बिजली के उपकरण, सेल फोन, लंबी छुट्टियां...यह सारी चीजें आपकी बचत से ही आती हैं।

- ☞ बाद के दिनों में आय का स्रोत:
  रिटायरमेंट के बाद आपको जो पेंशन मिलती है वह आपके या आपके परिवार का जीवन स्तर वैसा ही बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होती, और ऐसे में आपके द्वारा की गई बचत ही सबसे ज्यादा काम आती है।

स्मार्ट मनी के शब्दावली

- **असेट्स:** किसी व्यक्ति की अपनी संपत्ति
- **लायबिलिटीज:** किसी व्यक्ति के दायित्व यानी जिम्मेदारियां
- **नेथ-वर्थ:** असेट्स-दायित्व यानी असेट्स में दायित्व घटाकर जो बचे
- **कैश-फ्लो स्टेटमेंट:** एक साधारण तालिका जिसमें आय और खर्च का ब्योरा दर्ज हो
- **बजट:** आय को ध्यान में रखते हुए खर्चों की वित्तीय योजना
- **सरप्लस:** सरप्लस यानी वह रकम जो अपनी जरूरतें पूरी करने के बाद बच जाए
- **डेफिसिट:** डेफिसिट यानी आय से ज्यादा हुए खर्च का अंतर
- **इंस्टैंट ग्रैटिफिकेशन:** यानी जब हम अपनी जरूरत या इच्छा को तुरंत ही संतुष्ट कर लें या पूरा कर लें
- **डिलेड ग्रैटिफिकेशन:**लंबी अवधि के ध्येयों यानी गोल के साथ आप अपनी इच्छाओं और जरूरतों को थोड़े समय के लिए रोक लेते हैं ताकि भविष्य में बेहतर और उससे बड़ी चीज पा सकें। इसे ही डिलेड ग्रैटिफिकेशन कहा जाता है
- **ऑपर्चुनिटी कॉस्ट:**ऑपर्चुनिटी कॉस्ट वह है जो हर बार किसी चीज का चुनाव करते हुए आपको छोड़ना पड़ता है। स्रोत सीमित होते हैं और इच्छाएं अनंत होती हैं, हम हर चीज तो नहीं पा सकते। लिहाजा अगर हम कुछ चुनते हैं तो साथ ही हमें कुछ छोड़ना भी पड़ता है।
- **नीड्स:** नीड्स यानी जरूरतें, वह चीजें या वस्तुएं जिनके बिना हम नहीं रह सकते
- **इच्छाए:** यानी वह चीजें या वस्तुएं जो हमारे जीवन को बेहतर बनाती हैं
- **बैंकिंग:**बैंकिंग का मतलब है कर्ज देने या निवेश करने के लिए पब्लिक से जमाराशि यानी धन स्वीकार करना, जिसे नियत समय या जरूरत पड़ने पर लौटाया जा सके या चेक, ड्राफ्ट, आदेश आदि के जरिए निकाला जा सके- बैंकिंग रेगुलेशन ऐक्ट
- **चेक:** चेक एक ऐसा लिखित दस्तावेज या इंस्ट्रूमेंट है जिसमें जारी करने वाले के हस्ताक्षर के साथ किसी निश्चित बैंकर के लिए एक बिना शर्त आदेश होता है कि वह एक नियत राशि किसी को या किसी के आदेश पर या फिर उस दस्तावेज के धारक को अदा करे। -नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट ऐक्ट
- **इनकम:**धन जो कमाया गया हो या हासिल किया गया हो
- **एक्सपेंस:** यानी वह रकम जो आप अपनी जरूरतों और इच्छाओं पर खर्च करते हैं

स्मार्ट मनी के सिद्धांत

बचत खाता खोलने की जरूरतें

(1) खाता खोलने वाले व्यक्ति का आयडेंटिटी प्रूफ यानी कोई पहचान पत्र और उसके पते का प्रमाण

(2) किसी मौजूदा खाताधारक द्वारा परिचय। अगर खाता नाबालिग का खुलना है तो उसके माता-पिता का इंट्रोडक्शन यानी परिचय पर्याप्त होता है।

(3) पहचान के लिए खाता खोलने वाले का फोटोग्राफ (आमतौर पर दो)

(4) खाता खोलने वाले का पैन नंबर (आयकर विभाग द्वारा जारी), अगर पेन नंबर नहीं जारी हुआ है तो खाताधारक को एक नियत फार्म में घोषणा-पत्र देना होता है।

एटीएम: ऑटोमेटेड टेलर मशीन

एटीएम कार्ड को निम्नलिखित कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है-

(1) आपके खाते में उस समय उपलब्ध बैलेंस से धन निकालने के लिए

(2) अपने खाते में नकद धन या चेक जमा करने के लिए

(3) अपने खाते का बैलेंस जानने के लिए

(4) अन्य तरह के लेन-देन' के लिए जो हर बैंक के लिए अलग अलग होते हैं

* जैसे खाते के लेन-देन का मिनी स्टेटमेंट निकालना या फिर और तरह के बिलों की अदायगी के लिए कार्ड का इस्तेमाल करना आदि

क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में बरती जाने वाली जरूरी सावधानियां

1 क्रेडिट कार्ड मिलते ही उसके पीछे हस्ताक्षर करने वाले खाने में अपने हस्ताक्षर तुरंत कर दें

2 अपने पिन (पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नंबर) को बिलकुल गोपनीय रखें। कार्ड मिलने के तुरंत बाद ही आपको बैंक से डाक द्वारा यह पिन उपलब्ध कराया जाता है। पिन नंबर मिलते ही उसे बदल दें और डाक से आए उस पिन नंबर वाले कागज को बाद में नष्ट कर दें। बैंक के एटीएम को इस्तेमाल करने के लिए इस पिन नंबर का प्रयोग करना होता है।

3 कार्ड से खरीदारी करते समय सुनिश्चित करें कि दुकानदार कार्ड तुरंत लौटा रहा है, आप अपने कार्ड को अपने सामने ही रखें, उसे कहीं और न ले जाने दें।

4 आपके मासिक बिलिंग स्टेटमेंट का अपने कार्ड के लेनदेन से मिलान कर लें और इसमें कोई गड़बड़ी हो तो तुरंत ही इसकी सूचना बैंक को दें।

5 अपने सभी कार्डों के नंबरों का पूरा ब्योरा रखें और सुनिश्चित करें कि यह सुरक्षित स्थान पर है।

स्मार्ट मनी के सिद्धांत

जरा एक बार कर के तो देखें

अगर आप रोजाना बहुत छोटी रकम बचाते हैं तो महीने का कोई एक दिन तय कर लें जब आप अपनी गुल्लक की राशि को अपने बचत खाते में डालें।

इंटरनेट पर जाकर बच्चों और युवाओं के लिए उपलब्ध आकर्षक निवेश स्कीमों के बारे में जानकारी ढूंढें। इसके नतीजों से आप खुद आश्चर्य में पड़ जाएंगे।

अगर आपके माता-पिता आपके सेल फोन बिल के लिए एक निश्चित रकम देते हैं तो अपने मोबाइल के इस्तेमाल में कुछ कमी करें जिससे उस रकम में से आपके कुछ पैसे बच सकें ताकि आप अपने वित्तीय ध्येय को हासिल कर सकें।

हम सभी को अपने घरेलू कामकाज में हाथ बंटाना चाहिए। लेकिन आप अपने माता-पिता को सुझाव दें सकते हैं कि किसी घरेलू काम को करने के लिए (जो आमतौर पर आप नहीं करते) आप क्या कीमत और वह आपकी कमाई होगी, लेंगे यानी आपकी पहली कमाई आपके घर से ही होगी।

मैं भी कमा सकता हूं.....अपने उस हुनर को पहचानिए जिसके सही इस्तेमाल से आप कुछ कमाई कर सकते हों।

कमरा छोड़ने से पहले बत्तियां, पंखे और अन्य बिजली के उपकरण बुझा कर निकलें। एयर कंडीशनर का इस्तेमाल तभी करें जब जरूरी हो। आपको आश्चर्य होगा कि इस तरह से आपका परिवार बिजली पर होने वाले खर्च में कितनी बचत कर सकता है।

जब आप बाहर जाते है और पैसे खर्च करते हैं, तब सारे नोट अपने पॉकेट में रखें और खरीदारी में उनका इस्तेमाल करें लेकिन रेजगारी को अलग पर्स में रखें। जब आप खरीदारी के बाद घर लौटे तो पर्स में रखी रेजगारी अपनी गुल्लक में डाल दें। महीने के आखिर में अपनी गुल्लक में जमा हो गए पैसों को देख कर आपको खुद ही अचरज होगा।

स्मार्ट मनी के शब्दावली

☞ **क्रॉसिंग:** चेक के ऊपर वाले बाएं कोने पर दो समानांतर तिरछी रेखाओं को क्रॉसिंग कहते हैं और जब चेक क्रॉस किया जाता है तो बैंकर जिस पर चेक जारी किया गया उस का पेमेंट केवल एक बैंकर को ही दे सकता है, किसी और को नहीं। - नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स ऐक्ट

☞ **अकाउंट पेई चेक:** जब चेक की क्रॉसिंग के बीच अकाउंट पेई लिख दिया जाता है तो बैंकर उसका भुगतान केवल उसी को करेगा जिसके नाम चेक काटा गया है। - नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स ऐक्ट

☞ **ड्राअर:** चेक का ड्राअर वह खाताधारक होता है जिसने चेक जारी किया होता है। यानी जो चेक से पेमेंट करना चाहता है। चेक पर हस्ताक्षर भी ड्राअर यानी चेक जारी करने वाले के होते हैं।

☞ **पेई:** पेई वह होता है जिसे चेक की रकम का भुगतान होना होता है।

☞ **ड्रॉई बैंक और ब्रांच:** ड्रॉई बैंक और ब्रांच (शाखा) वह बैंक और ब्रांच होती है जहां खाताधारक का खाता होता है और जहां से उस चेक का भुगतान होना होता है।

☞ **नाबालिग का बचत खाता:** कानून के मुताबिक एक नाबालिग यानी वह व्यक्ति जिसकी उम्र 18 साल से कम है, वह किसी भी कॉन्ट्रैक्ट यानी अनुबंध का हिस्सा नहीं हो सकता। लेकिन बचत की आदत डालने के लिए ज्यादातर बैंक 10 से 12 साल के नाबालिग (यह आयु बैंक के नियमों पर निर्भर करती है)लोगों के खाते खोल देता है और उन्हें अपने नाम से खाता चलाने की अनुमति दे देता है।

☞ **सेक्योरिटीज एण्ड एक्सचेंज बोर्ड (सेबी):**सेबी एक भारतीय नियामक है
अ- प्रतिभूतियों यानी सेक्योरिटीज के निवेशकों के हितों का ध्यान रखना
ब- सेक्योरिटीज बाजार के विकास को बढ़ावा देना
स- सेक्योरिटीज यानी शेयर बाजार को रेगुलेट करना यानी उसे नियंत्रित करना

☞ **इक्विटी शेयर:** किसी कंपनी की कुल इक्विटी पूंजी को छोटी इकाइयों में यानी शेयरों के रूप में बराबर हिस्सों में बांट दी जाती है जिसे इक्विटी कैपिटल कहते हैं या फिर इसे केवल शेयर भी कहा जा सकता है।

☞ **फेस वैल्यू:** किसी शेयर की फेस वैल्यू उस पर अंकित मूल्य को कहते हैं जो उस शेयर को जारी करने वाली कंपनी तय करती है।

☞ **डिविडेंड:** डिविडेंड यानी लाभांश कंपनी के लाभ के उस हिस्से को कहते हैं जो वह शेयरधारकों में बांटती है।

☞ **मार्केट वैल्य:** किसी भी कंपनी के शेयर की मार्केट वैल्यू उस शेयर के मौजूदा बाजार भाव को कहते हैं। दूसरे शब्दों में यह वह कीमत है जिस पर बाजार में उस शेयर का लेनदेन होता है या खरीद-बिक्री होती है।

स्मार्ट मनी टिप्स

अपने ध्येय पर डटे रहने के गुर

☞ अपने स्मार्ट गोल यानी ध्येय को लिख कर रखें या फिर उसका एक फोटो खींच लें और उसे अपनी पढ़ने की मेज के ऊपर सॉफ्ट बोर्ड पर चिपका दें। इसे अपना विजन बोर्ड समझें। इससे आप अपने ध्येय से भटकेंगे नहीं।

☞ अपनी योजना की समय - समय पर समीक्षा करते रहें ताकि आप ध्येय को भूलें नहीं।

☞ अपने गोल यानी ध्येय के बारे में अपने दोस्तों को बताएं जिससे कि जब भी आप उससे दूर होने लगें तो आपके दोस्त उसकी याद दिला दें।

मॉल का मलाल

- जो भी आपको खरीदना हो उसकी लिस्ट बना लें।
- कोशिश करें कि कार्ड की जगह कैश ही रखें।
- सीमित कैश रखें। क्योंकि कैश आप कितना भी रखें, मॉल में सब खर्च ही हो जाता है।
- जोश में आकर कोई खरीदारी न करें। पहले खुद से पूछें कि जो चीज आपको इतनी अच्छी लग रही है क्या वाकई में उसकी जरूरत है? आप अपनी उस टी-शर्ट का ध्यान करें जो आप ने कभी पहनी ही नहीं या फिर उस हाई हील के जूतों का जिसे पहनकर आप ठीक से चल भी नहीं पाते।

स्मार्ट मनी शब्दावली

बचत के नुस्खे

खर्च करने से पहले बचत करें- कोई काम करके, किसी एलाउंस के जरिए या फिर किसी और तरह से, जब भी आपके हाथ में पैसा आए, खर्च करने से पहले उसमें कुछ पैसा तुरंत ही बचाने के लिए अलग कर लें। इस तरीके की खास बात यह है कि जैसी ही आपने बचत के वह पैसे अलग किए, बात यह है कि अब आप बाकी का पैसा खर्च करने के लिए स्वतंत्र हो जाते हैं।

अपने माता-पिता से बात करें- यह नुस्खा काम आए या न आए पर आजमा जरूर लेना चाहिए। देखिए कि क्या वह आपकी बचत से बराबरी कर पाते हैं या नहीं। यानी अगर आप महीने में पचास रुपए की बचत करते हैं तो उन्हे सुझाव दीजिए कि बतौर ईनाम वह उतनी ही और रकम आपके बैंक खाते में डालें।

खरीदारी की ऑपर्चुनिटी कॉस्ट देखें- ऑपर्चुनिटी कॉस्ट यानी एक चीज को पाने के लिए दूसरी चीज को छोड़ने की कीमत। मिसाल के लिए अगर आप पांच सौ रुपए के एक जोड़ी जूते खरीदने जा रहे हैं, तो यह भी सोचें कि अगर यह रकम आप 5-10 साल के लिए निवेश कर देते हैं तो कितना फायदा होगा। और इसके बाद भी आपको लगता है कि नहीं आपको इसके बावजूद जूते लेने ही हैं तो आप बेशक अपने जूते खरीद सकते हैं।

स्मार्ट मनी शब्दावली

☞ **ईपीएस:** ईपीएस का पूरा मतलब है अर्निंग्स पर शेयर यानी आय प्रति शेयर

ईपीएस= / $\frac{\text{Net profit available to ordinary shareholders}}{\text{Number of ordinary shares outstanding}}$

☞ **पीई:** पीर्ध्ई अनुपात प्रति शेयर के बाजार भाव और ईपीएस के बीच का अनुपात होता है।

पी/ई $\frac{\text{Market price per share}}{\text{EPS}}$

☞ **स्टॉक एक्सचेंज:** प्रतिभूतियों और शेयरों की खरीद-बिक्री और लेनदेन आदि की व्यवस्था के लिए बनाए गए संस्थान को स्टॉक एक्सचेंज या शेयर बाजार कहा जाता है।

☞ **ब्रोकर**। ब्रोकर या दलाल बीच का वह व्यक्ति है जिसके जरिए निवेशक शेयरों की खरीद फरोख्त करते हैं। इस तरह एक ब्रोकर निवेशक और ग्राहक के लिए एजेंट का काम करता है और अपनी सेवाओं के लिए एक तय शुल्क या कमीशन लेता है।

नोट: भारत में ऐसे ब्रोकर को सेबी के पास पंजीकृत होना चाहिए।

☞ **सेंसेक्स:**सेंसेक्स का मतलब है सेंस्टिविटी इंडेक्स। यह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सेंसेटिव इंडेक्स का प्रचलित नाम है। इसमें बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सबसे ज्यादा कारोबार करने वाले और बड़े तीस शेयरों को शामिल किया जाता है। यानी यह एक सांख्यिकीय तरीका है बीएसई के शेयरों का प्रदर्शन जानने के लिए।

आम तौर पर हर स्टॉक एक्सचेंज में इस तरह का एक सांख्यकीय तरीका होता है, आम तौर पर हर स्टॉक एक्सचेंज में इस तरह का एक सांख्यिकीय तरीका होता है जो अलग - अलग नाम से होता है। हालांकि भारत में सेंसेक्स का मतलब किसी भी स्टॉक एक्सचेंज के इंडेक्स को भी कहा जाता है। आम बोलचाल की भाषा में एनएसई के सेंसेक्स का नाम निफ्टी है।

☞ **निफ्टी:** निफ्टी एनएसई यानी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार करने वाले बड़े और सबसे लिक्विड पचास स्टॉक का इंडेक्स होता है।

☞ **डाउ जोंस या डीजेआईए (डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज)** यह न्यू यार्क स्टॉक एक्सचेंज और नैस्डैक का इंडेक्स है।

☞ **इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ):** इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) किसी कंपनी की प्रतिभूतियों या शेयरों की पब्लिक में पहली बार की जाने वाली बिक्री को कहते हैं।

☞ **सिंपल इंटरेस्ट फार्मूला यानी साधारण ब्याज दर- आइ=** $\frac{P \times N \times R}{100}$ आई= इंटरेस्ट, पी= प्रिंसिपल, आर= रेट ऑफ इंटरेस्ट, एन= पीरियड या अवधि

☞ **कंपाउंड इंटरेस्ट फार्मूला:** ए= पी $(1+r)n$ ए=अमाउंट, पी=प्रिंसिपल

आर=रेट ऑफ इंटरेस्ट, एन= अवधि और आर= $\frac{R}{100}$

स्मार्ट मनी के नुस्खे

आप भी कमाई कर सकते है, ये हैं कुछ नुस्खे..

कंप्यूटर गुरू बनिए :कई लोग कंप्यूटर खरीदते हैं और उसे सेट करने या इन्स्टॉल करने और इस्तेमाल करने में उन्हें बहुत दिक्कत आती है। अगर आप की जानकारी कंप्यूटर में थोड़ी बहुत है तो किसी लोकल कंप्यूटर सलाहकार की तरह अपनी सेवाएं दे सकते हैं। आप उनका कंप्यूटर इन्स्टॉल कर सकते हैं, उनकी दिक्कतें दूर कर सकते हैं, उनके सवालों का जवाब दे सकते हैं, पढ़ा सकते हैं, बता सकते हैं कि कैसे ईमेल भेजी जाती है और व्यवस्थित की जाती है, डिजिटल फोटो कैसे अपलोड की जाती है, अमेजन डॉट कॉम से कैसे खरीदारी की जाती है, इंस्टेंट मैसेजिंग कैसे की जाती है और सर्च इंजन में कैसे ऑनलाइन सर्च की जाती है।

कैंप्स: अगर आप समय से तैयार रहें तो आप किसी समर कैंप में काम पकड़ सकते हैं। आप वहां बच्चों के साथ काम कर सकते हैं, ग्राउंड की देखभाल कर सकते हैं, खाना बना सकते हैं या और कई ऐसे काम हैं जो आप वहां कर सकते हैं।

ट्यूटरिंग: अगर आप किसी विषय में अच्छे हैं तो आप दूसरों को वह विषय पढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

डिपार्टमेंट स्टोर:इन जगहों पर काम करने में सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि आपको कर्मचारी होने के नाते काफी डिस्काउंट मिल जाता है और सामान बेचने पर कमीशन भी मिलता है।

कलाकार बनिए: अगर आपकी आर्ट और क्राफ्ट में रुचि है तो आप ज्वेलरी, ग्रीटिंग कार्ड या खूबसूरत मोमबत्तियां बनाकर बेच सकते हैं, यह काम आप अपनी सोसाइटी या कालोनी में कर सकते हैं जहां आप रहते हैं और यहां आपको ग्राहक भी आसानी से मिल सकेंगे।

बड़ों की सेवा करें: इसके लिए आप किसी नर्सिंग होम या रिटायरमेंट कम्यूनिटी में ही नहीं बल्कि आप अपने अड़ोस-पड़ोस में भी बड़े-बुजुर्गों की सेवा कर सकते हैं। कई बूढ़े लोग अपने आप चल भी नहीं पाते, उन्हे आपकी सेवाएं अच्छी लगेंगीं, आप अपने अड़ोस-पड़ोस में भी बड़े-बुजुर्गों की सेवा कर सकते हैं।कई बड़े-बुजुर्ग अपने आप चल भी नहीं पाते उन्हें आपकी सेवाएं अच्छी लगेंगी आप उनके लिए सामान लाकर दे सकते हैं या उनके दूसरे काम कर सकते हैं।

स्मार्ट मनी के नुस्खे

आप अपने रोज के, साप्ताहिक और मासिक खर्चों का ब्योरा रखने के लिए नीचे दी हुई आसान सी तालिका बना सकते हैं, यानी अपना कैश फ्लो स्टेटमेंट बनाने के लिए।

रोजाना के खर्चों का ट्रैक रखें-

Area of expenditure		Amount (Rs.)
Total Income: A		Monday
Total Expenses: B		Date:
Difference: A-B		

स्मार्ट मनी शब्दावली

☞ **बुल:** वित्तीय बाजार में 'बुल' शब्द उस निवेशक को कहा जाता है जो यह मानता है कि बाजार अच्छा जाएगा और शेयरों की कीमतों में इजाफा होगा। यानी बुल एक आशावादी निवेशक होता है जो बाजार के भविष्य को लेकर अच्छी राय बनाए है और बाजार के इस चढ़ने से मुनाफा कमाने का प्रयास कर रहा है।
बुल मार्केट वह होता है जब बाजार में आशा और उत्साह हो और कीमतें चढ़ रही हों। एक 'बुल रन' का मतलब है शेयर कीमतों का लगातार चढ़ना।

☞ **बियर:** वित्तीय बाजार में 'बियर' शब्द से तात्पर्य उन निवेशकों से है जो इस बात पर यकीन करते हैं कि बाजार नीचे की तरफ जा रहा है। बियर गिरते बाजार में मुनाफा कमाने का प्रयास करते हैं। बियर आमतौर पर बाजार के हालातों के मद्देनजर निराशावादी होते हैं। यानी बियर मार्केट का मतलब है कि बाजार मे निराशा का आलम है और कीमतें गिर रही हैं।
नोट- इसका मतलब यह है कि बुल बाजार के बियर से बिलकुल उलटा सोचते हैं।

☞ **बॉन्ड:** बॉन्ड एक फिक्स्ड इनकम का(डेट) का इंस्ट्रूमेंट यानी दस्तावेज होता है (आमतौर पर एक साल से ज्यादा की अवधि के लिए) जो पूंजी या धन की उगाही के लिए बाजार में जारी किया जाता है।

☞ **डेट इंस्ट्रूमेंट्स:** एक डेट इंस्ट्रूमेंट एक पार्टी का रिकार्ड होता है (लेनदार) जो निवेशक से निश्चित शर्तों पर एक तय रकम कर्ज के रूप में लेता है (देनदार) जिसमें ब्याज की दर, अवधि और मूल धनराशि की अदायगी की शर्तें दी होती हैं। अदायगी के लिए तय तारीख को मेच्योरिटी डेट कहा जाता है। भारतीय शेयर या प्रतिभूति बाजार में बान्ड शब्द का इस्तेमाल केंद्रीय, राज्य सरकारों और सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जारी डेट इंस्ट्रूमेंट्स के लिए किया जाता है। चूंकि यह केंद्र, राज्य सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जारी किए जाते हैं लिहाजा ये निवेश के लिए काफी सुरक्षित होते हैं लेकिन इनमें रिटर्न भी काफी कम ही रहता है।

☞ **डिबेंचर:** डिबेंचर एक असुरक्षित इंस्ट्रूमेंट होता है जो कंपनियों द्वारा जारी किया जाता है। लिहाजा इसे कार्पोरेट बॉन्ड भी कहा जा सकता है। अगर डिबेंचर जारी करने वाली कंपनी बंद हो जाती है तो डिबेंचर धारक को एक साधारण लेनदार के रूप में रखा जाता है लिहाजा इसमें सुरक्षित लेनदारी की तुलना में पैसे की वसूली उतनी आसान नहीं होती। इसमें काफी जोखिम होने की वजह से डिबेंचर पर सुरक्षित डेट की तुलना में काफी ज्यादा रिटर्न होता है।
भारतीय प्रतिभूति बाजार में डिबेंचर शब्द का इस्तेमाल निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा जारी डेट इंस्ट्रूमेंट्स के लिए किया जाता है।

स्मार्ट मनी शब्दावली

स्मार्ट मनी के नुस्खे

Week of the day	Income (A)	Expenditure
Monday		
Tuesday		
Wednesday		
Thursday		
Friday		
Saturday		
Sunday		
Totals		
Difference A- B		

स्मार्ट मनी शब्दावली

☞ **कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट:** यह लघु अवधि यानी शार्ट टर्म (छह माह)से मध्यम अवधि यानी मीडियम टर्म (तीन से पांच साल) की अवधि का कंपनियों द्वारा लिया जाने वाला कर्ज होता है जिसमें ब्याज की दर तय होती है और यह मासिक तिमाही छमाही या फिर सालाना दी जाती है। इसमें चक्रवृद्धि ब्याज वाले डिपॉजिट भी होते हैं जिनमें मूल धन और ब्याज एक साथ मियाद पूरी होने पर अदा किए जाते हैं। कंपनियों की इन एफडी में ब्याज की दर 6-9 फीसदी सालाना की बीच होती है। ब्याज देने के पहले इंटरेस्ट टैक्स काट लिया जाता है।

☞ **क्रेडिट रेटिंग एजेंसी:** । क्रेडिट रेटिंग एजेंसी स्वतंत्र और विशेष संस्थान होते हैं जो वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स की रेटिंग करते है। ज्यादातर बान्ड, डिबेंचर और कंपनी की एफडी किसी न किसी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से रेट किए गए होते हैं। भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां हैं, क्रिसिल, केयर, भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां है क्रिसिल केयर इक्रा और फिच। किसी भी बॉन्ड की ईल्ड उसको दी गई क्रेडिट (सेफ्टी) रेटिंग के आधार पर तय होती है। इंस्ट्रूमेंट जितना सुरक्षित होगा, उसमें ब्याज दर उतना ही कम मिलेगा।

☞ **डीमेट खाता:** डीमेट शब्द का मतलब है डीमेटीरियलाइज्ड या डीमेटीरियलाइजेशन। डीमेट खाता निवेशक के द्वारा किसी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) के पास खोला जाता है ताकि वहां पर निवेशक अपनी खरीदी गई प्रतिभूतियों को रख सके।

किसी प्रतिभूति के डीमेटीरियलाइज करने से तात्पर्य है कि उसे फिजिकल रूप से बदलकर इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखा जाए। इलेक्ट्रॉनिक रूप में इसे कोई डिपॉजिटरी ही रखती है।

एक डिपॉजिटरी किसी बैंक की तरह होती है जहां आप अपनी प्रतिभूतियां (शेयर डिबेंचर बॉन्ड

एक डिपॉजिटरी किसी बैंक की तरह ही होती है जहां आप अपनी प्रतिभूतियां (शेयर, डिबेंचर, बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूति यूनिट आदि) इलेक्ट्रॉनिक रूप में जमा रखते हैं। भारत में इस समय दो जो डिपॉजिटरी हैं जो प्रतिभूतियों के डीमेटीरियलाइजेशन का काम करती हैं, ये हैं, दि नेशनल सेक्योरिटीज डिपॉजिटरीज लिमिटेड (एनएलडीएल) और सेंट्रल सेक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (सीएसडीएल)।

डिपॉजिटरी सीधे किसी निवेशक का खाता नहीं रखती बल्कि अपने निवेशकों के जरिए यह सुविधा देती है यानी डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के जरिए जो निवेशकों का खातों के ब्योरा रखते हैं। लिहाजा अगर कोई बैंक डिपॉजिटरी है तो डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट किसी बैंक शाखा की तरह होते हैं जहां निवेशकों के खातों का ब्योरा रहता है। सेबी अगले कुछ समय में सभी कंपनियों और स्टॉक एक्सचेंजों को डीमेट की परिधि में ले आना चाहता है।

स्मार्ट मनी के नुस्खे

अपने मासिक खर्चों का ब्योरा रखें-

Month: January		
Week	**Income (A)**	**Expenditure**
Week 1		
Week 2		
Week 3		
Week 4		
Totals		
Difference A- B		

स्मार्ट मनी शब्दावली

☞ **म्यूचुअल फंड:** म्यूचुअल फंड एक पंजीकृत कार्पोरेट संस्था होती है जो व्यक्तिगत और कार्पोरेट निवेशकों से धन जुटाती है और उस धन को विभिन्न वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स या प्रतिभूतियों जैसे इक्विटी शेयर, सरकारी प्रतिभूतियां, बॉन्ड और डिबेंचर आदि में निवेशित करती है।

इस तरह म्यूचुअल फंड को निवेश के कारोबार में लगी वित्तीय इंटरमीडियरी भी कहा जा सकता है जो पब्लिक से धन इकट्ठा करती है और उस धन का उनके लिए विभिन्न जगहों पर निवेश करती है। म्यूचुअल फंड इसके एवज में निवेशकों को अपने यूनिट जारी करती है।

भारत में सभी म्यूचुअल फंडों को सेबी के पास पंजीकृत होना जरूरी है।

म्यूचुअल फंड के फायद:

- छोटा निवेश
- कम जोखिम
- प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट
- लंबी अवधि के निवेश का लाभ
- लिक्विडिटी यानी धन की तरलता
- सही नियमन
- पारदर्शिता यानी ट्रांसपेरेंसी
- उचित शुल्क

☞ **नेट असेट वैल्यू (एनएवी):** किसी म्यूचुअल फंड की नेट असेट वैल्यू फंड की कुल संपत्ति के बाजार मूल्य से सारे दायित्व कम करने के बाद की कीमत के बराबर होती है। किसी यूनिट की एनएवी उसकी संपत्ति की नेट वैल्यू में कुल यूनिट का भाग दे कर निकाली जा सकती है। यूनिटों की खरीद फरोख्त उनकी एनएवी के आधार पर ही होती है। किसी म्यूचुअल फंड की स्कीमों की एनएवी अखबारों में प्रकाशित करवाना जरूरी होता है। किसी फंड के स्कीमों की एनएवी के उतार-चढ़ाव से उस स्कीम का प्रदर्शन जाना जा सकता है।

☞ **एंट्री-एक्जिट लोड:** एंट्री और एक्जिट लोड एक शुल्क है जो म्यूचुअल फंड किसी भी स्कीम में शामिल होने या उससे निकलने पर वसूलता है। फंड यह लोड फंड द्वारा प्रतिभूतियों की खरीद-फरोख्त में आने वाले खर्चों की भरपाई करने के लिए लेता है।

नोट:कुछ फंड कोई भी एंट्री या एक्जिट लोड नहीं लेते, ऐसे फंडों को नो लोड फंड कहा जाता है। आमतौर पर फंड 1-2 फीसदी के बीच एंट्री लोड लेते हैं। एक्जिट लोड 0.25-2.00 फीसदी के बीच होता है।

☞ **इक्विटी म्यूचुअल फंड(या ग्रोथ फंड):** । यानी वह म्यूचुअल फंड जो अधिकतर इक्विटी में ही निवेश करता हो। नोट- ग्रोथ प्लान के तहत निवेश पर मिलने वाला डिविडेंड या रिटर्न को दोबारा उसी में निवेशित कर दिया जाता है ताकि उसकी पूंजी में इजाफा होता रहे। जबकि डिविडेंड प्लान के तहत स्कीम से होने वाली आय को निवेशकों में बांट दिया जाता है।

स्मार्ट मनी के नुस्खे

अपने मासिक कैश फ्लो का विश्लेषण करें और उसके आधार पर अपनी जरूरतों का बजट तैयार करें

Area of expenditure	Amount spent (Rs.)	Need/want	Scope for improvement?	Proposed expenditure
Totals				

Monthly Income: A	
Monthly Expenses: B	
Difference: A-B	
Target Monthly Expenses	
Target Saving	

खर्च की गई रकम

☞ **डेट फंड:** वह म्यूचुअल फंड जो ज्यादातर डेट इंस्ट्रूमेंट्स में ही निवेश करता है।

☞ **बैलेंस्ड फंड**। वह म्यूचुअल फंड जो इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट्स दोनों में ही निवेश करता है ताकि जोखिम और ग्रोथ में एक बैलेंस बना रहे।

☞ **टैक्स सेविंग फंड:** वह म्यूचुअल फंड जो निवेशकों को आयकर कानून के तहत निवेशकों को टैक्स में छूट देता है।

☞ **ओपन एंडेड फंड:**। वह म्यूचुअल फंड जो सब्सक्रिप्शन (यूनिट की खरीदारी) और रिडम्पशन (बिक्री) के लिए हमेशा खुला रहता है।

☞ **क्लोज एंडेड फंड:** । वह म्यूचुअल फंड जो खरीदारी के लिए केवल अपने इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के दौरान ही खुला रहता है।

नोट- ओपन एंडेड फंड के यूनिट की कीमत रोज के नेट असेट वैल्यू (एनएवी) से जुड़ी होती हैं लिहाजा ऐसे फंड क्लोज एंडेड फंड की तुलना में ज्यादा लिक्विड होते हैं, क्लोज एंडेड फंड ज्यादातर अपने एनएवी पर डिस्काउंट में कारोबार करते हैं।

☞ **सिस्टमैटिक विथड्राअल प्लान (एसडब्ल्यूपी)** । यह म्यूचुअल फंड का वह प्लान होता है जिसके तहत तय यूनिटों के रिडम्पशन (बिक्री) पर एक निश्चित रकम नियमित निवेशक को मिलती है।

☞ **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी):** । म्यूचुअल फंड के इस प्लान के तहत हर माह निवेशक एक तय रकम का निवेश करता है।

एसआईपी के तहत छोटी कमाई वाले निवेशक भी हर महीने एक छोटी रकम से इसमें निवेश कर सकते हैं। बजाए इसके कि एक बार में एकमुश्त एक बड़ी रकम का निवेश किया जाए, निवेशक इसमें हर महीने 100-500 रुपए का निवेश भी कर सकते हैं।

एसआईपी के मुख्य फायदे हैं-

- चक्रवृद्धि बढ़त: लंबी अवधि का निवेश होने के नाते इसमें चक्रवृद्धि दर का असर ज्यादा दिखाई पड़ता है।
- अनुशासन और सुविधा: एक छोटी रकम का निवेश नियमित करने पर इसका पता नहीं चलता जो आगे चलकर एक बड़ी रकम में तब्दील हो जाता है। इसमें निवेश की प्रक्रिया बहुत सुविधाजनक भी हो क्योंकि इसमें ईसीएस' या स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन के द्वारा पोस्ट डेटेड चेक देकर भी भुगतान किया जा सकता है।
- ईसीएस एक प्रणाली है जिसके तहत आपके बैंक खाते से तय समय पर सीधे ही पैसा डेबिट कर लिया जाता है बैंक के क्लियरिंग सिस्टम के जरिए।

स्मार्ट मनी के नुस्खे

अपनी बचत का ब्योरा रखें- आप नीचे दी गई तालिका के जरिए अपनी बचत का ट्रैक रख सकते हैं

Avenue	Amount	Rate of interest	Period	Amount on maturity
Savings account	400	3.50%	----	-----
At home (piggy bank)	50	-----	------	-----
SIP	300	12%	9 yrs	------
Total				

स्मार्ट मनी शब्दावली

☞ **जोखिम भरी या टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी:** यह बीमा पॉलिसी ऐसी होती है जिसमें पूरा का पूरा प्रीमियम बीमा (जीवन के जोखिम के कवरेज में) के मद में जाता है।

☞ **एनडाउमेंट लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी:** यह ऐसी बीमा पॉलिसी है जिसमें लाइफ रिस्क के कवर के बाद प्रीमियम को निवेश कर संतुलित किया जाता है और इसके लिए एक फंड (एनडाउमेंट) तैयार किया जाता है और इसका रीपेमेंट यानी पुनर्भुगतान बीमा अवधि के बाद मुनाफे या बिना मुनाफे (बीमा पॉलिसी की शर्तों के मुताबिक) के साथ कर दिया जाता है।

☞ **होल लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी:** इस बीमा पॉलिसी में बीमित राशि (जितनी रकम का बीमा किया गया है) को कुल फंड के इजाफे के साथ बीमाधारक के वारिस को दिया जाता है।

☞ **यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप):** इस बीमा पॉलिसी में बीमा और म्यूचुअल फंड दोनों का ही फायदा मिलता है। यह एक एनडाउमेंट पॉलिसी की तरह होती है जिसका निवेश म्यूचुअल फंड में किया गया हो।

☞ **पेंशन प्लान:** ।यह बीमा कंपनियों का एक ऐसा निवेश प्लान है जिसमें निवेशक द्वारा दिए गए प्रीमियम से एक फंड तैयार किया जाता है, और बीमा की मियाद पूरी हो जाने के बाद उस फंड से पेंशन के रूप में एक नियमित रकम अदा की जाती है।

☞ **पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ):**

- यह एक लंबी अवधि की बचत स्कीम है जिसकी मेच्योरिटी 15 साल की होती है और इसमें डाली गई रकम पर आठ फीसदी सालाना की दर से चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है।
- पीपीएफ खाता किसी बैंक या पोस्ट ऑफिस के जरिए कभी भी खोला जा सकता है और इसमें साल में किसी भी समय कम से कम एक बार पैसा जमा करना जरूरी होता है।
- इस निवेश की गई रकम पर आयकर में छूट मिलती है जिससे आपकी कर योग्य यानी टैक्सेबल आय कम हो जाती है। इसमें डाली गई रकम और उस पर मिलने वाले ब्याज के री पेमेंट पर कोई टैक्स नहीं लगता।
- इसमें डाली गई रकम की निकासी खाता खोलने के सातवें साल के बाद हर साल की जा सकती है।
- इसमें से रकम की निकासी पहले साल किए गए निवेश की तारीख से पांच साल पूरे होने के बाद कभी भी की जा सकती है। यह निकासी साल में एक बार ही की जा सकती है और इसमें से कर्ज (अगर लिया हो) की रकम काट ली जाएगी।
- पीपीएफ खाते के तहत कर्ज लेने की सुविधा भी उपलब्ध है।

स्मार्ट मनी के नुस्खे

स्मार्ट गोल

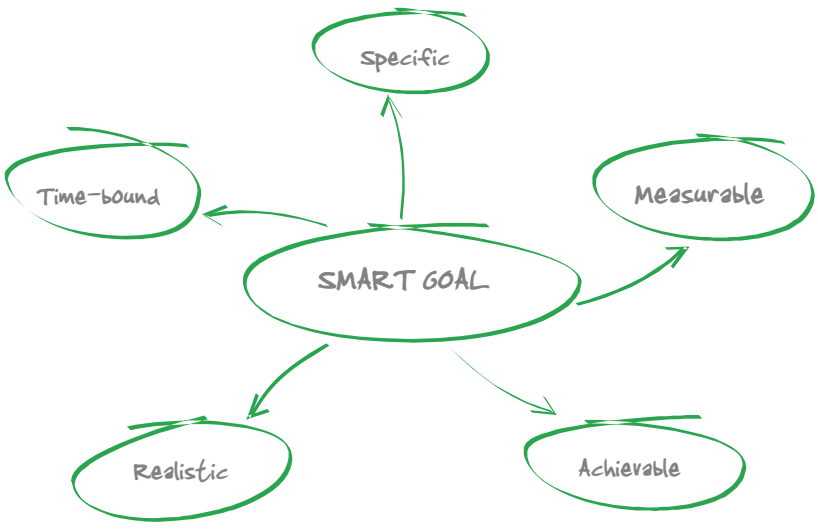

स्टूडेंट कॉपी में काम के कुछ वेब स्रोतों की सूची दी गई है जो सेशन 8 से संबंधित है। आप पर्सनल फाइनेंस और निवेश पर अधिक जानकारी के लिए अपनी सुविधानुसार इन वेबसाइट्स पर जा सकते हैं-

1 ऐसी कई वेबसाइट्स हैं जो विभिन्न निवेश इंस्ट्रूमेंट्स जैसे शेयर, म्यूचुअल फंड आदि से संबंधित खबरें और जानकारी मुहैया कराती हैं। इनमें से कुछ ऐसी हैं जो आपको अपना ऑनलाइन पोर्टफोलियो बनाने की सुविधा देती हैं ताकि आप अपने निवेश का रिकार्ड रख सकें और यहां पर आप अपने निवेश के प्रदर्शन यानी परफोरमेंस पर आसानी से नजर रख सकते हैं। कुछ वेबसाइट्स ई-कैलकुलेटर की सुविधा भी देती हैं जहां आप जान सकते हैं कि किसी विशेष निवेश पर किन परिस्थितियों पर आपको कितना मुनाफा होगा।

इनमें निम्नलिखित वेबसाइट्स शामिल हैं-

- www.bloombergutv.com
- www.business-standard.com
- www.economictimes.indiatimes.com
- www.livemint.com
- www.rediff.com/getahead/money.html

- www.moneycontrol.com
- www.myiris.com

2 कुछ वेबसाइट्स म्यूचुअल फंड जैसे केवल एक तरह के निवेश पर फोकस करती हैं। इनमें निम्नलिखित वेबसाइट्स शामिल हैं-

- www.valueresearchonline.com
- www.mutualfundsindia.com

3 बाजार के नियामक और संस्थाएं भी अपनी वेबसाइट्स चलाती हैं जिनसे बाजार पर और वहां उपलब्ध उत्पादों पर आपकी समझ बढ़ सकती है। इनमें शामिल हैं-

- www.sebi.gov.in/ - the official website of the Securities and Exchange Board of India, the regulatory body for our stock market.
- www.rbi.org.in/ - the official website of the Reserve Bank of India, the regulatory body for all the banks in India.
- www.irda.gov.in/ - the official website of the Insurance Regulatory and Development Authority, the regulatory body for insurance.

स्मार्ट मनी शब्दावली

☞ **किसान विकास पत्र:** यह पोस्ट ऑफिस की स्माल सेविंग्स डिपॉजिट स्कीम है जहां आपकी जमाराशि आठ साल और सात महीनों में दोगुनी हो जाती है और इस पर आपको 8.41 फीसदी का सालाना ब्याज मिलता है।

☞ **नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट:** यह पोस्ट ऑफिस की छह साल की स्माल सेविंग्स डिपॉजिट स्कीम है जिस पर आठ फीसदी का सालाना ब्याज मिलता है। इस स्कीम में निवेश किए गए धन पर आयकर अधिनियम के तहत छूट भी मिलती है।

☞ **पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम:** यह भी पोस्ट ऑफिस की छह साल वाली स्माल सेविंग्स डिपॉजिट स्कीम है जहां आठ फीसदी का सालाना ब्याज दिया जाता है।

☞ **सीनियर सिटिजनंस डिपॉजिट स्कीम:** यह पोस्ट ऑफिस की स्माल सेविंग्स डिपॉजिट स्कीम है जो साठ साल से ज्यादा की उम्र के लोगों के लिए है। इसमें नौ फीसदी सालाना की दर से ब्याज मिलता है।

☞ **ईक्वेटेड मंथली इन्स्टालमेंट (ईएमआई):** ईक्वेटेड मंथली इंस्टालमेंट वह रकम है जो कर्जदाता यानी कर्ज लेने वाला हर महीने अदा करता है जिससे कि तय समय तक कर्ज का मूलधन और ब्याज अदा किया जा सके।

☞ **रेड्यूसिंग बैलेंस मेथड:** रेड्यूसिंग बैलेंस मेथड कर्ज खातों पर ब्याज लगाने का एक तरीका है। इसके तहत जैसे जैसे कर्ज की अदायदी होती रहती है, जैसे-जैसे कर्ज की अदायगी होती रहती है ब्याज की गणना यानी कैलकुलेशन केवल शेष बची कर्ज की राशि पर होता है। यानी कर्ज की जितनी रकम किसी दिन, माह, तिमाही, छमाही, साल के अंत में बकाया रहती है ब्याज उसी रकम पर लगाया जाता है।

☞ **क्रेडिट कार्ड की शब्दावली**

1. **टोटल अमाउंड ड्यू**: यह क्रेडिट कार्ड धारक द्वारा अदा की जाने वाली कुल बकाया राशि होती है।

2. **पेमेंट ड्यू डेट**– यह वह तारीख है जिस दिन तक कार्ड धारक को एक न्यूनतम राशि अदा करनी होती है।

3. **क्रेडिट लिमिट**– यह कर्ज की वह कुल रकम है जितनी कि कार्ड धारक इस्तेमाल कर सकता है। अगर इस सीमा से ज्यादा कर्ज ले लिया जाए यानी कार्ड उससे ज्यादा इस्तेमाल किया जाए तो पेनाल्टी देनी होती है।

4. **मिनिमम अमाउंट ड्यू:** मिनिमम अमाउंट ड्यू यानी अदा करने वाली न्यूनतम रकम आमतौर पर कुल बकाया रकम की पांच फीसदी होती है। कार्डधारक को पेमेंट की ड्यू डेट पर कुल रकम या फिर कम से कम वह न्यूनतम रकम अदा करनी होती है।

5. **अवेलेबल क्रेडिट लिमिट:** अगर आपने अपने कार्ड पर कर्ज ले रखा हो तो आप आगे अपने कार्ड पर और कितना कर्ज ले सकते हैं उस सीमा को अवेलेबल क्रेडिट लिमिट कहा जाता है।

6. **अवेलेबल कैश लिमिट**: हर क्रेडिट कार्ड पर एटीएम से कैश निकालने की एक सीमा होती है जिसे अवेलेबल कैश लिमिट कहा जाता है।

7. **स्टेटमेंट पीरियड**– क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट में किसी निश्चित अवधि (अमूमन 30 दिन) में किए गए लेनदेन का ब्योरा दिया रहता है।

8. **पर्चेजस एण्ड अदर चार्जेस**– यानी क्रेडिट कार्ड के स्टेटमेंट में एक तय अवधि में कार्ड पर की गई खरीदारी खरीदारी या अन्य खर्चों जिसमें ब्याज की राशि भी सम्मिलित रहता है, खरीदारी या अन्य खर्चों जिसमें ब्याज की राशि भी सम्मिलित रहती है का ब्योरा दिया रहता है जो कार्डधारक को एक तय समय के अंदर अदा करना होता है।

विभिन्न तरह के बैंक लोन

व्हीकल लोन

1. आप बैंक से नई या फिर पुरानी गाड़ी (कार आप बैंक से नई या फिर पुरानी (कार बाइक आदि) के लिए कर्ज ले सकते हैं।
2. जो वाहन आप कर्ज पर लेते हैं वही बैंक की सिक्योरिटी होती है और वाहन की आरसी (यानी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) बुक पर रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के पास यह दर्ज रहता है।
3. बैंक आमतौर पर कर्ज की मार्जिन मनी के तौर पर कर्ज राशि का 10-25 फीसदी जमा कराता है।
4. व्हीकल (वाहन) लोन के पुनर्भुगतान यानी री पेमेंट की अवधि आमतौर पर सात साल होती है।
5. अगर आप पुरानी कार खरीदना चाहते हैं तो बैंक ज्यादा ब्याज लेता है और मार्जिन भी ज्यादा चाहता है और कर्ज भी कम समय के लिए देता है।

कंज्यूमर लोन

1. अगर आप कोई कंज्यूमर ड्यूरेबल जैसे रेफ्रिजरेटर, टेलिवीजन आदि खरीदने के लिए कर्ज लेना चाहते हैं तो उस कर्ज को कंज्यूमर लोन कहा जाता है।
2. इस कर्ज के रीपेमेंट की अवधि आम तौर पर तीन साल होती है।
3. इस तरह के कर्ज पर मार्जिन 10-25 फीसदी के बीच होता है।

पर्सनल लोन

1. अगर किसी खास चीज की जगह आप केवल अपने खर्चों के लिए कर्ज लेना चाहते हों जैसे कहीं छुट्टियां बिताने के लिए तो आप को ऐसे कर्ज पर कोई सेक्योरिटी नहीं देनी होती। इस तरह के कर्ज को पर्सनल लोन कहा जाता है।
2. ऐसे कर्ज की रकम आपकी नियमित आय और अदा करने की आपकी क्षमता पर निर्भर करती है।
3. चूंकि इस तरह के कर्ज पर कोई सेक्योरिटी नहीं होती, लिहाजा इसे क्लीन लोन कहा जाता है और इस पर ब्याज की दर भी सेक्योर्ड लोन की तुलना में ज्यादा होती है।

एजुकेशन लोन

1. आप अपनी पढ़ाई के खर्चों के लिए एजुकेशनल लोन ले सकते हैं। इस तरह के कर्ज से आप अपनी पढ़ाई की फीस और कई बार अपने हॉस्टल के खर्च भी पूरे कर सकते हैं।
2. आप भारत में या फिर विदेश में पढ़ाई के लिए कर्ज ले सकते हैं।
3. बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के दिशानिर्देशों के तहत काम करते हैं और अगर कर्ज की राशि एक सीमा के अंदर हो तो बैंक कोई सिक्योरिटी भी नहीं लेती।
4. इस तरह के कर्ज का री पेमेंट इस तरह से तय किया जाता है कि पढ़ाई के बाद जब आप नौकरी करने लगते हैं तभी इसकी अदायगी शुरू होती है।

हाउसिंग लोन या होम लोन

1. आप इस तरह का लोन अपना मकान बनाने या फिर बना बनाया मकान या फ्लैट लेने के लिए ले सकते हैं।
2. ऐसे कर्जों पर बैंक आमतौर पर 0-20 फीसदी का डाउन पेमेंट या मार्जिन मांगता है।
3. आमतौर पर आपको बैंक के पास प्रॉपर्टी की टाइटिल डीड (जैसे सेल डीड) सिक्योरिटी के तौर पर जमा करनी होती है।
4. कर्ज की अदायगी इसमें लंबी होती है और आपकी रीपेमेंट की क्षमता पर निर्भर करती है। रीपेमेंट इस बात पर भी निर्भर करता है कि आगे कितने साल तक आपकी आय नियमित रहनी है।
5. चूंकि रीपेमेंट की अवधि लंबी होती है लिहाजा इसका असर आपके देने वाले ब्याज पर भारी रूप से पड़ता है। इस तरह के कर्ज में यह जानना भी जरूरी है कि आपका बैंक या हाउसिंग फाइनेंस कंपनी किस प्रकार से ब्याज लगा रहा है। उदाहरण के लिए यह रोजाना के रेड्यूसिंग बैलेंस पर है या मासिक या सालाना के रेड्यूसिंग बैलेंस पर है, इससे आपके ब्याज पर फर्क पड़ेगा।
6. होम लोन लेने वाला कर्जदाता आयकर के अधिनियम के तहत छूट का भी हकदार होता है।